सूर्योदय 5:39 सूर्यास्त 7:17

आज का तापमान

शिमला	17.5 न्यू	22.5 अधि
धर्मशाला	20.8 न्यू	30.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	78,094
निफ्टी	24,383

सोना 1,42,000 चांदी 2,17,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | सोमवार, 3 अगस्त 2026 | 19 श्रावण, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 100, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

पप्पू यादव पर दिल्ली में शख्स ने फेंके जूते

एजेंसी, नई दिल्ली। बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पर उनके दिल्ली में स्थित आवास पर एक शख्स ने हमला कर दिया। पप्पू यादव प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे, इसी बीच एक आदमी ने उनके ऊपर जूता फेंक दिया। इसके बाद पप्पू के समर्थकों ने उसके साथ मारपीट की। पप्पू ने आरोप लगाया कि एक युवक ने चाकू लेकर उनकी हत्या की कोशिश की। उन्होंने कहा कि कुछ बाबा रोज कहते हैं- मुझे मार दो, जला दो, हम 51 लाख देंगे। हमने एक व्यक्ति को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस अभी आरोपी को पकड़कर ले गई है। उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इससे पहले वाराणसी में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और दो सांसदों पप्पू यादव और अवधेश प्रसाद के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। ये रिपोर्ट दिल्ली में संसद भवन के बाहर राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में नाटक करने के खिलाफ हुई है।

ट्रंप बोले- ईरान पर हमला फिलहाल टाला

एजेंसी, वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि

ईरान पर प्रस्तावित सैन्य हमला फिलहाल टाल दिया गया है। उनके मुताबिक, ईरान और कुछ मिडिल ईस्ट देशों की ओर से समझौते का प्रस्ताव आने के बाद यह फैसला लिया गया। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दावा किया कि अमेरिका ईरान पर बड़े सैन्य हमले के लिए पूरी तरह तैयार था। उन्होंने दावा किया कि समझौते की रूपरेखा पर सहमति बनी है, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत खोलना व ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करना शामिल है। ट्रंप ने यह भी कहा कि इजराइल भी इस फैसले में अमेरिका के साथ है। इससे पहले एक्सियोस की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रंप से फोन पर बात कर ईरान पर संभावित बड़े हमले को टालने और संयम बरतने की अपील की थी।

ड्रोन से भेजी 10 किलो हेरोइन और विदेशी हथियार बरामद

एजेंसी, बीकानेर। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे बीकानेर जिले के खाजूवाला क्षेत्र में पुलिस ने ऑपरेशन 'शॉक वेव' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए नशे और हथियारों की खेप बरामद की है। पुलिस ने तस्कर वीरेंद्र को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 10 किलो हेरोइन बरामद की, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 50 करोड़ रुपए आंकी गई है। पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने बताया कि डीएसटी और खाजूवाला थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए 11 विदेशी पिस्टल, 22 मैगजीन और 100 कारतूस भी जब्त किए हैं। आशंका है कि यह खेप पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए भेजी गई थी। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर सीमा पार जुड़े तस्करी नेटवर्क की जांच कर रही है।

भारत में ड्रग्स सप्लाई आतंकी साजिश का हिस्सा : प्रधानमंत्री

कहा- दुश्मन देश युवाओं को नशे में धकेलना चाहते हैं; हमें उनकी प्लानिंग नाकाम करनी है

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' की शुरुआत की।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 28 हजार से ज्यादा जगहों से जुड़े मेरे एक करोड़ से ज्यादा युवा साथियों का अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि आज हम सभी जिस अभियान के साक्षी बन रहे हैं, वह अभियान व्यक्ति के लिए है, परिवार के लिए है, समाज के लिए भी है और सबसे बड़ी बात है ये राष्ट्र के लिए है। विकसित भारत संकल्प अभियान के लिए नशामुक्त युवा, इस मूवमेंट का नाम ही इसके संकल्प को स्पष्ट करता है। पीएम मोदी ने कहा

◆ पीएम ने 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' का किया आगाज

कि दुश्मन देश भारत में ड्रग्स भेजकर और युवाओं को निशाना बनाकर देश को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने अवैध ड्रग्स के कारोबार को दुश्मन के 'आतंकवादी एजेंडे' का हिस्सा बताया। पीएम मोदी ने कहा, 'आज जब देश ने विकसित भारत का लक्ष्य तय किया है, तो इसके लिए जरूरी है देश का युवा तन–मन से स्वस्थ हो और आत्मविश्वास से भरपूर हो। इसके साथ ही ड्रग्स जैसी घातक आदत से हमेशा दूर ही रहे। यही इस अभियान का उद्देश्य है। हम सबको ये संकल्प लेना है कि हमारे युवा नशे और ड्रग्स के खतरों को समझें और हर तरह से जागरूक रहें।'

मोदी ने कहा– आने वाले 100 रविवार, नशा मुक्त भारत की दिशा में 100 कदम

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'कुछ काम ऐसे होते हैं, जो व्यक्तिगत रूप से कोई प्रयास करे तो कभी-कभी निराश हो जाता है, थकान महसूस करता है, लंबी दूरी चलने में मन तैयार नहीं होता है, लेकिन जब सामूहिक अभियान बन जाता है और कंधे से कंधा मिलाकर करोड़ों लोग चल पड़ते हैं तो ऐसे सभी जो व्यक्तिगत रूप से अपने आप नहीं कर पाते हैं, उनको भी एक ऊर्जा मिल जाती है। आज उस ताकत को लेकर ये अभियान हर युवा मन को छूने वाला है।' उन्होंने कहा, 'आने वाले 100 रविवार 'नशा मुक्त भारत' की दिशा में 100 मजबूत कदम होंगे। आज हजारों स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के लाखों विद्यार्थी इस कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़े हैं। समाज का सहयोग, योग और ध्यान की ताकत, ये नशे के खिलाफ हमारे अंतर्मन को ताकत देते हैं।

बिहार में बिजली गिरने से 6 की मौत; केरलम और कर्नाटक में लैंडस्लाइड से 11 की मौत

एजेंसी, बिहार/ केरलम। देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित है। राजस्थान के 24 जिलों में बारिश हो रही है। इसकी वजह से अजमेर की सड़कों पर पानी भर गया। वहीं, बिहार के बांका में अलग–अलग जगहों पर बिजली गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई।

मौसम विभाग ने सभी जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। केरलम में भारी बारिश के कारण लैंडस्लाइड और बाढ़ से 8 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 8 लोग लापता हैं। सरकार ने 209 राहत शिविर बनाए हैं, जहां 5,792 लोगों को सुरक्षित पहुंचाया गया है। कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में रविवार सुबह लैंडस्लाइड में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में मल्लिकार्जुन (35), उनकी पत्नी नागवेणी (28) और 3 साल का बेटा संतोष शामिल हैं। हादसे के समय तीनों पहाड़ी के पास बने घर में सो रहे थे। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में सूखे मौसम की वजह से तिरुचिरापल्ली के थेन्नूर में मुस्लिम समाज के 2,000 लोगों ने बारिश की विशेष प्रार्थना (सलात अल–इस्तिस्का) की। कई जिलों में तापमान 37.5°C से ऊपर बना हुआ है और राज्य भीषण जल संकट का सामना कर रहा है। केरलम के अलप्पुझा जिले के कुट्टनाड और अपर कुट्टनाड क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। पंबा व अचनकोविल नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे कई निचले इलाकों में पानी भर गया है। वीयापुरम व चेरुथाना गांवों में बाढ़ से 100 से अधिक घर प्रभावित हुए हैं। अलप्पुझा में 11 राहत शिविर चल रहे हैं, जहां 169 परिवारों के 580 लोगों को ठहराया गया है। जम्मू–कश्मीर के बांदीपोरा में रविवार सुबह से लगातार हो रही बारिश के कारण नदियों और नालों का जलस्तर बढ़ गया।

पेरू के पुएब्लो विएजो में प्लेन क्रैश, 13 की मौत

एजेंसी, लीमा। देश के दक्षिण में नाजका प्रांत के पुएब्लो विएजो इलाके में एक छोटा पर्यटक विमान हादसे का शिकार हो गया।

इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। यह विमान शनिवार को नाजका लाइंस आर्कियोलॉजिकल साइट के ऊपर उड़ते समय क्रैश हो गया। एनबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार पेरू के वित्त, पर्यटन, परिवहन और सूचना मंत्रालय ने अलग–अलग बयान में कहा कि विमान में 11 विदेशी नागरिक और दो क्रू मेंबर सवार थे। विदेशी पर्यटकों में इटली, जर्मनी और स्पेन नागरिक थे। परिवहन और सूचना मंत्रालय ने कहा कि इस विमान (सेसना कारवां सी–208) ने दोपहर 12:10 बजे पिस्को एयरपोर्ट से उड़ान भरी। दोपहर 1:00 बजे जब विमान सोकोस शहर के आसपास उड़ रहा था। तभी क्रू ने नास्का एयरपोर्ट के कंट्रोल टावर को आपात सूचना दी। इसके बाद रेडियो संपर्क टूट गया। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि विमान पुएब्लो विएजो इलाके में क्रैश हुआ।

इंडोनेशिया में मदुरा द्वीप के पास फेरी में आग लगने से पांच की मौत, 41 लापता

एजेंसी, सुराबाया। इंडोनेशिया के पूर्वी जावा स्थित मदुरा द्वीप के पास रविवार को एक यात्री फेरी में भीषण आग लगने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 41 लोग लापता हैं। राहत की बात यह है कि 225 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया है। लापता लोगों की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर बचाव अभियान जारी है।

इंडोनेशिया का दैनिक ऑनलाइन अंग्रेजी समाचार पत्र जकार्ता ग्लोब तथा तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू के मुताबिक केएमपी मुटियारा सेंटोसा 2 नामक फेरी सुराबाया के तंजुंग पेराक बंदरगाह से दक्षिण सुलावेसी के मकासर के लिए रवाना हुई थी। यात्रा के दौरान जहाज में अचानक आग लग गई। आग तेजी से फैलने के बाद कई यात्रियों ने अपनी जान बचाने के लिए समुद्र में छलांग लगा दी। स्थानीय

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, फेरी में 271 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। बचाव अभियान में नौसेना, सर्च एंड रेस्क्यू टीम और आसपास मौजूद कई जहाज शामिल हैं, जिन्होंने समुद्र में कूदे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। सुराबाया सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के प्रमुख नानांग सिगिट ने बताया कि हादसे के समय फेरी बुरुआन सापुडी द्वीप से करीब 19 नॉटिकल मील दूर थी। बचाव अभियान में कई जहाजों को लगाया गया है और लापता लोगों की तलाश जारी है।

चार साल में पंजाब बना शिक्षा में नंबर–1 : मान

मुख्यमंत्री बोले– निजी को छोड़ सरकारी स्कूलों में आ रहे विद्यार्थी

एजेंसी, लुधियाना। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने लुधियाना के किदवई नगर स्थित स्कूल ऑफ एमिनेंस में शिक्षा व्यवस्था में हुए बदलावों को सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया।

उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2022 में सरकार बनने के समय शिक्षा के क्षेत्र में पंजाब की रैंकिंग 27वें स्थान पर थी, जबकि अब राज्य पहले स्थान पर पहुंच चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लुधियाना के लोगों को इस बदलाव पर बधाई दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्कूल का माहौल देखकर उन्हें बेहद खुशी हुई। बच्चों के बड़े-बड़े सपने हैं और सरकार उन्हें उन सपनों को पूरा करने का बेहतर माहौल दे रही है। उन्होंने बताया कि एक छात्रा ने रक्षा सेवाओं में जाने की इच्छा जताई, जबकि दूसरी ने वकालत करने की बात कही। उन्होंने कहा कि हर बच्चे को बड़े सपने देखने का अधिकार है और सरकार उन्हें पूरा करने के लिए बेहतर शिक्षा उपलब्ध करा रही है।

मुख्यमंत्री मान ने दावा किया कि स्कूल ऑफ एमिनेंस में पढ़ने वाले करीब 90 प्रतिशत विद्यार्थी निजी स्कूल छोड़कर आए हैं, क्योंकि उनके परिवार निजी स्कूलों की फीस वहन करने में सक्षम नहीं थे। उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों से सरकार शिक्षा सुधार के लिए लगातार काम कर रही है और उसका परिणाम अब दिखाई देने लगा है।

उन्होंने कहा कि पहले जहां केवल 82 विद्यार्थियों ने नीट परीक्षा उत्तीर्ण की थी, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 882 तक पहुंच गई है। इसके लिए उन्होंने शिक्षा मंत्री के प्रयासों की भी सराहना की।

अभिभावक-शिक्षक संवाद से मजबूत हुआ स्कूलों का माहौल

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले अभिभावक-शिक्षक बैठक का चलन केवल निजी स्कूलों तक सीमित था, लेकिन अब सरकारी स्कूलों की बैठकों में 24 लाख लोग भाग ले रहे हैं। इससे स्कूलों व अभिभावकों के बीच बेहतर तालमेल बना है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में फर्नीचर सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। स्कूलों में हुए बदलाव को देखकर अब उनका भी मन करता है कि दोबारा स्कूल में पढ़ाई करने का अवसर मिले।

हरियाणा की तर्ज पर पंजाब में भी होगा विकास और जनकल्याण : सीएम सैनी

एजेंसी, चंडीगढ़। कोटकपूरा में भारत सरकार के 'विकसित भारत संकल्प' कार्यक्रम के तहत 'नशा मुक्त युवा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी विशेष रूप से शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से युवाओं को संबोधित करते हुए नशे से दूर रहने और देश के विकास में सक्रिय योगदान देने का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा नेता राहुल सिंह सिद्धू ने की। इस मौके पर भाजपा के जिला अध्यक्ष गौरव कक्कड़ सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। अपने संबोधन में

◆ मुख्यमंत्री ने आप सरकार पर निशाना साधा, कहा- वादे पूरे करने में रही विफल

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जिस प्रकार भाजपा सरकार ने हरियाणा में विकास के अनेक कार्य किए हैं, उसी तरह यदि पंजाब में भाजपा की सरकार बनती है, तो हर वर्ग के कल्याण और प्रदेश के समग्र विकास के लिए काम किया जाएगा। उन्होंने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता में आने से पहले किए गए कई बड़े वादे अब तक पूरे नहीं किए गए हैं। साथ ही उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल का दौरा, मरीजों से संवाद कर सुनीं समस्याएं

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को मयूर विहार फेज–2 स्थित लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल का दौरा किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अस्पताल की ओपीडी, आपातकालीन सेवाओं, विभिन्न वार्डों, दवा वितरण केंद्रों व अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं का गहन जायजा लिया।

सीएम रेखा गुप्ता ने अस्पताल में मौजूद मरीजों व उनके परिजनों से संवाद किया और उन्होंने उनके अनुभव, सुझाव व अपेक्षाएं सुनीं तथा कहा कि जनता से सीधा संवाद ही बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था का आधार है। मुख्यमंत्री ने अस्पताल में साफ–सफाई, दवाइयों की उपलब्धता और चिकित्सा सेवाओं का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को आवश्यक सुधार तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार

के लिए हर मरीज का विश्वास सर्वोपरि है व प्रत्येक नागरिक को समय पर, सम्मानजनक एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दौरान रेखा गुप्ता ने लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों को कई दिशा–निर्देश दिए साथ ही अस्पताल में आ रही परेशानियों के बारे में भी बात की। उन्होंने मरीजों से मिल रहे उपचार, दवाओं की उपलब्धता व अस्पताल की सामान्य व्यवस्थाओं के बारे में फीडबैक लिया। अस्पताल प्रशासन और संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। सभी स्वास्थ्य सेवाएं उच्च गुणवत्ता और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जाएं, दवाओं की किल्लत न हो और वितरण प्रणाली को और पारदर्शी बनाया जाए।' बता दें कि इससे पहले भी सीएम रेखा गुप्ता ने दिल्ली के लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से अस्पताल का औचक निरीक्षण किया, जहां रविंद्र सिंह नेगी ने पटपड़गंज विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं और जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया था।

जुलाई में देश का कोयला उत्पादन 7.51 फीसदी बढ़ा

एजेंसी, नई दिल्ली। देश में जुलाई के दौरान कोयला उत्पादन में 7.51 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस अवधि में कुल उत्पादन 69 करोड़ 75 लाख टन (अनंतिम) रहा, जबकि जुलाई 2025 में यह 64 करोड़ 88 लाख टन था। इसी महीने कोयला आवंटन में भी उल्लेखनीय 17.34 प्रतिशत की वृद्धि हुई व यह 86 करोड़ 33 लाख टन (अनंतिम) तक पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष जुलाई में यह 73 करोड़ 57 लाख टन था। कोयला मंत्रालय ने बताया कि वित्त वर्ष 2026–27 में जुलाई तक का संचयी उत्पादन 302 करोड़ 24 लाख टन (अनंतिम) रहा, जबकि संचयी आवंटन 354 करोड़ 70 लाख टन (अनंतिम) दर्ज किया गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 5.87 प्रतिशत अधिक है। कोल इंडिया लिमिटेड ने जुलाई में 50 करोड़ 35 लाख टन (अनंतिम) उत्पादन किया, जो जुलाई 2025 की तुलना में 8.42 प्रतिशत अधिक है।

चंबा मेडिकल कॉलेज में लगेंगी 3 टेस्ला एमआरआई मशीनें, 40 स्टाफ नर्सों की होगी तैनाती : सीएम सुक्खू

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, चंबा। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि चंबा राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय में स्वास्थ्य सुविधाओं को और मजबूत किया जाएगा। उन्होंने मेडिकल कॉलेज में 3 टेस्ला एमआरआई मशीन, नई सीटी स्कैन मशीन, एक्स–रे मशीन और अत्याधुनिक लेप्रोस्कोपिक उपकरण उपलब्ध करवाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने रविवार को मेडिकल कॉलेज के फैकल्टी सदस्यों और विद्यार्थियों के साथ संवाद के दौरान यह घोषणाएं कीं। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार को लेकर सुझाव भी लिए। उन्होंने कहा कि कॉलेज में फैकल्टी की कमी दूर करने के लिए आवश्यकता अनुसार नियमों में छूट दी जाएगी। साथ ही अधिकारियों को 20 आईसीयू बेड स्थापित करने का प्रस्ताव जल्द तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अगले 10 दिनों में मेडिकल कॉलेज में 40 स्टाफ नर्सों

की तैनाती करने की घोषणा की। इसके अलावा रेडियोग्राफर और अन्य तकनीकी कर्मचारियों की नियुक्ति भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि पर्याप्त फैकल्टी उपलब्ध होने के बाद चंबा मेडिकल कॉलेज में रोबोटिक सर्जरी सुविधा शुरू करने की संभावनाओं पर भी विचार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार चिकित्सकों को विदेशों में एक्सपोजर विजिट करवाने की नीति तैयार कर रही है, जिससे डॉक्टरों को आधुनिक चिकित्सा तकनीकों और व्यवस्थाओं की जानकारी मिल सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रदेश में करीब 3 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि चंबा मेडिकल कॉलेज में कार्डियोलॉजी विभाग शुरू किया जा चुका है। वहीं सीनियर रेजिडेंट के 23 और पोस्ट ग्रेजुएट के 28 पद स्वीकृत किए गए हैं। सीनियर रेजिडेंट छात्रावास निर्माण के लिए 18.98 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा निदेशालय और चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान निदेशालय के कैडर को अलग करने का निर्णय भी लागू किया गया है। सरकार का लक्ष्य इस वर्ष के अंत तक प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों में स्वास्थ्य सुविधाओं में व्यापक सुधार लाना है।

'जन–जन की सरकार–जन–जन के द्वार' अभियान के दूसरे चरण में 1.34 लाख से अधिक लोगों की भागीदारी

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर प्रदेशभर में संचालित 'जन–जन की सरकार–जन–जन के द्वार' अभियान के दूसरे चरण में अब तक 1 लाख 34 हजार 740 लोगों ने भागीदारी की है।

पहले और दूसरे चरण को मिलाकर इस अभियान में कुल जनभागीदारी साढ़े छह लाख से अधिक हो चुकी है। जनसमस्याओं के त्वरित समाधान व सरकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित इस अभियान के तहत जिला, ब्लॉक व तहसील स्तर पर विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों में विभिन्न विभागों के अधिकारी जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में शिकायतों का निस्तारण कर रहे हैं। साथ ही पात्र लाभार्थियों को समाज कल्याण पेंशन, आयुष्मान कार्ड, चिकित्सा एवं कृषि उपकरण सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं

◆ मुख्यमंत्री धामी के निर्देश पर अभियान तेज, प्रदेशभर में लग रहे विशेष शिविर

का लाभ तथा आवश्यक प्रमाणपत्र भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। चार जुलाई से शुरू हुए अभियान के दूसरे चरण में अब तक 198 शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। इन शिविरों में प्राप्त 23 हजार 219 शिकायतों में से 20 हजार 808 का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि 81 हजार 753 लोगों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया। सरकार के अनुसार, दिसंबर माह में चलाए गए पहले चरण के 45 दिवसीय अभियान के दौरान 681 शिविर आयोजित किए गए थे, जिनमें 5 लाख 33 हजार 452 नागरिकों ने भागीदारी की थी। उस दौरान करीब 33 हजार शिकायतों का त्वरित समाधान किया गया था। शासन का कहना है कि इस पहल को सुशासन की एक बेहतर कार्यप्रणाली के रूप में भी सराहा गया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 'जन–जन की सरकार, जन–जन के द्वार' अभियान के माध्यम से प्रशासन स्वयं लोगों के बीच पहुंचकर उनकी शिकायतों का त्वरित निस्तारण कर रहा है। साथ ही पात्र लाभार्थियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जा रहा है। हमारी सरकार सरलीकरण, समाधान और जनसंतुष्टि के संकल्प के साथ निरंतर जनता की सेवा में समर्पित है।

आयोजन मुख्यमंत्री की सभी राजनीतिक दलों से अपील, प्रदेश के विकास के लिए करें चर्चा

जनहित से जुड़े हर मुद्दे को सदन में रखें जनप्रतिनिधि: योगी

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सत्ता पक्ष व विपक्षी दलों के जनप्रतिनिधियों (विधानसभा/विधान परिषद सदस्यों) से कहा कि जनहित से जुड़े हर मुद्दे को सदन में रखें। साथ ही स्वस्थ चर्चा कर विकास को और गति प्रदान करने में सरकार का सहयोग करें।

उन्होंने विपक्षी दलों से सदन की कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने की अपील भी की। मुख्यमंत्री रविवार को विधान भवन में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में आयोजित सर्वदलीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। यह बैठक 3 अगस्त (सोमवार) से शुरू हो रहे विधानसभा के मानसून सत्र के संचालन के संबंध में आयोजित की गई थी। बैठक में नेता सदन योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मानसून सत्र में आमजन से जुड़े मुद्दों पर स्वस्थ चर्चा होनी चाहिए। इससे प्रदेश का विकास भी होता है और जनता की समस्याओं का समाधान भी। जनप्रतिनिधि को जनता के हित से जुड़े हर मुद्दों को सदन में गंभीरता से उठाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने सभी सदस्यों से अपील की कि सदन के सुचारु संचालन में सभी सदस्यों का सहयोग मिलना चाहिए, इसमें किसी भी प्रकार की बाधा न आए।

◆ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान भवन में सर्वदलीय बैठक को किया संबोधित

◆ विकास और जनसमस्याओं के समाधान के लिए सदन में हो रचनात्मक संवाद

मानसून सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक, महाना बोले—सदन की गरिमा बनाए रखने में करें सहयोग

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने भी सदन के सुचारु संचालन के लिए सभी सदस्यों का सहयोग मांगा। बैठक में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, वित्त/संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर, कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी से रघुराज प्रताप सिंह 'राजा भैया', निषाद पार्टी विधानमंडल दल के नेता रमेश सिंह, अपना दल (एस) के आरके पटेल तथा राष्ट्रीय लोकदल के राजपाल बालियान आदि मौजूद रहे।

133 ईको टास्क फोर्स का वन महोत्सव मंत्री धनीराम शांडिल ने लगाया पहला पौधा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रदेश में वन महोत्सव 2026 के तहत रविवार को सोलन जिले के बशील गांव में विशेष पौधरोपण अभियान आयोजित किया गया।

यह अभियान 133 ईको टास्क फोर्स और हिमाचल प्रदेश वन विभाग ने ग्राम पंचायत बशील, महिला मंडल और स्थानीय लोगों के सहयोग से चलाया। कार्यक्रम 'एक पेड़ सेहत के नाम' और 'भागीदारी एवं जिम्मेदारी (सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी)' अभियान के तहत आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ लोगों को पौधों की देखभाल के लिए भी जागरूक करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ हिमाचल प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य व परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल (डॉ.) धनी राम शांडिल ने पहला पौधा लगाकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पर्यावरण की रक्षा और हरियाली बढ़ाना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पेड़ लगाना और उनकी देखभाल करना आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण तैयार करने का महत्वपूर्ण कदम है। धनी राम शांडिल ने 133 ईको टास्क फोर्स, वन विभाग, स्थानीय प्रशासन और ग्रामीणों के संयुक्त प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की प्राकृतिक संपदा और हरित क्षेत्र को सुरक्षित रखने में सेना, सरकारी विभागों और स्थानीय समुदाय की साझेदारी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने लोगों से पौधारोपण को केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि नियमित जनभागीदारी का अभियान बनाने की अपील की।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने 158 करोड़ रुपए के 200 बिस्तरों वाले अस्पताल भवन का किया लोकार्पण

200 बेड, अत्याधुनिक ओटी व विशेषज्ञ सेवाओं के साथ चंबा मेडिकल कॉलेज अस्पताल को नई पहचान

भारतेन्दु संवाददाता, चंबा। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने पंडित जवाहरलाल नेहरू राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल चंबा में 158 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित 200 बिस्तरों वाले अत्याधुनिक अस्पताल भवन का लोकार्पण किया।

इस भवन में आवासीय परिसर एवं छात्रावास सुविधाएं भी शामिल हैं। इस परियोजना के साकार होने से क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा को नई मजबूती मिलेगी। अस्पताल में ब्लॉक-ए, बी तथा सी के माध्यम से रोगी उपचार एवं चिकित्सा शिक्षा की समग्र सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं। इस अस्पताल में आठ प्रमुख विशेषज्ञ जिनमें मेडिसिन, शिशु रोग, मनोरोग, चेस्ट एवं क्षय रोग (टीबी), शल्य चिकित्सा, ईएनटी, प्रसूति एवं स्त्री रोग तथा दंत चिकित्सा की ओपीडी सेवाएं उपलब्ध होंगी। इसके अतिरिक्त, अस्पताल में आधुनिक आपातकालीन सेवाएं, रेडियोलॉजी विभाग,

अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर परिसर सहित 200 इनडोर बिस्तरों के माध्यम से अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं मरीजों को उपलब्ध करवाई जाएंगी। मनोरोग, गाइनोकोलॉजी विभाग तथा त्वचा रोग विभागों की सेवाएं मरीजों को मिलनी प्रारंभ हो गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता स्वास्थ्य अवसंरचना को सुदृढ़ करना तथा लोगों को उनके घरों के निकट गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करवाना है। उन्होंने कहा कि यह नया अस्पताल मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध करवाने के साथ-साथ चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, चिकित्सा के विद्यार्थियों तथा अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के लिए भी उत्कृष्ट कार्य एवं अध्ययन वातावरण प्रदान करेगा।

इस परियोजना के अंतर्गत आधुनिक छात्रावास एवं आवासीय सुविधाएं भी विकसित की गई हैं। मुख्यमंत्री द्वारा 31 जुलाई, 2024 को 150 सीटों वाले एमबीबीएस छात्रावास (छात्र) तथा 50 सीटों वाले नर्सिंग छात्रावास का वर्चुअल उद्घाटन किया गया था तथा 12 अगस्त, 2025 को इन्हें औपचारिक रूप से अधिग्रहित किया गया। इसके अतिरिक्त, 31 मार्च, 2025 को निर्मित हुए 150 सीटों वाले एमबीबीएस छात्रावास (बालिका) का वर्चुअल उद्घाटन 4 अगस्त, 2025 को नर्सिंग छात्रावास के साथ किया गया।

स्वास्थ्य संस्थान की फेकल्टी एवं कर्मचारियों के लिए 24 टाइप-4 तथा 36 टाइप-3 आवासीय क्वार्टर भी निर्मित किए गए हैं। टाइप-4 आवासों का वर्चुअल उद्घाटन 31 जुलाई, 2024 को तथा टाइप-3 आवासों का उद्घाटन 4 अगस्त, 2025 को किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्याप्त छात्रावास एवं आवासीय सुविधाओं से विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा स्वास्थ्य कर्मियों को अनुकूल वातावरण मिलेगा और संस्थान का संचालन अधिक प्रभावी ढंग से सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश में आधुनिक स्वास्थ्य अधोसंरचना को विस्तार प्रदान करने तथा प्रदेशवासियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है।

नशामुक्त हिमाचल अभियान को गति देने के लिए ग्रामीण स्तर पर लगेंगे जागरूकता शिविर: एसडीएम

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे चिट्टा व नशामुक्त हिमाचल अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से उपमंडल ग्रामीण शिमला में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम ग्रामीण शिमला मंजीत शर्मा ने की। बैठक में उपमंडल क्षेत्र के सभी नंबरदारों, विभिन्न विभागों के अधिकारियों तथा पुलिस थाना प्रभारियों ने भाग लेकर नशा उन्मूलन के लिए सामूहिक प्रयासों पर चर्चा की।

एसडीएम मंजीत शर्मा ने कहा कि नशे की बढ़ती प्रवृत्ति समाज और विशेष रूप से युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। इस समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए प्रशासन, पुलिस, पंचायत प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों तथा आम जनता की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नशे के विरुद्ध केवल कानून लागू करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि समाज में व्यापक जनजागरूकता पैदा करना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने बताया कि उपमंडल ग्रामीण शिमला के विभिन्न क्षेत्रों में क्लस्टर स्तर पर विशेष जागरूकता बैठकों का आयोजन किया जाएगा। इन बैठकों में संबंधित पंचायतों के जनप्रतिनिधियों, महिला मंडलों, स्वयं सहायता समूहों, युवक मंडलों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा वर्कर्स तथा स्थानीय नागरिकों को शामिल किया जाएगा। एसडीएम ने नंबरदारों से अपने-अपने क्षेत्रों में नशे से संबंधित गतिविधियों पर सतर्क निगरानी रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन अथवा पुलिस को देने का आह्वान किया। पुलिस अधिकारियों ने भी नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियानों की जानकारी दी तथा कहा कि नशा तस्करों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। नंबरदार रामकृष्ण राणा ने कहा कि जुन्गा तहसील में नंबरदारों द्वारा चिटटा मुक्त हिमाचल बनाने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया है तथा दुकानों, ढाबों, विशेष अवसरों पर लोगों को नशे के दुष्प्रभाव बारे जागरूक किया जा रहा है।

नाहन का ऐतिहासिक भगवान वामन मेला इस बार चौगान में

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। सिरमौर जिले में रियासत काल से नाहन में भगवान वामन जयंती मेला मनाया जाता है, जिसमें नगर से 9 विभिन्न मंदिरों से देव पालकियां भाग लेती हैं। मंदिर से ये देव पालकियां नगर भ्रमण करते हुए भगवान जगन्नाथ मंदिर पहुंचती है और वहां से ऐतिहासिक तालाब पक्का तालाब पहुंचती है, जहां इन्हें नौका विहार कराया जाता है और लोग देव दर्शन करते हैं। इस अवसर पर मेले का आयोजन होता है, जोकि एक दिन का होता है, लेकिन इस वर्ष भगवान वामन मंदिर कमेटी ने इस उत्सव को बड़े पैमाने पर मनाने का निर्णय लिया है जिसके चलते वामन द्वादशी से पूर्व नाहन। चौगान में धार्मिक संध्याओं का आयोजन किया जाएगा जिसमें नामी कलाकारों को बुलाया जाएगा और मेला भी 10 दिवसीय किया जाएगा।

प्रदेश में एक हफ्ते तक भारी बारिश का अलर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में अगले एक सप्ताह तक मौसम खराब रहने का अनुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 8 अगस्त तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार इस दौरान कई जिलों में येलो अलर्ट रहेगा। लगातार बारिश के कारण भूस्खलन, अचानक बाढ़, जलभराव और यातायात प्रभावित होने की आशंका जताई गई है।

रविवार को भी राज्य के कई हिस्सों में मौसम खराब बना रहा। राजधानी शिमला में हल्की बारिश हुई, जबकि अन्य क्षेत्रों में कहीं बादल छाए रहे और कहीं हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार 3 अगस्त को बिलासपुर, कांगड़ा, चंबा और सिरमौर जिलों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। 4 अगस्त को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों में भारी बारिश की संभावना है। 5 अगस्त को ऊना, चंबा, कांगड़ा और मंडी जिलों में भारी बारिश का अनुमान है। 6 अगस्त को ऊना,

भूस्खलन से 100 सड़कें अवरुद्ध

बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा, मंडी, सोलन और सिरमौर जिलों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की गई है। विभाग का कहना है कि 8 अगस्त तक राज्य में कई स्थानों पर बारिश का दौर जारी रह सकता है। बीते 24 घंटों के दौरान राज्य में अधिकांश स्थानों पर हल्की बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक 9 सेंटीमीटर वर्षा बिलासपुर जिले के ब्रह्माणी में रिकॉर्ड की गई। सिरमौर जिले के पांवटा में 6 सेंटीमीटर बारिश हुई। बिलासपुर जिले के आरएल बीबीएमबी में 5 सेंटीमीटर, ऊना जिले के रायपुर मैदान में 5 सेंटीमीटर, बिलासपुर सदर और बरठीं में 4-4 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। बिलासपुर के ओलिंडा, सोलन, सोलन एडब्ल्यूएस, कंडाघाट, कांगड़ा के देहरा गोपीपुर और ऊना के नंगल डैम में 3-3 सेंटीमीटर वर्षा हुई।

कांगड़ा के गुलेर, मंडी के पंडोह, शिमला, रोहड़ू और सिरमौर के पच्छाद में 2-2 सेंटीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। शिमला एडब्ल्यूएस, मंडी के जोगिंदरनगर, बग्गी, बिलासपुर के घाघस और शिमला के सराहन में 1-1 सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की गई। लगातार बारिश का असर जनजीवन पर भी दिखाई दे रहा है। राज्य में भूस्खलन के कारण करीब 100 सड़कें बंद हैं। सबसे अधिक सड़कें मंडी, कुल्लू और चंबा जिलों में प्रभावित हुई हैं। कुछ क्षेत्रों में बिजली के ट्रांसफार्मर भी बंद पड़े हैं और पेयजल योजनाएं प्रभावित होने से लोगों को पानी की आपूर्ति में दिक्कत आ रही है।

मंडी में 3.1 तीव्रता का भूकंप, कोई नुकसान नहीं

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में रविवार सुबह 3.1 तीव्रता का भूकंप आया। रिक्टर पैमाने पर दर्ज इस भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। हालांकि, रविवार तक किसी जानमाल या संपत्ति के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। यह भूकंप सुबह 9:13 बजे आया। मौसम विभाग के अनुसार, इसका केंद्र मंडी क्षेत्र में था। केंद्र 31.445 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 76.993 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। भूकंप की गहराई जमीन के भीतर 8 किलोमीटर दर्ज की गई। झटकों की तीव्रता कम होने के कारण स्थिति सामान्य बनी हुई है। मंडी जिला भूकंपीय जोन-5 में आता है। यह क्षेत्र भूकंप के लिहाज से अत्यधिक संवेदनशील और उच्च जोखिम वाला माना जाता है। हिमाचल प्रदेश का बड़ा हिस्सा हिमालयी क्षेत्र में होने के कारण भूकंपीय गतिविधियों के प्रति संवेदनशील है। प्रदेश के कई जिले जोन-4 और जोन-5 में शामिल हैं। ऐसे में भूकंपरोधी निर्माण और आपदा से निपटने की तैयारियां मजबूत रखना जरूरी है।

'भारत को जानो' परीक्षा में 700 स्टूडेंट्स ने दिखाई प्रतिभा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारत विकास परिषद शिमला शाखा की ओर से अखिल भारतीय 'भारत को जानो' लिखित परीक्षा-2026 का आयोजन रविवार को सरस्वती विद्या मंदिर हिमरश्मि परिसर, विकास नगर शिमला में किया गया।

प्रतियोगिता में शिमला शाखा क्षेत्र के 30 विभिन्न विद्यालयों के करीब 700 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भारत विकास परिषद शिमला शाखा के अध्यक्ष ललित चौधरी ने बताया कि 'भारत को जानो' प्रतियोगिता स्कूली विद्यार्थियों के लिए आयोजित की जाने वाली प्रमुख राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं में शामिल है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, विज्ञान, खेल, दर्शन और समसामयिक विषयों से अवगत करवाना तथा उनमें राष्ट्रीय भावना, देशभक्ति और नैतिक मूल्यों का विकास करना है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता दो वर्गों में आयोजित की जाती है। इसमें कनिष्ठ वर्ग में कक्षा 6 से 8 तथा

वरिष्ठ वर्ग में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थी भाग लेते हैं। प्रतियोगिता शाखा स्तर से शुरू होकर प्रांतीय, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर तक आयोजित की जाती है। लिखित परीक्षा के आधार पर दोनों वर्गों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का चयन किया गया। वरिष्ठ वर्ग में सरस्वती पैराडाइज इंटरनेशनल स्कूल की अनन्या शर्मा और अंशिका कौशल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान डीएवी पब्लिक स्कूल न्यू शिमला की सृष्टि सरीन और अकुल चंदेल ने हासिल किया। तृतीय स्थान राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खलाग के कार्तिक वर्मा और कुशागर ने प्राप्त किया। कनिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान सरस्वती पैराडाइज इंटरनेशनल स्कूल के श्रियांश सहगल और स्मायशा कश्यप ने हासिल किया। द्वितीय स्थान एसवीएम परेची की वैष्णवी मूका और अनमोल ठाकुर तथा तृतीय स्थान लॉरेट पब्लिक स्कूल की अनन्या सिंह और भैभव सिंह ने प्राप्त किया। ललित चौधरी ने बताया कि चयनित विद्यार्थियों की मौखिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 20 सितंबर 2026 को ऐतिहासिक गेयटी थियेटर शिमला में आयोजित की जाएगी। इसी दिन हिंदी एवं संस्कृत समूह गान प्रतियोगिता का आयोजन भी होगा, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति और विरासत के प्रति रुचि बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

स्वैच्छिक रक्तदान को जन-आंदोलन बनाएं युवा: राज्यपाल

कहा- नशामुक्त भारत व रक्तदान अभियान में युवाओं की भागीदारी जरूरी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने लोगों, खासकर युवाओं से स्वैच्छिक रक्तदान को जन-आंदोलन बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि किसी जरूरतमंद की जान बचाने से बड़ा कोई पुण्य का काम नहीं है।

उन्होंने कहा कि चिकित्सा विज्ञान ने काफी प्रगति की है, फिर भी आज तक मानव रक्त का कोई विकल्प नहीं बन सका है। ऐसे में स्वैच्छिक रक्तदान मानवता की सेवा का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। राज्यपाल रविवार को शिमला के लोक भवन में नेशनल इंटीग्रेटेड फोरम ऑफ आर्टिस्ट्स एंड एक्टिविस्ट्स (एनआईएफए) की ओर से आयोजित सम्मान समारोह 'संवेदना-2' को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने में योगदान देने वाले सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवकों और अन्य लोगों को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने सभी उपस्थित लोगों को नशा मुक्त भारत की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुरू किया गया 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान' युवाओं को नशे से दूर रहने और देश के विकास में भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित करता है।

उन्होंने कहा कि यह केवल एक सरकारी अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण से जुड़ा एक जन-आंदोलन है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे भारत को नशे की बुराई से मुक्त बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। कविंद्र गुप्ता ने कहा कि एनआईएफए ने सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण, युवा जागरूकता और जनसेवा के क्षेत्र में भी सराहनीय काम किया है। उन्होंने संगठन के देशव्यापी स्वैच्छिक रक्तदान अभियान 'संवेदना' की विशेष प्रशंसा करते हुए कहा कि इसके तहत देशभर में हजारों रक्तदान शिविर लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी जैसे कठिन समय में भी संगठन ने बड़ी संख्या में लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया और जरूरतमंद मरीजों तक रक्त पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राज्यपाल ने सम्मान प्राप्त करने वाले सभी लोगों को बधाई दी। उन्होंने विश्वास जताया कि यह सम्मान उन्हें समाज सेवा के कार्यों में और अधिक समर्पण के साथ काम करने की प्रेरणा देगा। उन्होंने हिमाचल प्रदेश के युवाओं और विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों की भी सराहना की, जो प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में नियमित रूप से रक्तदान शिविर आयोजित कर लोगों की जान बचाने के प्रयास कर रहे हैं।

जांच से नहीं डरता, हर कार्रवाई में करूंगा सहयोग: सुधीर शर्मा

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। जन्मदिन को जनसेवा के रूप में मनाते हुए धर्मशाला के विधायक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सुधीर शर्मा ने दिव्यांग बच्चों, जरूरतमंदों और सामाजिक संस्थाओं की सहायता की।

इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश की राजनीति, आपदा राहत, विकास कार्यों और कथित जांच को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। पत्रकारों से बातचीत में धर्मशाला के विधायक सुधीर शर्मा ने कहा कि उनकी प्राथमिकता धर्मशाला का विकास है और जनता की सेवा के लिए वे लगातार कार्य करते रहेंगे। सुधीर शर्मा ने बताया कि सूर्योदय स्कूल के बच्चों की पूरे वर्ष की शिक्षा का खर्च वहन करने के साथ-साथ जरूरतमंद लोगों को व्हीलचेयर, हियरिंग एड और आवास निर्माण के लिए भी आर्थिक सहायता प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि जन्मदिन को उत्सव की बजाय सेवा के रूप में मनाना उनकी टीम की परंपरा है। सरकार द्वारा चल रही जांच और एफआईआर के सवाल पर सुधीर शर्मा ने कहा कि उन्हें जांच से कोई डर नहीं है और वह हर जांच में पूरा सहयोग देंगे।

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले दो वर्षों से उनके परिवार और सहयोगियों के दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं, लेकिन उनके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। धर्मशाला के विकास को लेकर उन्होंने कहा कि विधायक निधि समय पर जारी नहीं हो रही है और विपक्षी विधायकों के क्षेत्रों में विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इसके बावजूद भाजपा जनहित के कार्यों में कोई समझौता नहीं करेगी। उन्होंने प्रदेश में हाल ही में आई आपदाओं का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार केवल घोषणाएं करती है, जबकि पिछले वर्ष के कई आपदा प्रभावित परिवार आज भी राहत का इंतजार कर रहे हैं।

दर्शन योजना व हिम बस पास सुविधा आमजन के लिए बनी वरदान

देव स्थलों तक नागरिकों की पहुंच हुई आसान, राजस्व में भी बढ़ोतरी

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। प्रदेश में 'सुक्खू सरकार' की जन हितैषी नूतन योजनाएं व कल्याणकारी नीतियां आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं।

हिमाचल पथ परिवहन निगम के माध्यम से संचालित प्रथम दर्शन योजना इन्हीं में से एक है, जो आमजन को प्रदेश के देव स्थलों तक सुलभ यात्रा सुविधा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इससे देवभूमि हिमाचल में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ राज्य में एचआरटीसी की आर्थिक सेहत में भी सुधार नजर आ रहा है। प्रथम दर्शन योजना के माध्यम से प्रमुख देव स्थलों को हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) द्वारा सीधी बस सेवा से जोड़ा गया है, जिससे लोगों की अपने आराध्य देवी-देवताओं के दर्शन करने और देव स्थलों तक पहुंचाने की बेहतर सुविधा उपलब्ध हुई है। एचआरटीसी के करसोग डिपो से भी प्रथम दर्शन योजना के अंतर्गत देवी मां शिकारी मंदिर को जोड़ा गया है। इससे करसोग क्षेत्र सहित प्रदेश के अन्य स्थानों से मां शिकारी के दर्शनों के लिए आने वाले भक्तों के लिए देवी के दरबार तक पहुंच सुगम हुई है। यह योजना लोगों को मंदिर स्थल तक पहुंचाने व वापस लाने में कारगर साबित हो रही है। सुबह करीब 9.30 बजे करसोग बस स्टैंड से चलने वाली प्रथम दर्शन बस सेवा भक्तों को देवी मां के दर्शनों उपरांत दोपहर के समय वापस करसोग बस स्टैंड लेकर पहुंचती है। प्रथम दर्शन योजना के अंतर्गत चलने वाली बस सेवा के माध्यम से न केवल मां शिकारी के दर्शन और इस पवित्र स्थल तक लोगों की पहुंच आसान हुई है, बल्कि एचआरटीसी के राजस्व में भी वृद्धि दर्ज की गई है। इस सेवा के शुरू होने से लगभग 100 रुपए प्रति किमी की वृद्धि करसोग डिपो द्वारा दर्ज गई है। यह राज्य सरकार और विशेषतौर पर मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू द्वारा एचआरटीसी की आर्थिक स्थिति को सुधारने की दिशा में किए जा रह सतत् प्रयासों का सुपरिणाम है।

हिम बस पास बनाने में भी उल्लेखनीय उपलब्धि

बस यात्रियों की सुविधा के लिए सुक्खू सरकार द्वारा अन्य कदम भी उठाए गए हैं। इनमें निःशुल्क एवं रियायती श्रेणियों के पात्र लाभार्थियों के लिए हिम बस पास सुविधा शामिल है। निगम द्वारा वर्तमान में कुल 22 श्रेणियों के पात्र यात्रियों को निशुल्क यात्रा की मूलभूत सुविधा प्रदान की जा रही है, जिनमें विशेष रूप से विद्यार्थी, महिलाएं एवं विशेष रूप से सक्षम व्यक्ति (दिव्यांगजन) शामिल हैं। निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक एनके चांदला ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार, आमजन तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जा रहा है। एचआरटीसी पात्र लाभार्थियों को बेहतर एवं सुगम यातायात सुविधा उपलब्ध करवाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है और हिम बस पास योजना सहित अन्य सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं।

कांगड़ा में आर्ट ऑफ लिविंग संस्था ने आयोजित की सामूहिक रुद्र पूजा

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के वैदिक धर्म संस्थान की ओर से श्रावण मास के पावन अवसर पर जिला कांगड़ा में सामूहिक रुद्र पूजा का आयोजन किया गया। यह धार्मिक आयोजन ठाकुरद्वारा में अमन ठाकुर के निवास स्थान तथा पालमपुर स्थित राम मंदिर में संपन्न हुआ। इसमें पालमपुर, ठाकुरद्वारा, भवारना, पंचरुखी, पपरोला, बैजनाथ सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ गुरु पूजा के साथ किया गया। आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय बेंगलुरु से पहुंचे स्वामी ज्ञानेश्वर और वेद पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूरे विधि-विधान से रुद्र पूजा और रुद्राभिषेक करवाया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने आध्यात्मिक वातावरण में पूजा-अर्चना की और पूरे परिसर में शांति, आनंद एवं सात्विक ऊर्जा का अनुभव किया। आयोजन के दौरान भव्य सत्संग का भी आयोजन किया गया, जिसमें शिव भजनों की गूंज से वातावरण भक्तिमय हो गया। स्वामी ज्ञानेश्वर ने श्रावण मास में रुद्र पूजा, सत्संग और ध्यान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी। आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के जिला मीडिया कोऑर्डिनेटर देशराज चंबियाल ने बताया कि 29 जुलाई से 2 अगस्त तक जिला कांगड़ा में रुद्र पूजा कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों का मुख्य उद्देश्य समाज में आध्यात्मिक चेतना, आपसी सद्भाव, शांति, सकारात्मक ऊर्जा और मानवीय मूल्यों का प्रसार करना है। उन्होंने बताया कि संस्था की ओर से भविष्य में भी समाज कल्याण और आध्यात्मिक जागरूकता से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन जारी रखा जाएगा।

आयोजन न्यायमूर्ति विवेक सिंह ने दिए अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने के संदेश

सशक्त समाज के निर्माण में विधिक जागरूकता जरूरी

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर और वन विभाग के संयुक्त सहयोग से विकास खंड झंडूता की ग्राम पंचायत सनीहरा स्थित राजकीय उच्च विद्यालय गंगलोह में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

इसके साथ ही जड्डू में पौधरोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति विवेक सिंह ठाकुर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश सरकार के महाधिवक्ता अनूप रत्न भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अपने संबोधन में न्यायमूर्ति विवेक सिंह ठाकुर ने पर्यावरण संरक्षण को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए कहा कि प्लास्टिक का बढ़ता उपयोग प्रकृति के लिए गंभीर चुनौती बन गया है। उन्होंने नागरिकों से

पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। न्यायमूर्ति ठाकुर ने नशे को समाज के लिए गंभीर खतरा बताते हुए अभिभावकों और शिक्षकों से बच्चों में नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों के विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि परिवार बच्चों का पहला विद्यालय होता है और अच्छे संस्कारों से ही स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने नागरिकों को संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने का संदेश देते हुए कहा कि अधिकारों के साथ कर्तव्यों का पालन भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि धर्म, जाति और अन्य आधारों पर समाज का विभाजन राष्ट्र की एकता के लिए उचित नहीं है। उन्होंने सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा, महिला सशक्तीकरण, सामाजिक समानता और जरूरतमंद लोगों को कानूनी सहायता उपलब्ध करवाने पर भी बल दिया। इससे पहले न्यायमूर्ति विवेक सिंह ठाकुर ने वन विभाग की कलोल वन रेंज के कुलज्यार बीट के अंतर्गत जड्डू में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में भाग लिया और अर्जुन का पौधा रोपित किया। इस क्षेत्र में लगभग दो हेक्टेयर भूमि पर आंवला, हरड़, बेहड़ा, जामुन और खैर के करीब 600 पौधे लगाए गए। महाधिवक्ता अनूप रत्न ने कहा कि विधिक साक्षरता कार्यक्रमों का उद्देश्य लोगों को उनके अधिकारों और कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि सरकार करदाताओं के धन को जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से जनता के हित में खर्च करती है। उन्होंने नशे के खिलाफ प्रदेश सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों की भी जानकारी दी। कार्यक्रम में अतिरिक्त महाधिवक्ता रमाकांत शर्मा, अधिवक्ता सर्वजीत सिंह सहित अन्य वक्ताओं ने मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों, पर्यावरण संरक्षण और विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं पर विचार रखे। इस अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष ज्योत्सना सुमंत डढवाल, वन मंडलाधिकारी चमन लाल, एसडीएम अर्शिया शर्मा, डीएसपी मुनीश कुमार, न्यायिक अधिकारी, बार एसोसिएशन के पदाधिकारी, पंचायतीराज संस्थाओं के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

झूठे मुकदमों से ध्यान भटकाने में लगी है सरकार: त्रिलोक जम्वाल

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। भाजपा के वरिष्ठ प्रदेश प्रवक्ता विधायक त्रिलोक जम्वाल ने मंडी में वर्तमान में कांग्रेस सरकार के ऊपर प्रेस वार्ता करके हमला बोला उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश की जनता से अनेक बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन सरकार अपने कार्यकाल के लगभग चार वर्ष पूरे होने के बावजूद उन वादों को पूरा करने में पूरी तरह विफल रही है। अब अपनी विफलताओं से जनता का ध्यान भटकाने के लिए सरकार राजनीतिक प्रतिशोध और झूठे मुकदमों का सहारा ले रही है।

उन्होंने कहा कि पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव समय पर नहीं कराए गए। जिन चुनावों का आयोजन पिछले वर्ष ही हो जाना चाहिए था, उन्हें जानबूझकर टालने का प्रयास किया गया। अंततः उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद सरकार को चुनाव कराने पड़े। इसके लिए भाजपा सर्वोच्च न्यायालय का आभार व्यक्त करती है, जिसके आदेश के बाद लोकतांत्रिक प्रक्रिया पूरी हो सकी। त्रिलोक जम्वाल ने कहा कि इन चुनावों में प्रदेशभर में भाजपा को जनता का भरपूर समर्थन मिला। नगर निगमों, नगर निकायों, जिला परिषदों, बीडीसी तथा पंचायत स्तर पर भाजपा के प्रत्याशियों ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि अधिकांश स्थानों पर भाजपा को भारी जनादेश मिला, जिससे स्पष्ट है कि जनता कांग्रेस सरकार की नीतियों से पूरी तरह निराश है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावों में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस सरकार ने भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के विरुद्ध झूठे मुकदमे दर्ज कर राजनीतिक दबाव बनाने का अभियान शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल जैसे वरिष्ठ नेता, जो कई बार विधायक, मंत्री और विधानसभा अध्यक्ष रह चुके हैं, उनके खिलाफ छोटे से लोकतांत्रिक प्रदर्शन के बाद हत्या के प्रयास जैसी गंभीर धाराओं में मामला दर्ज करना सरकार की बदले की राजनीति का प्रमाण है।

उत्तराखंड पीसीएस सीनियरिटी विवाद खत्म

2012 से लंबित पीसीएस वरिष्ठता मामले का हुआ समाधान

2007 से मिलेगा वरिष्ठता लाभ सरकार को निर्देश जारी

उत्तराखंड पीसीएस वरिष्ठता सूची अब तीन माह में होगी संशोधित

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड के पीसीएस अधिकारियों के बीच लंबे समय से चले आ रहे वरिष्ठता विवाद पर अब विराम लगने की उम्मीद है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए पदोन्नति के माध्यम से नियुक्त अधिकारियों को राहत प्रदान की है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के बाद प्रमोटेड अधिकारियों को उनकी तदर्थ सेवा अवधि के आधार पर वरिष्ठता का लाभ मिलने का रास्ता साफ हो गया है। इस फैसले को वर्षों से चल रहे विवाद के समाधान की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

दरअसल उत्तराखंड में पीसीएस अधिकारियों की वरिष्ठता को लेकर विवाद वर्ष 2012 से न्यायालय में विचाराधीन था। विवाद का मुख्य विषय यह था कि पदोन्नति प्राप्त अधिकारियों को नियमित नियुक्ति

के बाद वरिष्ठता तय करते समय उनकी तदर्थ सेवा अवधि को भी शामिल किया जाए या नहीं। इस मुद्दे को लेकर सीधी भर्ती से आए अधिकारियों और पदोन्नति के माध्यम से नियुक्त अधिकारियों के बीच लंबे समय से मतभेद बना हुआ था।

◆ **सुप्रीम कोर्ट के फैसले से प्रमोटेड अफसरों को मिलेगा फायदा**

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए प्रदेश सरकार और सीधी भर्ती वाले पीसीएस अधिकारियों की विशेष अपीलों को खारिज कर दिया। न्यायालय ने माना कि पदोन्नति के माध्यम से नियुक्त डिप्टी कलेक्टर अपनी सेवा अवधि के आधार पर वरिष्ठता का लाभ पाने के अधिकारी हैं। अदालत ने कहा कि यदि किसी अधिकारी की तदर्थ नियुक्ति नियमानुसार हुई है और बाद में उसे नियमित कर दिया गया है, तो उसकी लगातार सेवा अवधि को वरिष्ठता निर्धारण में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

अधिकारियों की पदोन्नति पर भी पड़ेगा प्रभाव

सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले के बाद अब उत्तराखंड सरकार को तीन महीने के भीतर संशोधित वरिष्ठता सूची जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। नई सूची तैयार होने के बाद उन अधिकारियों को लाभ मिलेगा, जो लंबे समय से अपनी सेवा अवधि को वरिष्ठता में शामिल करने की मांग कर रहे थे। इससे कई अधिकारियों की पदोन्नति और सेवा संबंधी मामलों पर भी प्रभाव पड़ सकता है। विवाद का मुख्य आधार सेवा नियमों से जुड़ा था। अधिकारियों का पक्ष था कि जब उन्हें निर्धारित प्रक्रिया के तहत पदोन्नति दी गई।

अधिकारियों के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट का निर्णय

सुप्रीम कोर्ट ने नियमों की व्याख्या करते हुए कहा कि यदि पदोन्नति निर्धारित कोटे के अंतर्गत हुई है और अधिकारी ने लगातार सेवा दी है तो उसकी सेवा अवधि को वरिष्ठता तय करते समय ध्यान में रखा जाना चाहिए। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि तदर्थ सेवा को केवल इस आधार पर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि वह नियमित नियुक्ति से पहले की अवधि थी। इस फैसले से उत्तराखंड प्रशासनिक सेवा में कार्यरत कई अधिकारियों को राहत मिलने की संभावना है। वर्षों से लंबित वरिष्ठता विवाद के कारण अधिकारियों के करियर और पदोन्नति प्रक्रिया पर भी प्रभाव पड़ रहा था।

जनसमस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाएं दायित्वधारी: धामी

◆ **धामी बोले, जनता की समस्याओं का शीघ्र समाधान जरूरी**

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कहा कि विभिन्न आयोगों, निगमों, समितियों और प्राधिकरणों में नियुक्त दायित्वधारी सरकार और जनता के बीच महत्वपूर्ण सेतु हैं। उन्होंने कहा कि दायित्वधारी जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के साथ-साथ जनता की समस्याओं और सुझावों को सरकार तक पहुंचाकर उनके त्वरित समाधान में सक्रिय भूमिका निभाएं।

मुख्य सेवक सदन में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए दायित्वधारियों के साथ आज संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी दायित्वधारी अपने-अपने क्षेत्रों में जनता के साथ निरंतर संवाद बनाए रखें और विकास कार्यों की प्रगति पर भी नजर रखें। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं को संबंधित विभागों और शासन के संज्ञान में लाकर उनके शीघ्र समाधान के प्रयास किए जाएं।

धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार प्रदेश के सर्वांगीण विकास और प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। सरकार का लक्ष्य विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाना है, जिसमें दायित्वधारियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने दायित्वधारियों से आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

न्यूज शॉर्ट्स

आयुष वर्मा मौत मामला: पिता ने निष्पक्ष जांच और एसआईटी गठन की मांग की

◆ **पिता ने कहा - निष्पक्ष जांच से ही सामने आएंगे बेटे की मौत के कारण**

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। देहरादून के थाना रायपुर क्षेत्र में आयुष वर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर उनके पिता संत कुमार वर्मा ने उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने पुलिस प्रशासन को दिए प्रार्थना पत्र में पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फोरेंसिक साक्ष्य, सीसीटीवी रिकॉर्ड, मोबाइल कॉल डिटेल और घटना से जुड़े सभी तथ्यों की वैज्ञानिक जांच कराने की अपील की है। पिता का कहना है कि घटना की परिस्थितियां सामान्य आत्महत्या से अलग प्रतीत होती हैं। उन्होंने मामले की जांच एसआईटी या किसी वरिष्ठ अधिकारी से कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

युवती से दुष्कर्म और ब्लैकमेल मामले में आरोपी गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। सितारगंज निवासी एक चार्टर्ड अकाउंटेंट को गुरुग्राम पुलिस ने बरेली से गिरफ्तार किया है। आरोपी पर रिश्तेदार युवती को शादी का झांसा देकर वर्षों तक शोषण करने, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने और आर्थिक रूप से परेशान करने के आरोप हैं। पीड़िता की शिकायत पर गुरुग्राम के सुशांत लोक थाने में मामला दर्ज किया गया था।

बागेश्वर के खारबगड़ में भूस्खलन का कहर, घरों में घुसा मलबा

भारतेंदु संवाददाता, बागेश्वर। बागेश्वर के कपकोट तहसील स्थित खारबगड़ गांव में भारी बारिश के कारण भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। पहाड़ी दरकने से मलबा कई घरों तक पहुंच गया है, जिससे ग्रामीणों में डर का माहौल है। लगातार गिर रहे पत्थरों और मलबे के कारण लोग रातभर जागने को मजबूर हैं।

अल्मोड़ा में साइबर ठगों के जाल में आए युवक और नाबालिग

भारतेंदु संवाददाता, अल्मोड़ा। साइबर ठगों ने जनपद के अलग-अलग क्षेत्रों में युवक और नाबालिग को अपने जाल में फंसाकर 2.53 लाख की चपत लगा दी। अब पीड़ितों की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रामगाढ़ नदी में नहाने उतरे जयपुर के युवक की डूबने से मौत

भारतेंदु संवाददाता, अल्मोड़ा। अल्मोड़ा-हल्द्वानी हाईवे स्थित रामगाढ़ क्षेत्र में नदी में नहाने उतरे जयपुर के 21 वर्षीय युवक की डूबने से मौत हो गई। युवक अपने तीन दोस्तों के साथ कैंची धाम दर्शन के बाद केदारनाथ जा रहा था। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ की टीम ने गहरे पानी से शव बरामद किया। स्थानीय लोगों ने पर्यटकों से सावधानी बरतने की अपील की है।

एमबीपीजी कॉलेज में छात्राओं के बीच मारपीट, संगठन आमने-सामने

भारतेंदु संवाददाता, हल्द्वानी। हल्द्वानी के एमबीपीजी कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया के दौरान छात्रा से मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि एबीवीपी समर्थक छात्रा के साथ प्रतिद्वंद्वी संगठन से जुड़ी युवती ने अभद्रता करते हुए मारपीट की। घटना के बाद कॉलेज परिसर में माहौल तनावपूर्ण हो गया। एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने प्राचार्य कक्ष में पहुंचकर हंगामा किया और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

ऋषिकेश : भट्टोवाला क्षेत्र में बंगाला नाले पर बाढ़ सुरक्षा कार्य के लिए 233 लाख मंजूर

◆ **विधायक प्रेमचंद अग्रवाल के प्रयासों से बाढ़ सुरक्षा कार्य को मिली गति**

भारतेंदु संवाददाता, ऋषिकेश। ऋषिकेश विधानसभा क्षेत्र के गुमानीवाला और भट्टोवाला क्षेत्र में बंगाला नाले पर बाढ़ सुरक्षा कार्य के लिए 233.23 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत होने तथा 139.94 लाख रुपये की पहली किस्त जारी होने पर क्षेत्रवासियों ने खुशी जताई। जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने ऋषिकेश विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल के कैंप कार्यालय पहुंचकर उनका आभार व्यक्त किया। इस दौरान उन्हें पुष्पगुच्छ

भेंट कर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि क्षेत्र की सुरक्षा और विकास उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि कार्य पूरा होने के बाद बरसात के दौरान जलभराव और बाढ़ की समस्या से लोगों को काफी राहत मिलेगी। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

अनुच्छेद 371 का संरक्षण दिलाने का यूकेडी तैयार

'संकल्प-नए उत्तराखण्ड का' में यूकेडी ने गिनाई पांच प्राथमिकताएं

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले रविवार को अपना नीति दस्तावेज 'संकल्प-नए उत्तराखण्ड का' (प्रथम भाग) जारी करते हुए कहा

कि सत्ता में आने पर राज्य को अनुच्छेद-371 के तहत विशेष संवैधानिक संरक्षण दिलाने, मूल निवास व्यवस्था को कानूनी मान्यता देने, सशक्त भू-कानून लागू करने, विवश पलायन का स्थायी समाधान करने और आरक्षण के भीतर आरक्षण लागू करने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

पार्टी की नीति निर्धारण समिति के अध्यक्ष डॉ. नारायण सिंह जंतवाल ने पत्रकार वार्ता में नीति दस्तावेज जारी करते हुए कहा कि इसमें राज्य के भविष्य, युवाओं के हितों और उत्तराखंड की अस्मिता से जुड़े मुद्दों पर पार्टी की स्पष्ट नीति प्रस्तुत की गई है। उन्होंने कहा कि जनता का समर्थन मिलने पर इन पांच प्राथमिकताओं को सरकार की नीति का हिस्सा बनाया जाएगा।

नीति निर्धारण समिति के संयोजक डॉ. सुरेश सिंह नेगी ने कहा कि उत्तराखंड के समग्र विकास और राज्य की विशिष्ट परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए इन विषयों पर ठोस नीति निर्माण आवश्यक है।

यूकेडी का पांच सूत्रीय नीति दस्तावेज जारी

यूकेडी का कहना है कि प्रस्तावित मूल निवास व्यवस्था किसी के अधिकारों का हनन करने के लिए नहीं, बल्कि उत्तराखंड के मूल निवासियों को शिक्षा, रोजगार, भूमि अधिकार, सरकारी योजनाओं, उद्यमिता और सरकारी निविदाओं में न्यायसंगत अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लागू की जाएगी। पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक काशी सिंह ऐरी ने पत्रकारों के प्रश्नों के उत्तर में कहा कि 'संकल्प-नए उत्तराखण्ड का' केवल चुनावी घोषणा नहीं, बल्कि राज्य के स्वाभिमान और स्थायी विकास का नीति दस्तावेज है।

उत्तराखंड के समग्र विकास नीति निर्माण जरूरी: डॉ. नेगी

देहरादून। प्रेसवार्ता में केंद्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र कुकरेती, डॉ. शैलशक्ति कपरवान, पंकज व्यास, मीनाक्षी घिड़ियाल, लताफ़क हुसैन, जय प्रकाश उपाध्याय, बहादुर सिंह रावत, गणेश काला, प्रकाश भट्ट, विजेंद्र रावत, राजनीतिन रावत, नैना लखेड़ा, शिवनंदन विष्ट, डॉ. पंकज पैन्यूली सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। नीति निर्धारण समिति के संयोजक **डॉ. सुरेश सिंह नेगी** ने कहा कि उत्तराखंड के समग्र विकास और राज्य की विशिष्ट परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए इन विषयों पर ठोस नीति निर्माण आवश्यक है।

◆ **यूकेडी का दावा उत्तराखण्ड को मिलेगा विशेष संवैधानिक संरक्षण**

हार्वर्ड में भारतीय ज्ञान परंपरा का हुआ वैश्विक प्रसार

हार्वर्ड में डा. चिन्मय पण्ड्या ने वैज्ञानिक अध्यात्म और मानवीय मूल्यों से विश्वशांति का मार्ग बताया।

कॉमनवेल्थ गेम्स में उत्तराखंड का शानदार प्रदर्शन, उन्नति ने जीता कांस्य पदक

देहरादून की बेटी उन्नति ने स्कॉटलैंड में बढ़ाया उत्तराखंड का मान

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित 23वें कॉमनवेल्थ गेम्स में उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया है। देहरादून की जूडो खिलाड़ी उन्नति शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से उत्तराखंड के खेल जगत में खुशी का माहौल है और खेल प्रेमियों ने उन्हें बधाई दी है।

उन्नति शर्मा ने कॉमनवेल्थ गेम्स की जूडो प्रतियोगिता में 63 किलोग्राम भार वर्ग में हिस्सा लिया था। प्रतियोगिता के दौरान उन्होंने अपनी तकनीक, आत्मविश्वास और शानदार खेल कौशल का परिचय देते हुए प्रतिद्वंद्वियों को कड़ी चुनौती दी।

कठिन मुकाबलों के बीच उन्नति ने अपनी मेहनत और लगन के दम पर कांस्य पदक अपने नाम किया। यह उपलब्धि उनके वर्षों के अभ्यास और संघर्ष का परिणाम है।

देहरादून निवासी उन्नति शर्मा की इस सफलता से उनके परिवार में खुशी का माहौल है। बड़ी संख्या में लोग उन्हें बधाई देने पहुंच रहे हैं।

उत्तराखंड के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी

देहरादून। खेल विभाग के अधिकारियों ने भी उनकी उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि उत्तराखंड में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है और प्रदेश के खिलाड़ी लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स में उत्तराखंड से दो खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। उन्नति शर्मा ने जूडो में शानदार प्रदर्शन किया, वहीं खटीमा निवासी कपिल पोखरिया ने बॉक्सिंग प्रतियोगिता में प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया।

देहरादून में स्कूटी चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, 11 वाहन बरामद

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। देहरादून में वाहन चोरी की घटनाओं पर कार्रवाई करते हुए रायपुर पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर जंगल में छिपाकर रखे गए 11 चोरी के दोपहिया वाहनों को बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राकेश डबराल पुत्र रमेश डबराल निवासी पौड़ी गढ़वाल, हाल निवासी कनखल हरिद्वार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 31 जुलाई को रायपुर क्षेत्र से दो स्कूटियां चोरी होने की शिकायत दर्ज की गई थी। मामले की जांच के लिए पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थलों के आसपास लगे करीब 80 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें एक संदिग्ध व्यक्ति की पहचान हुई। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने एक अगस्त को महाराणा प्रताप चौक के पास पेट्रोल पंप से आरोपी को चोरी की स्कूटी के साथ गिरफ्तार कर लिया।

रुद्रप्रयाग पुलिस की बड़ी सफलता, चोरी हुआ ट्रैक्टर बरामद, दो शातिर चोर गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग पुलिस ने चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। कोतवाली अगस्तमुनि पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने चोरी हुए ट्रैक्टर को देहरादून के औद्योगिक क्षेत्र सेलाकुई से बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गणपति कंस्ट्रक्शन कंपनी का स्वराज ट्रैक्टर 22 जुलाई को केदारनाथ रोड स्थित नई सुरंग के पास से चोरी हो गया था। मामले में शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंच बनाई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रोहित निवासी पीलीभीत और सागर उर्फ सौरव निवासी बिजनौर के रूप में हुई है। पुलिस ने चोरी किया गया ट्रैक्टर बरामद कर दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया है।

मानसून की मार से उत्तराखंड में यातायात व्यवस्था प्रभावित

उत्तराखंड में भारी बारिश से 105 सड़कें बंद, बहाली में जुटीं 721 मशीनें

◆ **चमोली में सबसे अधिक 23 सड़कें बंद**

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश के कारण प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में सड़क संपर्क अभी भी प्रभावित है। राज्य में रविवार शाम तक एक राष्ट्रीय राजमार्ग, तीन राज्य राजमार्ग और दो मुख्य जिला मार्ग सहित कुल 105 सड़कें बंद हैं। मार्गों को खोलने के लिए संबंधित विभागों की 721 मशीनें राहत एवं बहाली कार्य में लगी हैं।

राज्य आपदा एवं सड़क प्रबंधन (एसआरएमडी) की रिपोर्ट के अनुसार, सर्वाधिक 23 सड़कें चमोली जिले में बंद हैं। इसके बाद पिथौरागढ़ में 22, रुद्रप्रयाग में 15, टिहरी में 11, उत्तरकाशी में 10,

अल्मोड़ा में नौ, बागेश्वर में पांच, नैनीताल में चार और पौड़ी और देहरादून में तीन-तीन सड़कें बंद हैं। हरिद्वार, चंपावत और ऊधमसिंह नगर जिलों में सभी सड़कें यातायात के लिए खुली हैं।

रिपोर्ट के अनुसार बंद मार्गों में टनकपुर-पिथौरागढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग, ऋषिकेश-धरासू-बरकोट (यमुनोत्री) राष्ट्रीय राजमार्ग, मयाली-गुप्तकाशी राज्य मार्ग सहित अनेक ग्रामीण संपर्क मार्ग शामिल हैं। संबंधित विभाग चरणबद्ध तरीके से मार्गों को खोलने और यातायात सामान्य करने में जुटे हुए हैं।

बस-रुट | रुड़की से दिल्ली जाने वाले यात्रियों को झटका, अब 35 रुपए ज्यादा देकर पूरी करनी होगी यात्रा

कांवड़ यात्रा के चलते बदला रुड़की-दिल्ली बसों का मार्ग

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। कांवड़ यात्रा के मद्देनजर उत्तराखंड परिवहन निगम ने यात्रियों की सुविधा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए रुड़की से दिल्ली जाने वाली बसों के मार्ग में बदलाव किया है। अब रुड़की डिपो से दिल्ली जाने वाली बसें पुराने मार्ग के बजाय भगवानपुर होते हुए देहरादून-दिल्ली एक्सप्रेसवे से संचालित की जा रही हैं। मार्ग परिवर्तन के कारण यात्रियों को अब पहले की तुलना में करीब 17 किलोमीटर अधिक दूरी तय करनी होगी। इसके साथ ही परिवहन निगम ने नए मार्ग के अनुसार किराये में भी बढ़ोतरी की है। यात्रियों को दिल्ली तक पहुंचने के लिए अब 35 रुपये अतिरिक्त भुगतान करना पड़ेगा।

कांवड़ यात्रा के दौरान हर साल हरिद्वार, रुड़की और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में शिवभक्त पहुंचते हैं। लाखों श्रद्धालुओं की आवाजाही के कारण मुख्य मार्गों पर यातायात का दबाव काफी बढ़ जाता है। भारी भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए प्रशासन और परिवहन विभाग समय-समय पर यातायात योजनाओं में बदलाव करते हैं। इसी क्रम में रुड़की से दिल्ली जाने वाली बसों के संचालन मार्ग में परिवर्तन किया गया है, ताकि यात्रियों को जाम और यातायात अवरोध से बचाया जा सके।

◆ **भगवानपुर होकर चलेंगी रुड़की डिपो की सभी प्रभावित बसें**

परिवहन निगम के अनुसार फिलहाल दिल्ली रूट की प्रभावित बसों को ही नए मार्ग से संचालित किया जा रहा है। रुड़की से चलने वाली बसें अब भगवानपुर होते हुए देहरादून-दिल्ली एक्सप्रेसवे का उपयोग कर दिल्ली पहुंचेंगी। हालांकि नए मार्ग से यात्रा की दूरी बढ़ गई है, लेकिन अधिकारियों का मानना है कि इससे यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने में मदद मिलेगी। कांवड़ यात्रा के दौरान मुख्य सड़कों पर बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए यह कदम आवश्यक माना जा रहा है।

यात्रा के दौरान सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता: परिवहन निगम

परिवहन निगम ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले बसों के नए मार्ग और समय की जानकारी जरूर प्राप्त कर लें। कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता रहती है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के सड़कों पर होने के कारण कई स्थानों पर यातायात को नियंत्रित करना पड़ता है।

बढ़े हुए किराए के अनुसार ही होगी यात्रा

रुड़की से दिल्ली जाने वाले यात्रियों के लिए यह बदलाव अस्थायी व्यवस्था के रूप में लागू किया गया है। कांवड़ यात्रा समाप्त होने के बाद स्थिति सामान्य होने पर बसों का संचालन पुराने मार्ग से शुरू किया जा सकता है। फिलहाल यात्रियों को नए मार्ग और बढ़े हुए किराये के अनुसार ही यात्रा करनी होगी। परिवहन विभाग का कहना है कि श्रद्धालुओं की भारी संख्या और यातायात दबाव को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

हाईकोर्ट के आदेश से 74 निगम कर्मचारियों का नियमितीकरण तय

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने चंडीगढ़ नगर निगम में पिछले करीब 18 वर्षों से संविदा आधार पर कार्यरत 13 जूनियर इंजीनियर (जेई) सहित कुल 74 कर्मचारियों के नियमितीकरण का रास्ता साफ कर दिया है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि संबंधित अधिकारी आठ सप्ताह के भीतर सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर कर्मचारियों के नियमितीकरण की प्रक्रिया पूरी करें। अदालत ने यह भी कहा कि यदि तय समय सीमा के भीतर आदेशों का पालन नहीं किया गया तो इसे न्यायालय की अवमानना माना जाएगा और संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

यह फैसला जस्टिस हरसिमरन सिंह सेठी और जस्टिस अमरिंदर सिंह ग्रेवाल की डिवीजन बेंच ने सुनाया। अदालत चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा अगस्त 2025 में सिंगल बेंच के फैसले के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई कर रही थी। प्रशासन ने अदालत में दलील दी कि संबंधित कर्मचारी अब केंद्र सरकार के अधीन आते हैं और चूंकि केंद्र सरकार इस मामले में पक्षकार नहीं है, इसलिए नियमितीकरण का आदेश पारित नहीं किया जा सकता। हालांकि, डिवीजन बेंच ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया और सिंगल बेंच के फैसले को सही ठहराते हुए अपील खारिज कर दी।

याचिकाकर्ताओं की ओर से अदालत को बताया गया कि इन कर्मचारियों की नियुक्ति वर्ष 2007 से 2010 के बीच नगर निगम में ग्रुप-सी पदों पर संविदा आधार पर की गई थी। वर्षों तक लगातार सेवाएं देने के बावजूद उन्हें नियमित नहीं किया गया। कर्मचारियों का कहना था कि बाद में उन्हें ग्रुप-बी श्रेणी से जोड़कर नियमितीकरण से वंचित करने का प्रयास किया गया, जबकि उनकी नियुक्ति और सेवा शर्तें अलग थीं। उन्होंने अदालत से आग्रह किया कि लंबे समय तक निरंतर सेवा देने वाले कर्मचारियों को नियमित किया जाना न्यायसंगत और कानूनी रूप से उचित है।

नशामुक्त युवा से विकसित भारत का सपना साकार

प्रधानमंत्री ने युवाओं और समाज से नशे के खिलाफ जनआंदोलन बनाकर विकसित भारत के निर्माण में सहयोग का किया आह्वान

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब और चंडीगढ़ में लगातार बढ़ रही नशे की समस्या के बीच केंद्र सरकार ने रविवार को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान' की शुरुआत करते हुए इसे जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। सेक्टर-18 स्थित टैगोर थिएटर में आयोजित कार्यक्रम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से देशभर के युवाओं को संबोधित किया। इस दौरान पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम में युवाओं, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

पंजाब लंबे समय से नशे की समस्या से जूझ रहा है। सीमावर्ती राज्य होने के कारण यहां नशीले पदार्थों की तस्करी और युवाओं में नशे की लत गंभीर सामाजिक चुनौती बन चुकी है। ऐसे में केंद्र सरकार द्वारा शुरू किया गया यह अभियान पंजाब और चंडीगढ़ के लिए विशेष महत्व रखता है। सरकार का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखकर उन्हें राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि यदि देश का युवा शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहेगा, तभी वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि नशा केवल किसी एक व्यक्ति का नुकसान नहीं करता, बल्कि पूरे परिवार, समाज और राष्ट्र की शक्ति को कमजोर करता है। जब कोई युवा नशे की गिरफ्त में आता है तो उसके साथ-साथ उसके परिवार के सपने भी टूट जाते हैं और देश की ऊर्जा पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में पंजाब की आध्यात्मिक विरासत का उल्लेख करते हुए श्री गुरु ग्रंथ साहिब की वाणी का संदर्भ दिया था। उन्होंने कहा कि हमारे गुरुओं और संतों ने सदियों पहले ही नशे जैसी बुराइयों से दूर रहने का संदेश दिया था। गुरु ग्रंथ साहिब में स्पष्ट कहा गया है कि जिस पदार्थ के सेवन से मनुष्य की बुद्धि और विवेक नष्ट हो जाए तथा वह सही और गलत का अंतर भूल जाए, वह व्यक्ति को पतन की ओर ले जाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति केवल नशे से बचने की शिक्षा ही नहीं देती, बल्कि नशे की गिरफ्त में आए लोगों को मुख्यधारा में वापस लाने का मार्ग भी दिखाती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नशे के शिकार युवाओं से घृणा करने के बजाय उन्हें अपनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ऐसे युवाओं को उचित इलाज, परामर्श और परिवार के सहयोग से सामान्य जीवन में लौटाया जा सकता है। उन्होंने अभिभावकों, शिक्षकों, धार्मिक नेताओं, सामाजिक संस्थाओं और स्वयंसेवी संगठनों से इस अभियान को जनभागीदारी का आंदोलन बनाने की अपील की। साथ ही कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों को ड्रग्स के दुष्प्रभावों के प्रति नियमित रूप से जागरूक करने पर भी जोर दिया।

कार्यक्रम के बाद पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि आज देश में नशे के खिलाफ एक बड़े जनआंदोलन की शुरुआत हुई है। उन्होंने बताया कि खेल मंत्रालय, युवा कार्यक्रम विभाग और 'माय भारत' के संयुक्त प्रयास से युवाओं को इस अभियान से जोड़ने की पहल की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी जिम्मेदारी निभा रही है, लेकिन नशे के खिलाफ निर्णायक लड़ाई तभी जीती जा सकती है, जब समाज भी पूरी सक्रियता से इसमें भागीदारी निभाए।

न्यूज ब्रीफ

हाइड्रोलिक फायर मशीन बिना बढ़ी सुरक्षा चिंता

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर। बहुमंजिला इमारतों की बढ़ती संख्या के बावजूद जीरकपुर में हाइड्रोलिक फायर मशीन की कमी लोगों की चिंता बढ़ा रही है। नगर परिषद ने वर्ष 2019 में मशीन खरीदने की योजना बनाई थी और 2024 में हाउस ने प्रस्ताव भी पारित किया, लेकिन अब तक सरकार से मंजूरी नहीं मिल सकी। शहर में 19 मंजिला आवासीय सोसाइटियां होने के कारण आग लगने की स्थिति में ऊपरी मंजिलों तक पहुंचना बड़ी चुनौती बना हुआ है। फिलहाल दमकल विभाग को हाइड्रोलिक मशीन के लिए मोहाली पर निर्भर रहना पड़ता है, जिससे राहत और बचाव कार्य में देरी होती है। स्थानीय लोगों ने सरकार से जल्द स्वीकृति देकर हाइड्रोलिक फायर मशीन उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में समय रहते प्रभावी बचाव अभियान चलाया जा सके।

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से शहर बेहाल

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के चलते जीरकपुर में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। शहर की सड़कें, सार्वजनिक स्थान और नालों के किनारे कूड़े के ढेर लगने से दुर्गंध फैल रही है तथा डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। लोहगढ़, ढकोली, बलटाना और के एरिया सहित कई इलाकों में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। स्थानीय लोगों ने पंजाब सरकार और नगर परिषद से सफाई कर्मचारियों की मांगों का शीघ्र समाधान कर हड़ताल समाप्त कराने की मांग की है। साथ ही शहरभर में विशेष सफाई अभियान चलाकर जनस्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है।

बंद सुविधा केंद्र से हजारों लोग परेशान

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। फेज-11 स्थित सुविधा केंद्र लंबे समय से बंद होने के कारण हजारों लोगों को सरकारी सेवाओं के लिए दूसरे केंद्रों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। पहले यहां 28 विभागों की 300 से अधिक सेवाएं उपलब्ध थीं, लेकिन अब निवास, जाति प्रमाण पत्र, पेंशन, पासपोर्ट सत्यापन और आधार कार्ड जैसे कार्यों के लिए लोगों को सेक्टर-68 और फेज-3बी1 जाना पड़ रहा है। इससे वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और आसपास के क्षेत्रों के निवासियों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। पार्षद अमरजीत सिंह ने विधायक कुलवंत सिंह से केंद्र दोबारा शुरू करने की मांग की। विधायक ने अधिकारियों से बात कर जल्द सुविधा केंद्र चालू कराने का आश्वासन दिया।

हाईवे ढाबों पर आबकारी विभाग की औचक जांच

भारतेन्दु संवाददाता, डेराबस्सी। आबकारी विभाग ने अंबाला-चंडीगढ़ हाईवे पर जीरकपुर से पंजाब सीमा तक ढाबों पर औचक जांच अभियान चलाया। अधिकारियों ने अवैध रूप से शराब परोसने की गतिविधियों की जांच करते हुए बिना लाइसेंस शराब परोसने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। साथ ही ढाबा संचालकों को हाईवे पर खड़े रसायन ले जा रहे वाहनों पर नजर रखने और किसी भी रिसाव या संदिग्ध स्थिति की तुरंत प्रशासन को सूचना देने के निर्देश दिए। विभाग ने कहा कि जनहित और सड़क सुरक्षा के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

सीवरेज ओवरफ्लो से मंदिर मार्ग पर परेशानी

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर। वार्ड नंबर 30 के पालम एन्क्लेव स्थित मंदिर वाली गली में कई दिनों से सीवरेज ओवरफ्लो होने से स्थानीय लोग और श्रद्धालु परेशान हैं। मंदिर के पास सड़क पर गंदा पानी बहने से दुर्गंध फैल रही है तथा मक्खियों और मच्छरों के कारण संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। लोगों का कहना है कि रोजाना श्रद्धालुओं को गंदे पानी से होकर मंदिर जाना पड़ता है। उन्होंने नगर परिषद से जल्द स्थायी समाधान की मांग की है। नगर परिषद के जेई सकीत सिंह ने कहा कि शिकायत मिलते ही टीम भेजकर समस्या का शीघ्र समाधान कराया जाएगा।

नगर निगम चुनाव के लिए 'आप' ने शुरू किया चंडीगढ़ फर्स्ट मिशन अभियान

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। आगामी नगर निगम चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने 'चंडीगढ़ फर्स्ट' मिशन की शुरुआत की है। पार्टी ने घोषणा की है कि वह शहर के सभी 35 वार्डों में ईमानदार, शिक्षित, जनसेवा के प्रति समर्पित और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर उम्मीदवार उतारेगी। इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे योग्य नागरिकों से चुनावी राजनीति में आने की अपील की गई है।

आप की चंडीगढ़ कोर कमेटी के चेयरमैन प्रेम गर्ग ने कहा कि शहर को ऐसे जनप्रतिनिधियों की जरूरत है, जो राजनीतिक दबाव और निजी हितों से ऊपर उठकर जनता के हित में निर्णय ले सकें। उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य चंडीगढ़ को स्वच्छ, सुरक्षित, हरित, भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी प्रशासन वाला आदर्श शहर बनाना है। पार्टी उम्मीदवारों के चयन में ईमानदारी, सामाजिक सेवा, नेतृत्व क्षमता और पेशेवर उपलब्धियों को प्रमुख आधार बनाएगी।

योग्य चेहरों पर आप का भरोसा

पार्टी का मानना है कि नगर निगम केवल विकास कार्यों तक सीमित संस्था नहीं है, बल्कि यह शहर के दैनिक जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान करने वाली सबसे अहम इकाई है। इसलिए ऐसे प्रतिनिधियों का चयन जरूरी है, जो जनता की समस्याओं को समझते हों और उनके समाधान के लिए ईमानदारी से कार्य कर सकें। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, पेयजल, सीवरेज, पार्कों का रखरखाव, यातायात प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषय आगामी चुनाव में पार्टी की प्राथमिकताओं में शामिल रहेंगे। प्रेम गर्ग ने कहा कि 'चंडीगढ़ फर्स्ट' मिशन के तहत पार्टी विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक और पेशेवर संगठनों से भी संवाद स्थापित करेगी, ताकि समाज के विभिन्न वर्गों से योग्य और समर्पित लोगों को चुनावी प्रक्रिया से जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों के चयन में केवल राजनीतिक अनुभव को प्राथमिकता नहीं दी जाएगी, बल्कि उनके सामाजिक योगदान, कार्यशैली, पारदर्शिता और जनता के बीच उनकी स्वीकार्यता का भी मूल्यांकन किया जाएगा।

प्रधानमंत्री से जुड़े कथित भ्रामक वीडियो मामले में आरोपित की जमानत फिर खारिज

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से संबंधित कथित भ्रामक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित करने के मामले में गिरफ्तार हैदराबाद निवासी 44 वर्षीय हसन मोहिउद्दीन सिद्दीकी को जिला अदालत से दूसरी बार भी राहत नहीं मिली। अदालत ने उसकी जमानत याचिका खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि केवल पुलिस द्वारा चालान पेश कर देना जमानत का स्वतः आधार नहीं बन सकता, विशेष रूप से तब जब मामले में गंभीर आरोप लगाए गए हों और जांच के कुछ पहलू अभी शेष हों।

यह मामला 19 अप्रैल को चंडीगढ़ के सेक्टर-26 थाना में दर्ज एफआईआर से जुड़ा है। पुलिस ने हसन मोहिउद्दीन सिद्दीकी को विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार किया था। आरोप है कि उसने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से संबंधित एक कथित फर्जी और भ्रामक वीडियो इंटरनेट मीडिया के माध्यम से प्रसारित किया, जिससे लोगों को गुमराह करने का प्रयास किया गया। पुलिस के अनुसार मामले की जांच के दौरान इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल साक्ष्य एकत्र किए गए हैं और पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच जारी है।

जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने अदालत के समक्ष दलील दी कि सिद्दीकी को झूठा फंसाया गया है। उसके अधिवक्ता ने कहा कि वह ढाई महीने से अधिक समय से न्यायिक हिरासत में है और पुलिस मामले में चालान भी अदालत में पेश कर चुकी है। बचाव पक्ष का कहना था कि इस मामले में अधिकांश साक्ष्य दस्तावेजी और तकनीकी प्रकृति के हैं, इसलिए आरोपित के बाहर आने से जांच प्रभावित होने या साक्ष्यों से छेड़छाड़ की संभावना नहीं है। इसी आधार पर उसे जमानत देने की मांग की गई।

वहीं सरकारी पक्ष ने जमानत का कड़ा विरोध किया। अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया कि मामले की जांच अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है और इस प्रकरण में अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी तथा कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं की जांच बाकी है। सरकारी वकील ने कहा कि आरोप गंभीर प्रकृति के हैं और इस स्तर पर जमानत दिए जाने से जांच प्रभावित हो सकती है।

पंजाब पुलिस की एआई आधारित बाज आंख करेगी पाकिस्तान से आने वाले ड्रोन और तस्करी की पहचान

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए पंजाब में नशे और हथियारों की तस्करी लगातार बढ़ने के बीच पंजाब पुलिस ने अब आधुनिक तकनीक का सहारा लेते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित एंटी-ड्रोन प्रणाली 'बाज आंख' को तैनात किया है। इस नई व्यवस्था के तहत पुलिस ने 'हवाई नाके' स्थापित किए हैं, जिनका उद्देश्य सीमा पार से आने वाले संदिग्ध ड्रोन को समय रहते पहचान कर उन्हें निष्क्रिय करना और तस्करी पर प्रभावी रोक लगाना है। पुलिस का मानना है कि यह तकनीक बदलते सुरक्षा खतरों से निपटने में बड़ी भूमिका निभाएगी।

'बाज आंख' एक वाहन पर स्थापित अत्याधुनिक एआई आधारित एंटी-ड्रोन सिस्टम है। इसमें लगे विशेष सेंसर 8 से 10 किलोमीटर की दूरी तक उड़ रहे ड्रोन का पता लगाने में सक्षम हैं। इसकी सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यह उड़ते हुए पक्षियों और ड्रोन के बीच सटीक अंतर कर सकता है। इससे गलत

अलर्ट की संभावना काफी कम हो जाती है और सुरक्षा एजेंसियां केवल वास्तविक खतरे पर ही कार्रवाई करती हैं। पंजाब पुलिस के अनुसार यह प्रणाली सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की मौजूदा निगरानी व्यवस्था के साथ दूसरी सुरक्षा परत के रूप में काम करेगी।

पुलिस ने इस नई रणनीति को 'हवाई नाका' नाम दिया है। जिस तरह सड़कों पर संदिग्ध वाहनों की जांच के लिए नाके लगाए जाते हैं, उसी प्रकार अब आसमान के रास्ते होने वाली तस्करी पर नजर रखने के लिए तकनीकी निगरानी तंत्र विकसित किया गया है। इस योजना के तहत तीन एंटी-ड्रोन सिस्टम तैनात किए गए हैं, जो लगातार सीमा क्षेत्र की निगरानी करेंगे। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि अब चुनौती केवल सीमा पार से घुसपैठ तक सीमित नहीं है, बल्कि ड्रोन के माध्यम से नशीले पदार्थ, हथियार और गोला-बारूद भेजे जाने की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं।

यह प्रणाली केवल ड्रोन की पहचान तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उसे निष्क्रिय करने की क्षमता भी रखती है। जैसे ही कोई संदिग्ध ड्रोन इसकी निगरानी में आता है, सिस्टम उसके रेडियो और जीपीएस सिग्नलों को बाधित कर देता है। इसके बाद ड्रोन या तो अपने निर्धारित मार्ग से भटककर नीचे उतर जाता है, दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है अथवा वापस पाकिस्तान की दिशा में लौटने के लिए मजबूर हो जाता है। ड्रोन की लोकेशन, ऊंचाई, गति और दिशा जैसी सभी जानकारियां वास्तविक समय में ऑपरेटर की स्क्रीन पर दिखाई देती हैं, जिससे सुरक्षा बल तत्काल कार्रवाई कर सकते हैं।

पंजाब में ड्रोन गतिविधियों के बढ़ते आंकड़े सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा रहे हैं। वर्ष 2025 से लेकर 27 जुलाई 2026 तक पंजाब सीमा से कुल 474 ड्रोन बरामद किए जा चुके हैं। इसी अवधि में 777.474 किलोग्राम हेरोइन भी जब्त की गई है।

फायर ब्रिगेड कर्मचारियों ने सरकार को आंदोलन की दी अंतिम चेतावनी

◆ **मांगें लंबित रहीं तो फायर ब्रिगेड कर्मचारी करेंगे आंदोलन**

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। पंजाब में फायर ब्रिगेड और नगर निकायों में बाहरी स्रोत (आउटसोर्स) से नियुक्त कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ आंदोलन का ऐलान कर दिया है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो 13 अगस्त से पूरे प्रदेश में अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू किया जाएगा। कर्मचारियों की सबसे प्रमुख मांग उन्हें अनुबंध आधार पर नियमित करने संबंधी अधिसूचना तत्काल जारी करने की है।

यूनियन के प्रधान अमनजोत सिंह ने बताया कि इस संबंध में पंजाब सरकार और स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारियों के साथ कई दौर की बैठकें हो चुकी हैं। प्रत्येक बैठक में कर्मचारियों को सकारात्मक आश्वासन दिया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस फैसला सामने नहीं आया। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक विभिन्न नगर निगमों और फायर ब्रिगेड विभाग में कार्यरत कर्मचारी सरकार के निर्णय का इंतजार कर रहे हैं।

अमनजोत सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पहले बाहरी स्रोत से नियुक्त कर्मचारियों को अनुबंध आधार पर लाने की घोषणा की थी। इस घोषणा के बाद कर्मचारियों में उम्मीद जगी थी कि उनकी वर्षों पुरानी मांग पूरी होगी और उन्हें रोजगार की स्थिरता मिलेगी। लेकिन घोषणा के काफी समय बाद भी इस संबंध में कोई आधिकारिक अधिसूचना जारी नहीं की गई है, जिससे कर्मचारियों में भारी नाराजगी है।

यूनियन ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि 3 अगस्त से शुरू होने वाले पंजाब विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन तक अधिसूचना जारी नहीं की जाती, तो राज्यभर के कर्मचारी आंदोलन की तैयारी तेज कर देंगे।

मुफ्त पानी योजना पर चंडीगढ़ में सियासी संग्राम हुआ तेज

दो बार पारित प्रस्ताव निरस्त होने पर सांसद ने भाजपा और प्रशासन की कार्यशैली पर उठाए सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

नगर निगम के माध्यम से शहर के प्रत्येक परिवार को प्रतिमाह 20 हजार लीटर मुफ्त पेयजल उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को लेकर चंडीगढ़ की राजनीति एक बार फिर गर्मा गई है। चंडीगढ़ से कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने भाजपा और चंडीगढ़ प्रशासन पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को राहत देने वाले इस प्रस्ताव को जानबूझकर रोका गया। उन्होंने कहा कि निर्वाचित नगर निगम की इच्छा के बावजूद प्रशासन ने बार-बार इस निर्णय को निरस्त कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया की अनदेखी की है।

मनीष तिवारी ने इंटरनेट मीडिया पर जारी अपने विस्तृत बयान में कहा कि 11 मार्च 2024 को नगर निगम की 333वीं बैठक में सभी पार्षदों ने सर्वसम्मति से शहरवासियों को 20 हजार लीटर मुफ्त पेयजल उपलब्ध कराने का प्रस्ताव पारित किया था। यह निर्णय लोकसभा चुनाव से पहले लिया गया था और इसका उद्देश्य आम नागरिकों, विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को राहत देना था।

उन्होंने बताया कि 4 जून 2024 को लोकसभा चुनाव परिणाम घोषित हुए, जिसमें भाजपा उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ा। इसके नौ दिन बाद, 13 जून 2024 को तत्कालीन प्रशासक बनवारी लाल पुरोहित ने पंजाब म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन एक्ट, 1976 की धारा 423 के तहत इस प्रस्ताव को रद्द कर दिया। तिवारी का आरोप है कि प्रस्ताव पारित होने के 64 दिन बाद उसे निरस्त किया गया, जबकि कानून के अनुसार ऐसा करने से पहले नगर निगम को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाना चाहिए था।

सांसद ने कहा कि 9 जुलाई 2024 को नगर निगम की 336वीं बैठक में इस विषय पर फिर चर्चा हुई और सभी पार्षदों ने एकमत से प्रशासन के फैसले को खारिज करते हुए मुफ्त पानी के प्रस्ताव को दोबारा मंजूरी दे दी। इसके बावजूद 20 फरवरी 2025 को भाजपा के मेयर बनने के बाद प्रशासन ने एक बार फिर इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन द्वारा प्रस्ताव खारिज किए जाने संबंधी पत्र को भाजपा मेयर ने नगर निगम सदन के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। मनीष तिवारी ने कहा कि इन घटनाक्रमों से स्पष्ट होता है कि भाजपा और प्रशासन गरीब परिवारों को मुफ्त पानी देने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने नगर निगम के सभी पार्षदों से राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर निर्वाचित सदन की गरिमा बनाए रखने और शहर की जनता के हितों की रक्षा करने की अपील की।

पानी योजना पर आरोप-प्रत्यारोप

साथ ही इस मुद्दे को लेकर नगर निगम की कार्यप्रणाली और प्रशासनिक अधिकारों को लेकर भी बहस तेज हो गई है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि किसी प्रस्ताव को निर्वाचित सदन सर्वसम्मति से पारित करता है और बाद में उसे प्रशासनिक स्तर पर निरस्त कर दिया जाता है, तो इससे जनप्रतिनिधियों की भूमिका और अधिकारों को लेकर सवाल खड़े होते हैं। दूसरी ओर प्रशासन का तर्क है कि किसी भी योजना को लागू करने से पहले उसकी वित्तीय व्यवहार्यता, कानूनी स्थिति और पहले से स्वीकृत परियोजनाओं के साथ उसकी संगति सुनिश्चित करना आवश्यक होता है। नगर निगम के सूत्रों के अनुसार शहर में जलापूर्ति व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए करोड़ों रुपये की लागत से 24x7 पैन सिटी वाटर सप्लाई परियोजना पर काम चल रहा है। प्रशासन का कहना है कि यदि मुफ्त पानी की योजना लागू की जाती है तो इससे परियोजना के वित्तीय ढांचे और भविष्य की जलापूर्ति व्यवस्था पर अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है।

पंजाब में मतदाता सूची का 99.98 प्रतिशत डिजिटाइजेशन कार्य पूरा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। राज्यभर में मतदाताओं के एन्यूमरेशन फॉर्म के डिजिटाइजेशन का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। शनिवार तक राज्य के कुल 2,14,61,043 मतदाताओं में से 2,14,57,800 मतदाताओं के फॉर्म डिजिटल किए जा चुके हैं, जो कुल रिकॉर्ड का 99.98 प्रतिशत है। अब केवल 3,243 मतदाताओं के रिकॉर्ड का डिजिटाइजेशन शेष बचा है।

राज्य के 23 जिलों में से 18 जिलों ने शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन का लक्ष्य हासिल कर लिया है। इनमें अमृतसर, बरनाला, फरीदकोट, फतेहगढ़ साहिब, फाजिल्का, फिरोजपुर, गुरदासपुर, होशियारपुर, कपूरथला, मानसा, मोगा, पटियाला, रूपनगर, एसएएस नगर (मोहाली), संगरूर, शहीद भगत सिंह नगर, श्री मुक्तसर साहिब और तरनतारन शामिल हैं। इन जिलों में एक भी मतदाता का रिकॉर्ड डिजिटाइजेशन के लिए लंबित नहीं है, जिससे निर्वाचन प्रक्रिया को गति मिली है।

हालांकि पांच जिलों में कुछ रिकॉर्ड अभी भी डिजिटल किए जाने बाकी हैं। सबसे अधिक लंबित मामले लुधियाना जिले में हैं। यहां कुल 26,83,999 मतदाताओं में से 26,81,116 के रिकॉर्ड डिजिटल किए जा चुके हैं, जबकि 2,883 रिकॉर्ड शेष हैं। इसके अलावा पठानकोट में 350, बठिंडा में सात, मलेरकोटला में दो तथा जालंधर में केवल एक मतदाता का रिकॉर्ड डिजिटाइज होना बाकी है। लुधियाना में भी 99.89 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है।

पंजाब की मुख्य चुनाव अधिकारी अनिंदिता मित्रा ने बताया कि शेष रिकॉर्ड का डिजिटाइजेशन भी शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद निर्वाचन आयोग के तय कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची के सत्यापन और पुनरीक्षण की अगली प्रक्रिया शुरू होगी। इसका उद्देश्य आगामी चुनावों के लिए पूरी तरह शुद्ध, अद्यतन और त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करना है।

डिजिटाइजेशन के बाद बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ), निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ) सभी रिकॉर्ड का विस्तृत सत्यापन करेंगे।

पंजाब कांग्रेस में चन्नी-वड़िंग विवाद हुआ तेज

चुनाव से पहले कांग्रेस में बढ़ी गुटबाजी, नेताओं के बीच बयानबाजी हुई तेज

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान अब खुलकर सामने आने लगी है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच बढ़ते मतभेदों ने संगठन के भीतर गुटबाजी को लेकर नई चर्चा शुरू कर दी है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और पंजाब कांग्रेस प्रधान राजा वड़िंग के बीच चल रही राजनीतिक बयानबाजी अब सोशल मीडिया से लेकर सार्वजनिक मंचों तक पहुंच गई है। दोनों नेताओं की ओर से एक-दूसरे पर अप्रत्यक्ष निशाना साधे जाने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में भी असमंजस की स्थिति पैदा हो रही है।

मामला उस समय अधिक गरमा गया जब चरणजीत सिंह चन्नी और उनके बेटे रिदमजीत सिंह की ओर से सोशल मीडिया पर एक रील साझा की गई। इस रील में संदेश दिया गया कि कुछ लोग यह समझ रहे हैं कि जवाब नहीं दिया जाएगा, लेकिन सही समय आने पर हर बात का हिसाब लिया जाएगा। इस संदेश को राजनीतिक हलकों में राजा वड़िंग खेमे पर निशाने के तौर पर देखा गया।

इसके बाद प्रदेश कांग्रेस प्रधान राजा वड़िंग ने भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि केवल सोशल मीडिया पर रील और पोस्ट डालने से चुनाव नहीं जीते जा सकते। उन्होंने कहा कि जनता उसी नेता पर भरोसा करती है, जो जमीन पर रहकर काम करता है और लोगों के बीच अपनी पकड़ मजबूत बनाता है। वड़िंग ने सोशल मीडिया लोकप्रियता और चुनावी सफलता के बीच अंतर बताते हुए दिवंगत पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला का उदाहरण भी दिया।

पूर्व विधायक मदनलाल जलालपुर मामले पर भी बढ़ी दूरी : कांग्रेस के पूर्व विधायक मदनलाल जलालपुर को पार्टी प्रभारी भूपेश बघेल के खिलाफ बयान देने के मामले में निलंबित किया गया था। इसके बाद चरणजीत सिंह चन्नी जलालपुर के घर पहुंचे। इस दौरान चन्नी ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से आपसी मतभेद खत्म कर संगठन को मजबूत करने की अपील की।

चन्नी ने कहा कि मौजूदा समय एक-दूसरे के खिलाफ लड़ने का नहीं, बल्कि पार्टी को मजबूत करने और आगामी चुनाव की तैयारी करने का है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं का मुकाबला आपस में नहीं बल्कि चुनाव मैदान में विरोधी दलों से होना चाहिए।

वड़िंग ने चन्नी के चुनाव प्रदर्शन पर साधा निशाना : राजा वड़िंग ने चरणजीत सिंह चन्नी के 2022 विधानसभा चुनाव प्रदर्शन को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि उस चुनाव में मालवा क्षेत्र के कई बड़े कांग्रेस नेता चुनाव हार गए थे और पार्टी को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। वड़िंग ने चन्नी के चुनाव के बाद लंबे समय तक विदेश में रहने को लेकर भी तंज कसा।

उन्होंने कहा कि वह खुद चुनाव के बाद विदेश नहीं गए और कठिन दौर में पार्टी को मजबूत करने के लिए जमीन पर सक्रिय रहे। वड़िंग के इस बयान को चन्नी पर सीधा राजनीतिक हमला माना जा रहा है।

पटियाला और संगरूर में दिखा गुटों का टकराव : कांग्रेस की अंदरूनी लड़ाई का असर हाल ही में पटियाला और संगरूर में आयोजित कार्यक्रमों में भी देखने को मिला। समाना में एक कार्यक्रम के दौरान चन्नी समर्थकों ने राजा वड़िंग के खिलाफ नारेबाजी की और विरोध जताया।

इसके बाद संगरूर के कैलिफोर्निया रिजॉर्ट में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच विवाद बढ़ गया। दोनों पक्षों के समर्थकों में बहस और झड़प की स्थिति बन गई। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे पर कुर्सियां तक फेंकीं और जमकर नारेबाजी की। इस दौरान चन्नी के समर्थन में भी आवाजें उठीं।

कांग्रेस प्रभारी की बैठकों पर नजर : कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल की बरनाला और मानसा में होने वाली बैठकों पर अब सभी की नजरें टिकी हैं। माना जा रहा है कि इन बैठकों में पार्टी के अंदर चल रहे विवाद और संगठन को लेकर चर्चा हो सकती है। पिछले दिनों हुए घटनाक्रमों के बाद हाईकमान के सामने भी पंजाब कांग्रेस की स्थिति बड़ी चुनौती बन गई है।

मोगा की युवती मलेशिया में लापता, परिवार चिंतित

मारपीट वीडियो वायरल होने के बाद मोबाइल बंद, परिवार ने लगाई मदद की गुहार

भारतेंदु संवाददाता, मोगा। पंजाब के मोगा जिले की रहने वाली एक युवती के मलेशिया में लापता होने का मामला सामने आया है। कुछ दिन पहले मलेशिया के एक हाईवे पर युवती के साथ कथित मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसके बाद से युवती का कोई पता नहीं चल पाया है। उसका मोबाइल फोन भी बंद बताया जा रहा है, जिससे परिवार की चिंता बढ़ गई है।

युवती की नानी ने वीडियो जारी कर सरकार और संबंधित अधिकारियों से अपनी दोहती को सुरक्षित वापस लाने की अपील की है। नानी ने बताया कि युवती की मां की पहले ही मृत्यु हो चुकी है और उन्होंने ही उसे पाल-पोसकर बड़ा किया है। उन्होंने कहा कि युवती बेहतर भविष्य बनाने और काम करने के उद्देश्य से करीब तीन साल पहले मलेशिया गई थी।

परिवार के अनुसार, उन्हें जानकारी नहीं थी कि युवती मलेशिया में किन लोगों के साथ रह रही थी। उन्हें उम्मीद थी कि वह विदेश में काम कर अपने जीवन को बेहतर बनाएगी और भविष्य में उसकी शादी अच्छे परिवार में की जाएगी।

पाकिस्तानी युवक के साथ होने पर विवाद का दावा : परिवार को लोगों के माध्यम से पता चला कि मलेशिया में कुछ युवकों ने युवती को कथित रूप से एक पाकिस्तानी युवक के साथ घूमने को लेकर घेर लिया था। इसी दौरान उसके साथ मारपीट की गई। वायरल वीडियो में कुछ पंजाबी युवक सड़क पर युवती से बहस करते और उसे थप्पड़ मारते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में युवकों और पाकिस्तानी युवक के बीच धक्का-मुक्की भी नजर आ रही है।

वीडियो सामने आने के बाद दावा किया गया कि युवती मोगा की रहने वाली है और वह मलेशिया में पाकिस्तानी युवक के साथ रह रही थी। हालांकि, पूरे मामले की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

पुलिस और सामाजिक संस्था कर रही मदद : हाईवे पर हुए विवाद के बाद मलेशिया पुलिस ने मामले में शामिल कुछ युवकों से पूछताछ की है। विवाद को लेकर पैसों के लेन-देन की बात भी सामने आ रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मलेशिया में पंजाबी समुदाय की मदद करने वाली समाजसेवी रूबीना की संस्था ने युवती के लापता होने को लेकर स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। संस्था ने युवती को सुरक्षित सामने लाने की अपील की है।

परिवार ने आशंका जताई है कि वीडियो वायरल होने के बाद से संपर्क टूटने के कारण युवती के साथ कोई अनहोनी न हुई हो। फिलहाल पुलिस और सामाजिक संगठन युवती की तलाश में जुटे हुए हैं।

एयर इंडिया का कनाडा विस्तार, दिल्ली-टोरंटो रूट पर नए विमानों का संचालन हुआ शुरू

कनाडा नेटवर्क विस्तार से बढ़ेगी क्षमता, यात्रियों को मिलेंगी बेहतर हवाई सुविधाएं

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। एयर इंडिया ने भारत और कनाडा के बीच हवाई यात्रा को बेहतर बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए दिल्ली-टोरंटो मार्ग पर अपने नए बोइंग 787-9 विमान का संचालन शुरू कर दिया है। इससे कनाडा जाने वाले यात्रियों को पहली बार एयरलाइन के आधुनिक कैबिन उत्पादों और बेहतर ऑनबोर्ड सुविधाओं का लाभ मिलेगा। एयरलाइन ने इसके साथ ही विंटर 2026-27 सीजन के लिए कनाडा नेटवर्क के विस्तार की योजना भी घोषित की है।

एयर इंडिया के अनुसार, आगामी विंटर सीजन में 25 अक्टूबर 2026 से 26 मार्च 2027 तक मुंबई और टोरंटो के बीच सप्ताह में तीन दिन सीधी नॉन-स्टॉप उड़ान शुरू की जाएगी। मुंबई-टोरंटो मार्ग पर यह सेवा देने वाली एयर इंडिया एकमात्र एयरलाइन होगी। इस नई उड़ान से भारत और कनाडा के बीच हर महीने लगभग 4,400 अतिरिक्त सीटें उपलब्ध होंगी। इससे टोरंटो रूट पर कुल यात्री क्षमता के साथ-साथ प्रीमियम सीट क्षमता में भी करीब 71 प्रतिशत वृद्धि होगी।

मुंबई-टोरंटो मार्ग पर एयर इंडिया अत्याधुनिक बोइंग 777-300 ईआर विमान तैनात करेगी। इस विमान में यात्रियों की सुविधा के लिए आठ फर्स्ट क्लास सुइट, बिजनेस क्लास में 40 फ्लैट बेड सीट और इकोनॉमी क्लास में 280 सीटें उपलब्ध होंगी। इसके अलावा यात्रियों को वाई-फाई इंटरनेट सुविधा भी मिलेगी।

एयरलाइन ने बताया कि मुंबई और दिल्ली हब के माध्यम से कनाडा जाने वाले यात्री अमृतसर, अहमदाबाद, बेंगलुरु, चंडीगढ़, चेन्नई, हैदराबाद, कोच्चि, लुधियाना और वडोदरा जैसे प्रमुख शहरों से आसानी से जुड़ सकेंगे।

दिल्ली-टोरंटो मार्ग पर वर्तमान में संचालित 10 साप्ताहिक उड़ानों में से सात उड़ानें नए बोइंग 787-9 विमानों से संचालित की जा रही हैं। शेष तीन उड़ानों को भी जनवरी 2027 तक नए विमानों में बदलने की योजना है। इसके बाद टोरंटो जाने वाली एयर इंडिया की सभी उड़ानों में नए या अपग्रेड किए गए कैबिन इंटीरियर उपलब्ध होंगे।

गनीव कौर ने अकाल तख्त से मांगा मार्गदर्शन

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। मजीठा हलका से शिरोमणि अकाली दल की विधायक गनीव कौर मजीठिया ने श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार को पत्र लिखकर पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र को लेकर मार्गदर्शन की अपील की है। उन्होंने कहा है कि विधानसभा सत्र के दौरान वह पंथक मर्यादा और श्री अकाल तख्त साहिब के आदेशों के अनुसार अपनी जिम्मेदारियां निभाना चाहती हैं।

गनीव कौर मजीठिया ने अपने पत्र में आग्रह किया है कि इस मामले में जत्थेदार की ओर से आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएं, ताकि वह एक विधायक के रूप में अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए पंथक सिद्धांतों का सम्मान कर सकें। उन्होंने पत्र में जगत ज्योत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम, 2026 का भी उल्लेख किया है।

जसदीप सिंह विवाद में बुड्ढा दल का बड़ा फैसला

ककार वापस करने के बाद जसदीप सिंह पर लगी नई पाबंदियां

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। पंजाब में निहंग जसदीप सिंह से जुड़ा विवाद एक बार फिर चर्चा में आ गया है। बुड्ढा दल के सामने जसदीप सिंह ने अपने ककार स्वयं उतारकर सौंप दिए हैं। इसके बाद बुड्ढा दल की ओर से स्पष्ट किया गया है कि अब जसदीप सिंह न तो निहंग बाणा धारण कर सकेंगे और न ही दुमाला सजा सकेंगे। इसके साथ ही अन्य निहंग जत्थेबंदियों से भी अपील की गई है कि उन्हें दोबारा अमृतपान न करवाया जाए।

आपत्तिजनक तस्वीरों के विवाद के बाद पंथक गतिविधियों से दूरी

यह पूरा मामला उस समय शुरू हुआ था, जब सोशल मीडिया पर जसदीप सिंह से जुड़ी कथित आपत्तिजनक तस्वीरें वायरल हुई थीं। तस्वीरें सामने आने के बाद बुड्ढा दल ने उन्हें पंथक गतिविधियों से दूर रहकर सेवा करने का आदेश दिया था। साथ ही उन्हें निहंग बाणा और दुमाला पहनने से रोक दिया गया था।

बुड्ढा दल के दोआबा जोन के जत्थेदार मान सिंह के अनुसार, जसदीप सिंह को जो धार्मिक सेवा सौंपी गई थी, वह उसे पूरा किए बिना ही छोड़कर चले गए। इसके बाद उनके खिलाफ दोबारा पंथक कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि बुड्ढा दल की ओर से उन्हें ककार उतारने का कोई आदेश नहीं दिया गया था, लेकिन उन्होंने अपनी इच्छा से ककार उतारकर वापस कर दिए। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में जसदीप सिंह खुद यह कहते हुए दिखाई दे रहे हैं कि उन्होंने अपने ककार अपनी मर्जी से उतारे हैं। वीडियो में बुड्ढा दल के प्रवक्ता ने भी स्पष्ट किया कि पहले केवल निहंग बाणा और दुमाला पहनने पर रोक लगाई गई थी, लेकिन ककार वापस करने का कोई आदेश नहीं दिया गया था।

प्रवक्ता ने कहा कि अब जसदीप सिंह निहंग बाणा नहीं पहन सकेंगे। वहीं जसदीप सिंह ने यह भी कहा कि भविष्य में उनके साथ या किसी अन्य सिंह के साथ होने वाली किसी घटना की जिम्मेदारी उनकी नहीं होगी।

कनाडा में वर्क परमिट संकट पर पंजाबी छात्रों का प्रदर्शन

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। कनाडा में पढ़ाई करने गए पंजाबी छात्रों के सामने नई परेशानी खड़ी हो गई है। पोर्टाज कॉलेज के विद्यार्थियों ने पोस्ट ग्रेजुएशन वर्क परमिट में रिजेक्शन मिलने के बाद कनाडा में प्रदर्शन शुरू कर दिया है। छात्रों का आरोप है कि दाखिले के समय कॉलेज की ओर से उन्हें भरोसा दिलाया गया था कि उनकी डिग्री मान्य होगी और वे पोस्ट ग्रेजुएशन वर्क परमिट के लिए योग्य होंगे, लेकिन अब उनके आवेदन खारिज किए जा रहे हैं।

प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों का कहना है कि उन्होंने लाखों रुपये खर्च कर कनाडा में पढ़ाई शुरू की थी। कई परिवारों ने बच्चों के भविष्य के लिए अपनी जमीनें तक बेच दीं, लेकिन अब परमिट रिजेक्ट होने के बाद वे आर्थिक और मानसिक संकट से गुजर रहे हैं। छात्रों ने बताया कि आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण कई विद्यार्थियों को खाने-पीने और घर का किराया देने में भी परेशानी आ रही है।

विद्यार्थियों का कहना है कि पोर्टाज कॉलेज ने उन्हें ईमेल और दस्तावेजों के माध्यम से बताया था कि वे पोस्ट ग्रेजुएशन वर्क परमिट के लिए पात्र हैं। इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर उन्होंने आवेदन किया था, लेकिन अब कनाडा के इमिग्रेशन विभाग आईआरसीसी की ओर से उनके आवेदन अस्वीकार किए जा रहे हैं।

पंजाब अस्पतालों में अब इलेक्ट्रीशियन, प्लम्बर और सीवरमैन होंगे नियुक्त

पंजाब अस्पतालों में अब इलेक्ट्रीशियन प्लम्बर और सीवरमैन होंगे नियुक्त

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब के सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए अब डॉक्टरों, नर्सों और मेडिकल स्टाफ के साथ-साथ तकनीकी और रखरखाव से जुड़े कर्मचारियों की भी नियुक्ति की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों, सब-डिवीजनल अस्पतालों और कम्युनिटी हेल्थ सेंटरों में इलेक्ट्रीशियन, प्लम्बर और सीवरमैन के पद भरने के निर्देश जारी किए हैं।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से सभी सिविल सर्जनों को कहा गया है कि वे अपने-अपने अस्पतालों की जरूरत के अनुसार इन पदों पर कर्मचारियों की नियुक्ति सुनिश्चित करें। विभाग ने अस्पतालों को अपने स्तर पर भर्ती प्रक्रिया पूरी करने की अनुमति दी है।

प्रत्येक पद के लिए अस्पतालों में जरूरत के अनुसार एक से तीन कर्मचारियों की नियुक्ति की जा सकती है।

विभाग ने इन कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए अस्पतालों को तीन विकल्प भी उपलब्ध कराए हैं। पहले मॉडल के तहत अस्पताल कांट्रैक्ट एजेंसी के माध्यम से कर्मचारियों की नियुक्ति कर सकते हैं। इसके लिए अस्पतालों को टेंडर प्रक्रिया अपनाकर बेहतर एजेंसी का चयन करना होगा।

दूसरे विकल्प में अस्पताल इलेक्ट्रीशियन, प्लम्बर और सीवरमैन की सेवाएं आउटसोर्स के माध्यम से ले सकते हैं। इसके लिए अस्पताल प्रशासन को अपनी आवश्यकता और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार व्यवस्था करने की छूट दी गई है।

तरनतारन में तीन नशा तस्कर हेरोइन सहित गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, तरनतारन। थाना सदर तरनतारन पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1 किलो 234 ग्राम हेरोइन, 10 हजार रुपये की ड्रग मनी, चार मोबाइल फोन और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही थार गाड़ी बरामद की है। इस मामले में थाना सिटी तरनतारन में आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड हासिल किया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। एसएसपी सुरिंदर लांबा ने बताया कि थाना सदर तरनतारन पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ लोग थार गाड़ी में सवार होकर नशीले पदार्थों की तस्करी कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने गांव कोट धर्म चंद कलां के पास नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहन की जांच शुरू की।

लुधियाना पुलिस की दुकान पर कब्जे और चोरी की साजिश हुई बेनकाब

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। कमिश्नरेट पुलिस लुधियाना के रिकॉर्ड कीपर की जांच के बाद सरकारी संपत्ति पर अवैध कब्जा करने और चोरी के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। लक्कड़ बाजार टायर मार्केट स्थित पुलिस विभाग की कीमती दुकान पर अवैध कब्जे का दावा करने वाले अब्दुल रशीद के खिलाफ थाना डिवीजन नंबर-1 की पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दिए बयान में सब-इंस्पेक्टर बलजीत सिंह ने बताया कि वह पुलिस कमिश्नर कार्यालय में रिकॉर्ड कीपर के पद पर तैनात हैं। पुलिस कमिश्नरेट की सभी सरकारी इमारतों और संपत्तियों का रिकॉर्ड उनके पास सुरक्षित रहता है। जांच के दौरान दुकान नंबर 90/3 (903/8), जो लक्कड़ बाजार टायर मार्केट में स्थित है, के दस्तावेजों की जांच की गई। रिकॉर्ड में सामने आया कि यह दुकान पुरानी पुलिस लाइन की सीमा के अंतर्गत आती है और पूरी तरह से पुलिस विभाग की सरकारी संपत्ति है। जांच में पाया गया कि अब्दुल रशीद इस दुकान पर अवैध रूप से अपना कब्जा जता रहा था और खुद को इसका मालिक बता रहा था। शिकायत के बाद रिकॉर्ड की जांच में उसका दावा गलत और अवैध पाया गया।

वहीं, पुलिस ने चोरी के मामले की जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली।

डाटा अपलोड नहीं करने पर अमृतसर के 79 निजी स्कूलों पर कार्रवाई की तैयारी तेज

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। पंजाब में शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए शिक्षा विभाग ने निजी स्कूलों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में अमृतसर जिले के 79 निजी स्कूलों पर मान्यता रद्द होने की तलवार लटक रही है। विभाग ने इन स्कूलों को नोटिस जारी कर 3 अगस्त तक संतोषजनक जवाब देने के निर्देश दिए हैं। यदि स्कूलों की ओर से उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया गया तो नियमों के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षा विभाग के अनुसार जिले के कुल 819 निजी स्कूलों को अपने संस्थानों से जुड़ी आवश्यक जानकारी सरकारी पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए थे। इनमें से 740 स्कूलों ने निर्धारित समय में अपना डाटा अपलोड कर दिया, जबकि 79 स्कूल अभी तक इस प्रक्रिया को पूरा नहीं कर पाए हैं। विभाग का कहना है कि पोर्टल पर जानकारी उपलब्ध करवाना अनिवार्य है और इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दरअसल, अभिभावकों की ओर से लगातार फीस संबंधी शिकायतों के बाद शिक्षा विभाग ने फीस रेगुलेटरी बॉडी का गठन किया था। इसका उद्देश्य निजी स्कूलों में फीस व्यवस्था को पारदर्शी बनाना और उन्हें नियमों के दायरे में लाना है। इसके तहत स्कूलों को अपनी फीस संरचना, सुविधाओं, स्टाफ और अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां ऑनलाइन उपलब्ध करवानी होंगी।

अमृतसर में फीस रेगुलेटरी बॉडी के चेयरमैन डिप्टी कमिश्नर हैं, जबकि जिला शिक्षा अधिकारी (सेकेंडरी) इसके सचिव हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि नियमों का पालन नहीं करने वाले स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जिला शिक्षा अधिकारी (सेकेंडरी) कंवलजीत सिंह ने बताया कि संबंधित 79 स्कूलों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। उन्हें 3 अगस्त तक अपना पक्ष रखने का अंतिम अवसर दिया गया है। यदि जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया तो मान्यता रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

विभाग ने डाटा अपलोड करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई निर्धारित की थी। इस दौरान कई स्कूलों ने अंतिम समय में पोर्टल पर जानकारी दर्ज की।

सुविधा अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए उत्तर रेलवे ने विशेष ट्रेनों का किया संचालन

आरआरबी परीक्षा के लिए पंजाब में चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) लेवल-1 परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए उत्तर रेलवे ने बड़ी सुविधा का ऐलान किया है। परीक्षा के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने 3 अगस्त से 6 अगस्त तक विभिन्न मार्गों पर परीक्षा स्पेशल ट्रेनों के संचालन का निर्णय लिया है। इससे जालंधर सहित पंजाब के अलग-अलग जिलों से परीक्षा देने जाने वाले हजारों अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में आसानी होगी।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार ट्रेन संख्या 04601 फिरोजपुर कैंट-अमृतसर जंक्शन परीक्षा स्पेशल 3 से 6 अगस्त तक प्रतिदिन रात 11 बजे फिरोजपुर कैंट से रवाना होगी। यह ट्रेन जालंधर सिटी रेलवे स्टेशन पर ठहराव करते हुए अमृतसर पहुंचेगी। वापसी के लिए ट्रेन संख्या 04602 अमृतसर जंक्शन-फिरोजपुर कैंट परीक्षा स्पेशल प्रतिदिन शाम 4 बजकर 20 मिनट पर अमृतसर से रवाना होगी और जालंधर सिटी स्टेशन पर रुकते हुए फिरोजपुर कैंट पहुंचेगी।

इसके अलावा रेलवे ने 04603 लुधियाना-जालंधर सिटी परीक्षा स्पेशल ट्रेन भी शुरू करने का फैसला किया है। यह ट्रेन 3 से 6 अगस्त तक प्रतिदिन सुबह 4 बजकर 25 मिनट पर लुधियाना से रवाना होकर जालंधर सिटी पहुंचेगी। वहीं, 04604 जालंधर सिटी-लुधियाना परीक्षा स्पेशल ट्रेन प्रतिदिन रात 8 बजकर 50 मिनट पर जालंधर सिटी से लुधियाना के लिए रवाना होगी।

परीक्षा के लिए उत्तर रेलवे ने 3 से 6 अगस्त तक चलाईं स्पेशल ट्रेनें

रेलवे ने मुक्तसर और फगवाड़ा के बीच भी परीक्षा स्पेशल ट्रेन चलाने की व्यवस्था की है। ट्रेन संख्या 04605 मुक्तसर-फगवाड़ा जंक्शन परीक्षा स्पेशल 3 से 6 अगस्त तक प्रतिदिन रात 12 बजकर 15 मिनट पर मुक्तसर से चलेगी। यह ट्रेन कोटकपूरा, फरीदकोट, फिरोजपुर कैंट और लुधियाना जंक्शन सहित प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इसकी वापसी ट्रेन संख्या 04606 फगवाड़ा जंक्शन-मुक्तसर परीक्षा स्पेशल शाम 4 बजकर 20 मिनट पर फगवाड़ा से रवाना होगी।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि परीक्षा अवधि के दौरान बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के सफर करने की संभावना को देखते हुए यह विशेष व्यवस्था की गई है। इसका उद्देश्य परीक्षार्थियों को समय पर परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाना और यात्रा के दौरान होने वाली परेशानियों को कम करना है।

यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए रेलवे ने ट्रेन संख्या 14541/14542 अमृतसर-चंडीगढ़ एक्सप्रेस में 2 अगस्त से 1 अक्टूबर तक अस्थायी रूप से एक अतिरिक्त वातानुकूलित चेयरकार कोच लगाने का निर्णय लिया है।

आधुनिक जीवन की भागदौड़ में सोमवार देता है आत्मचिंतन और सकारात्मक शुरुआत का संदेश

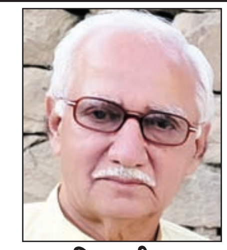

हरि राम धीमान
स्वतंत्र लेखक

भारतीय संस्कृति में सप्ताह के प्रत्येक दिन का अपना विशेष महत्व माना गया है। इनमें सोमवार का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। सोमवार केवल सप्ताह का एक सामान्य दिन नहीं, बल्कि धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से विशेष महत्व रखने वाला दिन है। सनातन परंपरा में सोमवार को भगवान शिव को समर्पित माना जाता है। इस दिन श्रद्धालु भगवान शिव की पूजा-अर्चना, व्रत, ध्यान और साधना के माध्यम से अपने जीवन में सुख, शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करने का प्रयास करते हैं।

सोमवार शब्द का संबंध चंद्रमा से माना जाता है। भारतीय ज्योतिष के अनुसार चंद्रमा मन का प्रतीक है। इसलिए सोमवार को मन की शांति, भावनात्मक संतुलन और मानसिक स्थिरता से भी जोड़ा जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन भगवान शिव की आराधना करने से मनुष्य को मानसिक शांति प्राप्त होती है और जीवन में आने वाली कठिन परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति मिलती है।

भगवान शिव को देवों के देव महादेव कहा जाता है। उनका स्वरूप त्याग, धैर्य, करुणा और समभाव का प्रतीक माना जाता है। सोमवार के दिन शिवलिंग पर जल अर्पित करने, बेलपत्र चढ़ाने, मंत्रों का जाप करने और ध्यान करने की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि सच्ची श्रद्धा और भक्ति के साथ की गई शिव आराधना जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाती है।

सोमवार का व्रत भी भारतीय धार्मिक परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अनेक लोग भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने और मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए सोमवार का उपवास रखते हैं। विशेष रूप से सावन मास के सोमवार का धार्मिक महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। सावन के महीने में देशभर के शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिलती है। भक्त जलाभिषेक, पूजा और धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से भगवान शिव के प्रति अपनी आस्था प्रकट करते हैं।

सोमवार केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि जीवन प्रबंधन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण संदेश देता है। सप्ताह की शुरुआत सोमवार से होती है, इसलिए यह दिन नई ऊर्जा और नए संकल्पों का प्रतीक माना जा सकता है। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में मनुष्य को अपने लक्ष्यों को निर्धारित करने और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए सोमवार एक नई शुरुआत का अवसर प्रदान करता है।

आज के समय में जब लोग तनाव, चिंता और मानसिक दबाव से गुजर रहे हैं, ऐसे में सोमवार को आत्मचिंतन और मानसिक संतुलन के दिन के रूप में अपनाया जा सकता है। सुबह ध्यान, योग, प्राणायाम और शांत मन से दिन की शुरुआत करने से व्यक्ति अपने कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से पूरा कर सकता है। मानसिक शांति और सकारात्मक विचार व्यक्ति के जीवन में सफलता का मार्ग खोलते हैं।

सोमवार हमें संयम और अनुशासन का भी संदेश देता है। भगवान शिव का जीवन हमें सिखाता है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, धैर्य और संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। शिव ने विष को अपने कंठ में धारण कर संसार की रक्षा की, जो त्याग और जिम्मेदारी का महान उदाहरण है। इसी प्रकार मनुष्य को भी जीवन में कठिनाइयों से घबराने के बजाय धैर्य और विवेक के साथ उनका सामना करना चाहिए।

सामाजिक दृष्टि से भी सोमवार का महत्व देखा जा सकता है। धार्मिक स्थलों पर होने वाली पूजा-अर्चना और सामूहिक गतिविधियां लोगों को एक-दूसरे से जोड़ती हैं। इससे समाज में सहयोग, सेवा और आपसी सद्भाव की भावना मजबूत होती है। अनेक लोग सोमवार के दिन जरूरतमंदों की सहायता, दान और सेवा कार्य भी करते हैं, जो मानवता के मूल्यों को बढ़ावा देते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

प्रकृति से लगातार छेड़छाड़ का परिणाम बनती त्रासदियां हिमाचल के भविष्य के लिए बड़ी चेतावनी

तुलसी राम डोगरा
(स्वतंत्र लेखक), पालमपुर।

हिमाचल प्रदेश में विगत कुछ वर्षों से मॉनसून की भारी बरसातों ने जहां देवभूमि के जनजीवन को पूरी तरह झकझोर कर रख दिया है, वहीं प्राकृतिक आपदाओं के बढ़ते प्रकोप ने लोगों के मन में भय और चिंता का वातावरण पैदा कर दिया है। पहाड़ों से खिसकती भारी-भरकम चट्टानें, भूस्खलन, बादल फटना और आसमानी बिजली गिरने जैसी घटनाएं अब आम होती जा रही हैं। स्थिति यह हो गई है कि लोगों को हर समय यह डर सताने लगा है कि न जाने कब प्रकृति का कहर उनकी जिंदगी को संकट में डाल दे। घर से बाहर निकलते समय भी कई लोगों के मन में अनहोनी की आशंका बनी रहती है।

हाल के वर्षों में प्रदेश में हुई कई दर्दनाक घटनाओं ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। लाहुल-स्पीति जैसे दुर्गम क्षेत्रों में अचानक पहाड़ों से गिरती चट्टानों ने कई परिवारों को हमेशा के लिए उजाड़ दिया। ऐसे हादसों में कई लोगों की जान चली गई और देखते ही देखते हंसते-खेलते परिवारों की खुशियां मातम में बदल गईं। कई परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, जिनके जख्म शायद जीवनभर नहीं भर पाएंगे। पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए यह भय अब एक स्थायी चिंता का रूप ले चुका है।

स्थानीय लोगों का मानना है कि सड़क निर्माण और विकास कार्यों के दौरान पहाड़ों के साथ होने वाली छेड़छाड़ भी इन घटनाओं का एक बड़ा कारण बन रही है। पहाड़ों को काटने, अवैज्ञानिक निर्माण कार्यों और लगातार बढ़ते मानवीय हस्तक्षेप से पहाड़ों का प्राकृतिक संतुलन प्रभावित हो रहा है। हिमाचल प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियां पहले से ही बेहद संवेदनशील हैं। ऐसे में प्रकृति के नियमों की अनदेखी आने वाले समय में और गंभीर संकट पैदा कर सकती है।

वास्तव में प्रकृति संरक्षण के बिना मानव जीवन की सुरक्षा संभव नहीं है। आधुनिक विकास की दौड़ में मनुष्य ने प्रकृति से मिलने वाले संसाधनों का अत्यधिक दोहन किया है। जंगलों की कटाई, पहाड़ों का अनियोजित कटाव और नदियों के प्राकृतिक स्वरूप में बदलाव ने पर्यावरणीय संतुलन को प्रभावित किया है। हिमाचल जैसे पर्वतीय राज्य में जहां हरियाली और पहाड़ इसकी पहचान हैं, वहां प्रकृति के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही भारी नुकसान का कारण बन सकती है।

प्रदेश में लगातार बढ़ती आपदाओं ने यह सोचने के लिए मजबूर कर दिया है कि क्या यह केवल प्राकृतिक परिवर्तन का परिणाम है या फिर मानव द्वारा प्रकृति के साथ की जा रही छेड़छाड़ भी इसके पीछे जिम्मेदार है। हर वर्ष मॉनसून के दौरान कई जिले भारी बारिश, भूस्खलन और बाढ़ की चपेट में आ जाते हैं। मंडी, कांगड़ा, कुल्लू, चंबा, शिमला और लाहुल-स्पीति जैसे क्षेत्रों में लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई बार सड़कें बंद हो जाती हैं, गांवों का संपर्क टूट जाता है और राहत कार्यों में भी भारी चुनौतियां सामने आती हैं।

बादल फटने और अचानक आई बाढ़ जैसी घटनाओं ने भी प्रदेश को कई बार गहरे जख्म दिए हैं। कई परिवारों ने अपने घर, जमीन और वर्षों की मेहनत से जुटाई संपत्ति को प्राकृतिक आपदाओं में खो दिया है। इन घटनाओं से यह स्पष्ट है कि अब पहाड़ों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। केवल विकास के नाम पर प्रकृति का संतुलन बिगाड़ना भविष्य के लिए घातक साबित हो सकता है।

हिमाचल प्रदेश केवल पहाड़ों की भूमि नहीं है, बल्कि यह सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यहां की परंपराएं, देवी-देवताओं में आस्था और प्रकृति के प्रति सम्मान सदियों से जीवन का हिस्सा रहे हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि आधुनिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाया जाए। विकास जरूरी है, लेकिन ऐसा विकास जो प्रकृति के अस्तित्व को नुकसान पहुंचाकर आगे बढ़े, वह लंबे समय तक समाज के लिए लाभकारी नहीं हो सकता।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'बीस साल बाद आपको उन चीजों का अधिक पछतावा होगा जो आपने नहीं कीं।'
-मार्क ट्वेन

संपादकीय

बढ़ती सुविधाएं, घटती संवेदनाएं

आधुनिक मानव इतिहास के किसी भी दौर की तुलना में आज तकनीकी रूप से सबसे अधिक जुड़ा हुआ है, जहाँ इंटरनेट, स्मार्टफोन और सोशल मीडिया ने भौगोलिक दूरियों को पूरी तरह समाप्त कर बटन दबाते ही दुनिया के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति से संवाद स्थापित करना संभव बना दिया है, लेकिन इस अभूतपूर्व और असीम तकनीकी जुड़ाव के पीछे एक कड़वी, गंभीर और दुखद सच्चाई यह छिपी है कि हमारे समकालीन समाज में अकेलापन एक खामोश महामारी का रूप धारण कर चुका है। भौतिक रूप से हम जितने करीब आए हैं, मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक रूप से उतने ही एक-दूसरे से दूर होते चले गए हैं तथा यह समस्या केवल किसी एक विशिष्ट वर्ग, आयु या भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने युवाओं, बुजुर्गों, कामकाजी पेशेवरों, महिलाओं और यहाँ तक कि मासूम बच्चों को भी अपनी चपेट में ले लिया है। इस संकट के पीछे गहराई से पड़ताल करने पर पता चलता है कि अत्यधिक व्यक्तिगत सोच और स्वार्थ की बढ़ती प्रवृत्ति ने सामाजिक ताने-बाने को सबसे अधिक नुकसान पहुँचाया है, जहाँ 'समूह' और 'समाज' के स्थान पर केवल 'व्यक्ति' और उसकी निजी महत्वाकांक्षाओं को प्राथमिकता दी जाने लगी है तथा 'पहले मैं' की भावना ने इंसानी रिश्तों की गहराई को खत्म कर दिया है।

इसके साथ ही, पारंपरिक भारतीय समाज की रीढ़ मानी जाने वाली संयुक्त परिवार व्यवस्था का तेजी से होता क्षरण भी अकेलेपन को बढ़ाने में प्रमुख कारक साबित हुआ है, क्योंकि पहले जहाँ घर में दादा-दादी, नाना-नानी और कई रिश्तेदारों की मौजूदगी से सुख-दुख साझा करने के लिए हमेशा कोई न कोई उपलब्ध रहता था, वहीं आज शहरीकरण और आजीविका की तलाश में बढ़ते एकल परिवारों के कारण बुजुर्ग अपने ही घरों में उपेक्षित और एकाकी जीवन जीने को मजबूर हैं तथा युवा अपने छोटे परिवारों के बीच रहकर भी संवादहीनता के शिकार हो रहे हैं। डिजिटल युग की क्रांति ने हमें एक ऐसी आभासी दुनिया में धकेल दिया है जहाँ इंस्टाग्राम, फेसबुक या अन्य सोशल मीडिया मंचों पर किसी व्यक्ति के हज़ारों 'फ्रेंड्स' और 'फॉलोअर्स' तो हो सकते हैं, लेकिन जब जीवन में वास्तविक संकट, दुख या उदासी का क्षण आता है, तो उनके पास अपने दिल का हाल बयां करने के लिए एक भी सच्चा और संवेदनशील दोस्त नहीं होता।

स्क्रीन के सामने बिताया जाने वाला अत्यधिक समय आमने-सामने के जीवंत मानवीय संवाद को पूरी तरह लील रहा है और लोग एक ही छत के नीचे या एक ही कमरे में साथ बैठकर भी अपने-अपने मोबाइल में व्यस्त रहते हैं, जिससे शारीरिक निकटता के बावजूद एक असीम मानसिक दूरी बनी रहती है। इसके अलावा, आधुनिक जीवनशैली में सफलता और योग्यता का पैमाना केवल धन, पद, वैभव और भौतिक सुख-सुविधाओं से तय किया जा रहा है, जिससे पैदा हुई अंधी दौड़ में दौड़ते हुए इंसान के पास न तो अपनों के लिए और न ही खुद के आत्मचिंतन के लिए कोई समय बचा है; अत्यधिक काम का दबाव, अनिश्चित भविष्य और निरंतर प्रतियोगिता का तनाव व्यक्ति को भीतर से थकाकर रिश्तों से दूर कर देता है। अकेलापन केवल एक मनोदशा नहीं है, बल्कि इसके बेहद घातक शारीरिक और सामाजिक परिणाम भी सामने आ रहे हैं, जिनमें दीर्घकालिक अकेलापन मनुष्य में अवसाद, अत्यधिक चिंता, हीनभावना, अनिद्रा, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन रहा है।

जब कोई व्यक्ति अपने भीतर जमा हो रहे नकारात्मक विचारों और तनाव को किसी के साथ साझा नहीं कर पाता, तो उसकी सहनशीलता और आत्मबल समाप्त होने लगता है, जिससे मामूली असफलताओं या भावनात्मक आघातों को सहने की क्षमता कम हो जाती है और लोग नशाखोरी या आत्महत्या जैसे भयावह रास्ते चुनने के लिए मजबूर हो जाते हैं। साथ ही, एक अकेला और समाज से कटा हुआ व्यक्ति धीरे-धीरे दूसरों के प्रति भी उदासीन हो जाता है, जिससे समाज में करुणा, दया, सहानुभूति और परोपकार की भावना घटने लगती है और पूरा ढांचा एक असंवेदनशील व्यवस्था में बदलने लगता है।

अकेलेपन के इस गहराते संकट से मुक्ति पाने के लिए हमें अपनी जीवनशैली, प्राथमिकताओं और सामाजिक सोच में अमूल्य और बुनियादी बदलाव लाने होंगे, जिसकी शुरुआत वास्तविक संवाद और आत्मीय संबंधों को पुनर्जीवित करने से होनी चाहिए, जहाँ हमें प्रतिदिन कुछ समय ऐसा तय करना होगा जो पूरी तरह तकनीक-मुक्त हो और जिसमें परिवार के सभी सदस्य साथ बैठकर भोजन करें, एक-दूसरे की बात सुनें और अपने विचार साझा करें। हमें आभासी दुनिया के दिखावे से बाहर निकलकर वास्तविक जीवन में सच्चे मित्र बनाने और उनसे नियमित रूप से मिलने की आदत डालनी होगी, तथा एकल परिवारों में भी बुजुर्गों को उपेक्षित करने के बजाय उन्हें परिवार का मार्गदर्शन और आधार स्तंभ बनाकर सम्मान देना होगा, जिससे बुजुर्गों का अकेलापन भी दूर होगा और युवाओं को जीवन का समृद्ध अनुभव प्राप्त होगा।

-शिवांश धाकड़

कविता

लड़की का दुर्भाग्य

डॉ उर्मिल कौंडल, टीजीटी, नॉन मेडिकल, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय टावा, तहसील बल्ह, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

जब घर में हुई लड़की पैदा तब मातम छा गया घर में
अगर लड़की की जगह पैदा हुआ होता लड़का तो खुशियां ही खुशियां
छा जाती घर में।
क्या लड़की का पैदा होना इतना बड़ा दुर्भाग्य है कि
मां-पिता के चेहरों पर ग़म की लकीरें छा जाए..... ?
जितना कुछ लड़की करती है माता-पिता के खातिर शायद उतना नहीं
करता लड़का आज लड़की लड़कों से हर क्षेत्र में है आगे और जिनके
लड़की नहीं वो माता-पिता हैं अभागे...।
जिस कार्य को करता है लड़का उस कार्य को लड़की नहीं कर सकती
है क्या... ?
वह कार्य चाहे डॉक्टरी का हो, इंजीनियरिंग का हो,खेल कूद
का हो या राजनीति का हो।

छात्र आंदोलन से लेकर राजनीतिक बहस तक भाषा की गरिमा बचाने की बड़ी चुनौती

केशव शर्मा
स्वतन्त्र लेखक, गांव-कोटला, घुमारवीं

गंदी, अभद्र और अश्लील गालियां सोशल मीडिया पर सुनने वाला व्यक्ति तानाशाह नहीं हो सकता है। अगर यूं कहें कि ऐसा व्यक्ति सहनशीलता का परिचायक है, जिसने इतना कुछ सहने के बावजूद भी ऐसे छात्रों के खिलाफ कुछ नहीं बोला। हम बात कर रहे हैं दिल्ली में चले ककरोच जनता पार्टी आंदोलन की। आंदोलन में कुछेक छात्रों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ गंदी गालियां, स्लोगन और अश्लील पोस्ट लिखकर उनका उपहास उड़ाया, जिसको लेकर बहस छिड़ गई है। विपक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तानाशाह और हिटलर बताता है, क्या यह स्वीकार करने योग्य बात है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छात्रों की गलतियों को नजरअंदाज करके देशहित में आंदोलित छात्रों की तमाम मांगें मानकर विपक्षी नेताओं के मुंह पर जोरदार तमाचा मारा है।

राफेल खरीद के मौके पर भी प्रधानमंत्री को पूरे देश में चोर कहकर उनके खिलाफ अभियान चलाया गया था। चौकीदार चोर कहकर भी कुछ नेताओं ने अपने मन की भड़ास निकाली। प्रधान सेवक को नेता जितने अपशब्द कहते हैं, उनकी उतनी ही लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। नीट प्रश्न पत्र लीक मामले को जंतर-मंतर पर उठाने वाले कुछेक छात्रों को लेकर अभिभावकों से मिले संस्कारों की चर्चा भी सोशल मीडिया पर जारी है।

युवा किसी भी देश की रीढ़ की हड्डी के समान होते हैं। युवा जितना सशक्त, मजबूत और गुणवान होगा, वही देश उन्नति करता है। अपनी मांगों को मनवाने के लिए आंदोलन करना छात्रों का कानूनी अधिकार है। आंदोलन की आड़ में प्रधानमंत्री की दिवंगत मां, सेना, पुलिस और सनातन धर्म के खिलाफ सार्वजनिक मंचों से गालियां निकालने से यह स्पष्ट होता है कि ऐसे छात्रों को सही मार्गदर्शन की आवश्यकता है। क्या ऐसे दिशाहीन छात्र समाज और राष्ट्र के पुनर्निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकते हैं? केंद्र सरकार ने आंदोलन की आड़ में चल रही राजनीति को भांपकर छात्रों की तमाम मांगों को मान लिया है। विपक्षी नेता इसे अपनी जीत बताकर केंद्र सरकार को बैकफुट पर लाने का दावा कर रहे हैं।

छात्रों का आंदोलन था और विपक्ष के नेता खुशियां मना रहे हैं। नेताओं को छात्र आंदोलन से दूर रहना चाहिए। केंद्र सरकार ने मांगें मानकर आंदोलन बेशक खत्म करवा दिया, जो उसकी दूरदर्शिता का प्रमाण है। आंदोलन में उपद्रव मचाने वालों की दिक्कतें बढ़ती जा रही हैं। सुरक्षा एजेंसियां जंतर-मंतर पर हुए उपद्रव की गहनता से जांच में जुट गई हैं। आंदोलन में छात्रों को भोजन परोसने वालों और अशांति फैलाने वालों के खिलाफ पुलिस सख्ती से पूछताछ कर रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तेरहवीं मनाकर समोसे बांटने वाली लड़की ने सोशल मीडिया पर अपनी आपबीती सुनाकर अपना दर्द बयान किया है। एक अन्य छात्र आंदोलनकारी ने भाजपा और सेना के खिलाफ बोलने पर क्षमा मांगी है। एक युवती भी पुलिस कर्मचारी को थप्पड़ मारने पर पछतावा कर रही है। कुल मिलाकर सुरक्षा एजेंसियां आंदोलन का हिस्सा बने तमाम लोगों की पड़ताल में जुटी हैं। एजेंसियों की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ेगी, विपक्ष के नेताओं की दिक्कतें भी बढ़ सकती हैं। आंदोलन की आड़ में केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले नेताओं के नाम डरे हुए छात्र भी सार्वजनिक कर सकते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पालोस बंदरगाह से शुरू हुई कोलंबस की महान यात्रा जिसने नई दुनिया की खोज का मार्ग किया प्रशस्त

आचार्य दीप चंद भारद्वाज
स्वतंत्र लेखक

3 अगस्त 1492 का दिन विश्व इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना के रूप में दर्ज है। इसी दिन प्रसिद्ध खोजकर्ता **क्रिस्टोफर कोलंबस** ने स्पेन के पालोस बंदरगाह से अपनी ऐतिहासिक समुद्री यात्रा की शुरुआत की थी। यह यात्रा केवल एक नए मार्ग की खोज का प्रयास नहीं थी, बल्कि आगे चलकर इसने दुनिया के भौगोलिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक इतिहास को पूरी तरह बदल दिया। कोलंबस का उद्देश्य पश्चिम दिशा से समुद्री मार्ग खोजकर एशिया पहुंचना था, लेकिन उनकी यह यात्रा उन्हें एक ऐसे महाद्वीप तक ले गई जिसे यूरोप के लोग उस समय नहीं जानते थे।

15वीं शताब्दी के अंत में यूरोपीय देशों में नए व्यापारिक मार्गों की खोज को लेकर प्रतिस्पर्धा बढ़ रही थी। उस समय एशिया के देश भारत, चीन और जापान अपने मसालों, रेशम और अन्य मूल्यवान वस्तुओं के लिए प्रसिद्ध थे। यूरोप के व्यापारी इन वस्तुओं को प्राप्त करने के लिए पुराने व्यापारिक मार्गों पर निर्भर थे, लेकिन इन मार्गों पर कई राजनीतिक और भौगोलिक कठिनाइयां थीं। इसलिए यूरोपीय समुद्री यात्री नए रास्तों की खोज में निकलने लगे थे।

क्रिस्टोफर कोलंबस का जन्म 1451 के आसपास इटली के जेनोआ शहर में हुआ माना जाता है। बचपन से ही उन्हें समुद्र और यात्राओं में रुचि थी। वह एक कुशल नाविक और मानचित्र विशेषज्ञ थे। उनका विश्वास था कि पृथ्वी गोल है और यदि पश्चिम दिशा में समुद्र के रास्ते यात्रा की जाए तो एशिया तक पहुंचा जा सकता है। हालांकि उस समय कई विद्वान उनकी सोच से सहमत नहीं थे।

कोलंबस ने अपनी योजना को पूरा करने के लिए कई वर्षों तक प्रयास किया। शुरुआत में उन्हें पुर्तगाल से सहायता नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने स्पेन के शासकों महारानी इसाबेला प्रथम और राजा फर्डिनेंड द्वितीय से संपर्क किया। लंबे विचार-विमर्श के बाद स्पेन के राजघराने ने उनकी यात्रा को आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया। स्पेन का उद्देश्य नए व्यापारिक क्षेत्रों की खोज और अपनी शक्ति का विस्तार करना था।

3 अगस्त 1492 को कोलंबस तीन जहाजों के साथ समुद्र यात्रा पर रवाना हुए। उनके जहाजों के नाम **सांता मारिया, नीना और पिंटा** थे। इन जहाजों में लगभग 90 नाविक सवार थे। यह यात्रा बेहद कठिन थी क्योंकि उस समय समुद्री यात्राओं के लिए आधुनिक तकनीक और सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। नाविकों को मौसम, समुद्री तूफानों और अनजान रास्तों जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

कई सप्ताह तक समुद्र में यात्रा करने के बाद 12 अक्टूबर 1492 को कोलंबस और उनके दल ने एक भूमि देखी। यह स्थान वर्तमान बहामास क्षेत्र में था। कोलंबस को लगा कि वह एशिया के किसी द्वीप पर पहुंच गए हैं, लेकिन वास्तव में वह अमेरिका महाद्वीप के क्षेत्र में पहुंचे थे। इस घटना ने विश्व इतिहास में एक नए युग की शुरुआत की।

कोलंबस की खोज के बाद यूरोपीय देशों का ध्यान अमेरिका की ओर बढ़ा। इसके बाद स्पेन, पुर्तगाल, इंग्लैंड और फ्रांस जैसे देशों ने नए क्षेत्रों की खोज और वहां अपने उपनिवेश स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की। इससे विश्व के राजनीतिक नक्शे में बड़े बदलाव आए। हालांकि इस प्रक्रिया के कई सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव भी हुए। कोलंबस की यात्राओं के बाद यूरोप और अमेरिका के बीच व्यापार, संस्कृति और विचारों का आदान-प्रदान बढ़ा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

किसानों की मेहनत से खेतों से घरों तक पहुंचने वाले तरबूज की यात्रा और स्वास्थ्य में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका

चंद ठाकुर
कवि लेखक एवं साहित्यकार

हर वर्ष 3 अगस्त को राष्ट्रीय तरबूज दिवस मनाया जाता है। यह दिन तरबूज जैसे स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक फल के महत्व को समझाने तथा लोगों को इसके पोषण गुणों के प्रति जागरूक करने का अवसर प्रदान करता है। तरबूज केवल गर्मियों में मिलने वाला एक स्वादिष्ट फल ही नहीं है, बल्कि यह शरीर को ऊर्जा देने और कई स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने वाला प्राकृतिक उपहार भी है। अपने रसदार स्वाद और ठंडक देने वाले गुणों के कारण तरबूज दुनिया भर में लोकप्रिय फलों में शामिल है।

तरबूज का वैज्ञानिक नाम सिट्रुलस लैनाटस है। यह फल कुकुर्बिटेसी परिवार से संबंधित है। माना जाता है कि तरबूज की उत्पत्ति अफ्रीका में हुई थी, जहां हजारों वर्षों पहले इसकी खेती शुरू हुई। धीरे-धीरे यह फल दुनिया के विभिन्न हिस्सों में पहुंचा और आज भारत सहित कई देशों में बड़े पैमाने पर उगाया जाता है। भारत में गर्मियों के मौसम में तरबूज की मांग काफी बढ़ जाती है, क्योंकि यह शरीर में पानी की कमी को पूरा करने में सहायक होता है।

तरबूज में लगभग 90 प्रतिशत से अधिक मात्रा में पानी पाया जाता है। यही कारण है कि यह गर्मी के दिनों में शरीर को ठंडक पहुंचाने और निर्जलीकरण से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। तेज धूप और गर्म हवाओं के बीच तरबूज का सेवन शरीर को तरोताजा बनाए रखता है। इसमें प्राकृतिक मिठास होती है, जिससे यह बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को पसंद आता है।

स्वास्थ्य की दृष्टि से तरबूज बेहद लाभकारी फल है। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, पोटैशियम और कई प्रकार के पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें मौजूद लाइकोपीन नामक तत्व शरीर के लिए एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट का काम करता है। यह शरीर की कोशिकाओं को नुकसान से बचाने में मदद करता है और स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में सहायक माना जाता है।

तरबूज हृदय स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी माना जाता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व रक्तचाप को नियंत्रित रखने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा यह शरीर में पानी और खनिजों का संतुलन बनाए रखने में सहायक होता है। गर्मियों में पसीने के कारण शरीर से पानी और लवण की कमी हो जाती है, ऐसे में तरबूज का सेवन लाभदायक साबित हो सकता है।

वजन नियंत्रित करने वाले लोगों के लिए भी तरबूज एक अच्छा विकल्प है। इसमें कैलोरी की मात्रा कम होती है और पानी की मात्रा अधिक होती है। इसके सेवन से पेट भरा हुआ महसूस होता है, जिससे अधिक भोजन करने की इच्छा कम हो सकती है। हालांकि किसी भी खाद्य पदार्थ का सेवन संतुलित मात्रा में करना जरूरी होता है।

राष्ट्रीय तरबूज दिवस मनाने का उद्देश्य केवल इस फल का आनंद लेना नहीं है, बल्कि किसानों के योगदान को भी सम्मान देना है। तरबूज की खेती करने वाले किसान कड़ी मेहनत से इस फल को तैयार करते हैं। खेतों में बीज बोने से लेकर फसल तैयार होने तक किसान कई चुनौतियों का सामना करते हैं। इस दिवस के माध्यम से कृषि क्षेत्र और किसानों के महत्व को भी समझने का अवसर मिलता है।

भारत में तरबूज की खेती कई राज्यों में की जाती है। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, पंजाब और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में इसकी पैदावार होती है। नदियों के किनारे की रेतीली मिट्टी तरबूज की खेती के लिए उपयुक्त मानी जाती है। किसान आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके इसकी गुणवत्ता और उत्पादन बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

मनोरंजन जगत का लोकप्रिय चेहरा

सुनील ग्रोवर
जन्म : 3 अगस्त 1977

भारतीय मनोरंजन जगत में अपनी अलग पहचान बनाने वाले अभिनेता और हास्य कलाकार **सुनील ग्रोवर** का जन्म **3 अगस्त** 1977 को हरियाणा के सिरसा में हुआ था। अपनी बेहतरीन कॉमेडी टाइमिंग, शानदार अभिनय क्षमता और अलग-अलग किरदारों को जीवंत करने की कला के कारण उन्होंने देशभर में लोकप्रियता हासिल की है। सुनील ग्रोवर आज किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने कॉमेडी के साथ-साथ गंभीर भूमिकाओं में भी अपनी प्रतिभा साबित की है।

सुनील ग्रोवर को बचपन से ही अभिनय और कला के क्षेत्र में रुचि थी। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा के बाद थिएटर की दुनिया में कदम रखा और अभिनय की बारीकियां सीखीं। उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से थिएटर में स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त की। रंगमंच से शुरुआत करने के बाद उन्होंने रेडियो, टेलीविजन और फिल्मों में अपनी पहचान बनाई।

सुनील ग्रोवर को सबसे अधिक लोकप्रियता टेलीविजन कॉमेडी कार्यक्रमों से मिली। उनके द्वारा निभाए गए किरदारों ने दर्शकों के बीच खास जगह बनाई। विशेष रूप से गुत्थी और डॉ. मशहूर गुलाटी जैसे किरदारों ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। इन किरदारों में उनकी अभिनय शैली, संवाद अदायगी और चेहरे के भावों ने दर्शकों को खूब हंसाया।

हालांकि सुनील ग्रोवर केवल हास्य कलाकार ही नहीं हैं, बल्कि वह एक प्रतिभाशाली अभिनेता भी हैं। उन्होंने फिल्मों में भी अपनी अभिनय क्षमता का प्रदर्शन किया है। कई फिल्मों में उन्होंने सहायक भूमिकाएं निभाईं और अपने अभिनय से दर्शकों तथा समीक्षकों का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने यह साबित किया कि एक कलाकार केवल एक शैली तक सीमित नहीं होता।

सुनील ग्रोवर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह हर किरदार में पूरी तरह ढल जाते हैं। चाहे वह कॉमेडी हो या भावनात्मक भूमिका, वह अपने अभिनय से किरदार को प्रभावशाली बना देते हैं। उनकी मेहनत और लगन ने उन्हें मनोरंजन जगत में एक मजबूत स्थान दिलाया है। अपने लंबे करियर में सुनील ग्रोवर ने कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन उन्होंने लगातार अपनी कला को निखारा।

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

बहराइच : नीलगाय से टकराई भिनगा विधायक इंद्राणी वर्मा की कार, बाल-बाल बचीं

एजेंसी, बहराइच। श्रावस्ती की भिनगा विधायक इंद्राणी वर्मा रविवार सुबह लखनऊ जाते समय सड़क हादसे में बाल-बाल बच गईं। कैसरगंज स्थित एपेक्स इंटरनेशनल स्कूल के पास उनकी कार अचानक सड़क पर आए नीलगाय से टकरा गई। टक्कर में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, लेकिन विधायक सहित वाहन में सवार सभी लोग सुरक्षित रहे। चालक ने वाहन को बचाने का प्रयास किया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। सूचना मिलते ही स्कूल प्रबंधक मशकूर हबीब मौके पर पहुंचे और दूसरी कार की व्यवस्था कर विधायक को लखनऊ रवाना किया। हादसे में नीलगाय गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसका वन विभाग ने उपचार शुरू कराया। स्थानीय लोगों ने इस मार्ग पर वन्यजीवों की आवाजाही रोकने के लिए सुरक्षा उपाय और चेतावनी संकेतक लगाने की मांग की।

बिजली संकट पर ग्रामीणों का प्रदर्शन, सपा नेता विजय रावत ने दी धरने की चेतावनी

एजेंसी, देवरिया। देवरिया जिले के बरहज विधानसभा क्षेत्र के भलुअनी ब्लॉक स्थित पोखरभीड़ा गांव के चौहान टोले में बिजली समस्या को लेकर ग्रामीणों ने रविवार को प्रदर्शन किया। समाजवादी पार्टी नेता विजय रावत के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में ग्रामीणों ने 'बिजली नहीं तो वोट नहीं' के नारे लगाए। ग्रामीणों का आरोप है कि लंबे समय से बिजली आपूर्ति बाधित है और कई वर्षों से उन्हें नियमित बिजली नहीं मिल रही है। विजय रावत ने कहा कि क्षेत्र के लोग लगातार समस्या झेल रहे हैं, लेकिन बिजली विभाग और प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा है। उन्होंने प्रदेश सरकार पर बिजली व्यवस्था में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अधिकारियों से तत्काल समाधान की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि 24 घंटे के भीतर बिजली व्यवस्था बहाल नहीं हुई तो ग्रामीणों के साथ धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन में अमरनाथ यादव, विजय प्रताप चौहान समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

पीएसी बैरक में सिपाही का शव फंदे से लटका मिला

एजेंसी, बाराबंकी । बाराबंकी जिले की 10वीं वाहिनी पीएसी परिसर स्थित बैरक में रविवार तड़के 2021 बैच के सिपाही का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान मेरठ निवासी सिपाही दीपक सिंह (30) के रूप में हुई है। सुबह काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर साथी जवानों ने जानकारी दी, जिसके बाद अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि कारणों का पता नहीं चल सका है। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है।

औरैया पुलिस लाइन में स्वास्थ्य शिविर, 110 लोगों को मिली चिकित्सा सुविधा

एजेंसी, औरैया। औरैया के रिजर्व पुलिस लाइन में वामा सारथी उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में वामा वेलनेस मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में पुलिसकर्मियों और उनके परिजनों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ होम्योपैथिक एवं एलोपैथिक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। होम्योपैथिक चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर निशुल्क परामर्श दिया और आवश्यक दवाइयां वितरित कीं। वहीं जिला अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने हड्डी रोग, नेत्र रोग, सामान्य चिकित्सा और महिला रोग से संबंधित मरीजों का परीक्षण कर उपचार एवं दवाइयां उपलब्ध कराईं। शिविर में कुल 110 पुलिसकर्मियों और उनके परिजनों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। पुलिस परिवार के सदस्यों ने इस पहल को उपयोगी बताते हुए ऐसे शिविरों के नियमित आयोजन की आवश्यकता जताई।

कांवड़ यात्रा सुरक्षा को लेकर यूपी में हाई अलर्ट, संवेदनशील क्षेत्रों में बढ़ी निगरानी

विधान भवन, रेलवे स्टेशन और बस अड्डों पर कड़ी सुरक्षा, एटीएस और एसटीएफ भी अलर्ट मोड पर

एजेंसी, लखनऊ

कांवड़ यात्रा और संभावित आतंकी गतिविधियों को देखते हुए उत्तर प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था को हाई अलर्ट मोड पर कर दिया गया है। मुख्यमंत्री आवास, विधानसभा, रेलवे स्टेशन, बस अड्डों समेत प्रमुख सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रशासन ने कांवड़ यात्रा मार्गों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं, ताकि श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित और सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देर रात पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान पूरी सतर्कता बरती जाए और संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है और किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने प्रदेश के सभी जिलों के पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा इंतजाम मजबूत करने के निर्देश दिए हैं।

लखनऊ स्थित विधान भवन, पुलिस मुख्यालय, रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती बढ़ाने के साथ ही संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने को कहा गया है। कांवड़ यात्रा मार्गों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की जा रही है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी लगातार हालात पर नजर बनाए हुए हैं।

श्रद्धालुओं की भीड़ वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। यात्रा मार्गों पर यातायात व्यवस्था, आपात सेवाओं और सुरक्षा इंतजामों को लेकर भी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रदेश की सुरक्षा एजेंसियों को भी सक्रिय कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश एटीएस, एसटीएफ और अन्य खुफिया एजेंसियों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि अफवाह फैलाने या माहौल खराब करने वाली गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखें और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहें। संवेदनशील क्षेत्रों में गश्त बढ़ाने और स्थानीय स्तर पर सूचनाओं का आदान-प्रदान तेज करने के निर्देश भी दिए गए हैं। प्रशासन का कहना है कि कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस, प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां आपसी तालमेल के साथ काम कर रही हैं। साथ ही कांवड़ यात्रा मार्गों पर लगातार गश्त बढ़ाई गई है और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं।

बागवानी के क्षेत्र में लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा उत्तर प्रदेश: दिनेश प्रताप सिंह

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश ने बागवानी क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए मशरूम उत्पादन में देश में पहला स्थान प्राप्त किया है। वर्ष 2024-25 में प्रदेश ने 51 हजार मीट्रिक टन मशरूम का उत्पादन किया, जो देश के कुल 4.27 लाख मीट्रिक टन उत्पादन का करीब 13 प्रतिशत है। यह उपलब्धि किसानों की मेहनत, आधुनिक तकनीक और सरकार की किसान हितैषी योजनाओं का परिणाम मानी जा रही है।

51 हजार मीट्रिक टन उत्पादन के साथ यूपी ने रचा नया कीर्तिमान

प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए वैल्यू एडेड फसलों को लगातार बढ़ावा दे रही है। मशरूम उत्पादन कम भूमि, कम लागत और कम समय में तैयार होने वाली लाभकारी खेती साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि उद्यान विभाग की ओर से एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत मशरूम उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 40 से 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। वर्ष 2025-26 में मशरूम उत्पादन, कंपोस्ट मेकिंग और स्पान मेकिंग की करीब 30 इकाइयों को अनुदान पर स्वीकृति दी गई है। वहीं 200 वर्ग फुट की छप्पर आधारित इकाइयों के लिए 50 प्रतिशत तक अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि मशरूम की खेती ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ महिलाओं के लिए भी रोजगार और स्वरोजगार का बेहतर माध्यम बन रही है।

प्रदेश के कई जिलों में किसान इसे अपनाकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रहे हैं। किसानों का रुझान बढ़ने से प्रदेश में मशरूम उत्पादन की नई संभावनाएं विकसित हो रही हैं। सरकार का लक्ष्य उत्पादन बढ़ाने के साथ किसानों को प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता और बेहतर विपणन सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि मशरूम खेती को ग्रामीण क्षेत्रों में आय का स्थायी स्रोत बनाया जा सके।

जनहित से जुड़े हर मुद्दे को सदन में रखें जनप्रतिनिधि : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी, लखनऊ

योगी ने सर्वदलीय बैठक में मानसून सत्र सुचारु चलाने के लिए सभी दलों से सहयोग मांगा।

उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को विधान भवन में आयोजित सर्वदलीय बैठक को संबोधित किया। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी दलों के जनप्रतिनिधियों से सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने में सहयोग की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता से जुड़े हर महत्वपूर्ण मुद्दे को सदन में उठाया जाना चाहिए और उन पर सकारात्मक व स्वस्थ चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी चर्चाओं से प्रदेश के विकास को गति मिलती है और आमजन की समस्याओं के समाधान में मदद मिलती है।

उन्होंने विपक्षी दलों से भी सदन की गरिमा बनाए रखते हुए सहयोग करने का आग्रह किया। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सभी सदस्यों से सदन के सुचारु संचालन के लिए सहयोग मांगा।

पुराने कूएं में गिरने से किशोरी की मौत, बचाने कूदी मां गंभीर

एजेंसी, मीरजापुर। मीरजापुर जिले के विंध्याचल थाना क्षेत्र के धौरहरा गांव के बैशपुर मजरे में रविवार को दर्दनाक हादसा हो गया। पुराने कुएं में गिरने से 12 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई, जबकि उसे बचाने के प्रयास में कुएं में कूदी उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गई। धौरहरा गांव निवासी बसंत लाल गुप्ता की पुत्री सुचिता अपनी मां शकुंतला देवी के साथ खेत में निराई-गुड़ाई करने गई थी। करीब 11 बजे प्यास लगने पर सुचिता खेत के पास स्थित पुराने कुएं से पानी निकालने पहुंची। रस्सी और बाल्टी से पानी भरते समय अचानक उसका पैर फिसल गया और वह कुएं में जा गिरी। बेटी की चीख सुनकर मां शकुंतला देवी ने उसे बचाने के लिए तुरंत कुएं में छलांग लगा दी। आसपास मौजूद चरवाहों ने घटना की जानकारी ग्रामीणों को दी। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को कुएं से बाहर निकाला और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सरोंई पहुंचाया।

नशामुक्त भारत के संकल्प के साथ भाषा विवि में शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थियों ने ली शपथ

एजेंसी, लखनऊ

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रव्यापी 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान' के शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का अटल सभागार में सजीव प्रसारण किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया तथा नशामुक्त भारत के निर्माण का सामूहिक संकल्प लेते हुए नशामुक्ति की शपथ ग्रहण की।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. अजय तनेजा और कुलसचिव विकास कुमार मौजूद रहे। विश्वविद्यालय परिसर में रहने वाले शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी सभागार में उपस्थित रहे, जबकि अन्य प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े। सजीव प्रसारण के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं से नशे से दूर रहने, परिवार और समाज को इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने तथा जनभागीदारी के माध्यम से नशामुक्त भारत अभियान को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री के संदेश के बाद उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने स्वयं नशा न करने, दूसरों को भी जागरूक करने और स्वस्थ, जिम्मेदार समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ ली।

बांदा में शादी में अड़चन बनने पर प्रेमी युगल ने खाया जहर, दोनों की मौत

एजेंसी, बांदा

उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में एक प्रेमी युगल ने कथित तौर पर शादी में परिजनों की असहमति और सामाजिक बंदिशों से परेशान होकर आत्मघाती कदम उठा लिया। कमासिन थाना क्षेत्र के लखनपुर गांव में शनिवार देर रात प्रेमी युगल संदिग्ध परिस्थितियों में मंदिर के पास अचेत अवस्था में मिला। दोनों ने कथित रूप से जहरीला पदार्थ खा लिया था, जिसके बाद उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, लखनपुर निवासी 25 वर्षीय शत्रुघ्न कुमार वर्मा पुत्र रामचंद्र वर्मा और चित्रकूट जिले के पहाड़ी गांव निवासी 20 वर्षीय राजमनी पुत्री दीनदयाल के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध थे। दोनों एक-दूसरे से शादी करना चाहते थे, लेकिन परिजनों की सहमति नहीं मिल पाने के कारण वे मानसिक तनाव में थे। शनिवार रात करीब नौ बजे दोनों सिंहवाहिनी मंदिर के पास बेहोशी की हालत में मिले। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कमासिन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कमासिन ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

थाना प्रभारी संतोष कुमार ओझा ने बताया कि पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर ली है। प्रारंभिक जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही होगी। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद लखनपुर गांव और मृतका के मायके में शोक का माहौल है।

सामाजिक शुचिता के लिए नशे पर नियंत्रण जरूरी : प्रो. पी.के. साहू

एजेंसी, प्रयागराज

नशा मुक्ति अभियान में अग्रणी भूमिका निभाएगा राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा संकल्प अभियान' के तहत संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक शुचिता और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए नशे पर प्रभावी नियंत्रण को जरूरी बताया गया। मुख्य वक्ता एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. पी.के. साहू ने कहा कि नशायुक्त पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करना समय की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि कई क्षेत्रों में नशा परंपरा का हिस्सा बन चुका है, जिससे युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने सिंथेटिक ड्रग्स के बढ़ते कारोबार को गंभीर चुनौती बताते हुए इसके समाधान के लिए दीर्घकालिक योजना बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय नशा मुक्ति अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएगा। उन्होंने शिक्षकों और शोधार्थियों को नशे से जुड़े विषयों पर सर्वेक्षण कर वास्तविक आंकड़े जुटाने के निर्देश दिए, ताकि नीति निर्माण में सहायता मिल सके।

कुलपति ने कहा कि नशा मुक्ति अभियान में परिवार और माताओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। अभिभावकों को बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखते हुए उन्हें सही मार्गदर्शन देना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने नशा मुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लिया।

हत्या कर फेंके गए युवक की ई रिक्शा चालक के रूप में हुई पहचान

एजेंसी, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में मऊआइमा थाना क्षेत्र के तुलसीपुर नौंवगीरा गांव के समीप मिले युवक के शव की पहचान रविवार को हो गई। मृतक की पहचान थरवई थाना क्षेत्र के कांदी गांव निवासी 22 वर्षीय सौरभ कुमार भारतीय पुत्र राम सजीवन भारतीय के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, सौरभ ई-रिक्शा चलाकर अपना और परिवार का खर्च चलाता था। पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह ने बताया कि सौरभ की तलाश करते हुए परिजन थाने पहुंचे, जिसके बाद शव की पहचान हो सकी। परिवार वालों के मुताबिक, सौरभ 31 जुलाई को घर से निकला था। इसके बाद से उसका कोई पता नहीं चल पाया था। परिजनों ने बताया कि घर से निकलने के समय उसके मोबाइल पर किसी का फोन आया था और वह फोन पर बातचीत करते हुए घर से बाहर गया था।

पुलिस ने बताया कि युवक की हत्या कर शव को फेंके जाने की आशंका है। मामले की जांच के लिए पुलिस ने मृतक का मोबाइल नंबर लेकर सर्विलांस की मदद से जांच शुरू कर दी है। पुलिस कॉल डिटेल और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर घटना से जुड़े लोगों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। डीसीपी ने बताया कि अभी तक मृतक के परिवार की ओर से कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है। तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा। पुलिस ने बताया कि तकनीकी साक्ष्यों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर हत्या के कारणों का पता लगाया जाएगा।

मायावती ने अशोक सिद्धार्थ और रणधीर बेनीवाल को पार्टी से निकाला

एजेंसी, लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने संगठन में अनुशासन बनाए रखने के लिए बड़ा कदम उठाते हुए पूर्व राज्यसभा सदस्य अशोक सिद्धार्थ और पार्टी को-ऑर्डिनेटर रणधीर सिंह बेनीवाल को तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया है। बसपा अध्यक्ष मायावती ने दोनों नेताओं पर पार्टी के दिशा-निर्देशों की अनदेखी और अनुशासनहीनता के आरोप लगाए हैं।

मायावती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी बयान में कहा कि अशोक सिद्धार्थ को पहले भी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान टिकट वितरण से जुड़े मामलों में प्रदेश नेतृत्व के साथ तालमेल नहीं बैठाने और अनुशासनहीनता के कारण पार्टी से हटाया गया था। बाद में भविष्य में गलती नहीं दोहराने की शर्त पर उन्हें दोबारा जिम्मेदारी दी गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि दोबारा जिम्मेदारी मिलने के बाद भी अशोक सिद्धार्थ के खिलाफ कर्नाटक, ओडिशा और पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों से शिकायतें मिलती रहीं। चेतावनियों के बावजूद सुधार नहीं होने पर पार्टी हित में उन्हें स्थायी रूप से निष्कासित करने का निर्णय लिया गया। वहीं, सहारनपुर निवासी रणधीर सिंह बेनीवाल को भी अनुशासनहीनता और पार्टी निर्देशों के उल्लंघन के आरोप में बाहर किया गया है। उनके पास पंजाब, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के कुछ क्षेत्रों की संगठनात्मक जिम्मेदारी थी।

मायावती ने संगठन में बदलाव करते हुए राज्यसभा सांसद रामजी गौतम को दोबारा पंजाब का प्रभारी नियुक्त किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी अन्य राज्यों में जिम्मेदारी संभाल रहे उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ पदाधिकारियों को प्रदेश संगठन में दायित्व नहीं देगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पार्टी विरोधी गतिविधियों से सतर्क रहने की अपील की।

शिवभक्ति भोर की मंगल आरती के बाद सुकर्मा एवं सर्वार्थ सिद्धि योग में होगा बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक

सावन के पहले सोमवार से पहले काशी शिवमय, हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजे घाट

एजेंसी, वाराणसी

सावन माह के पहले सोमवार की पूर्व संध्या पर धार्मिक नगरी काशी पूरी तरह शिवभक्ति में डूब गई। बाबा विश्वनाथ के जलाभिषेक के लिए देशभर से पहुंच रहे शिवभक्तों और कांवड़ियों के कारण वाराणसी का माहौल केसरियामय नजर आया। रविवार सुबह से ही कांवड़ियों के जत्थे गंगाघाटों, प्रमुख मार्गों और श्री काशी विश्वनाथ धाम की ओर बढ़ते दिखाई दिए। देर रात तक श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। चारों ओर 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया।

लंबी दूरी की पैदल यात्रा कर पहुंचे शिवभक्तों के उत्साह के आगे थकान भी फीकी पड़ गई। कई कांवड़ियों के पैरों में छाले और दर्द होने के बावजूद उनकी आस्था और बाबा के प्रति समर्पण कम नहीं हुआ। कुछ देर विश्राम करने के बाद श्रद्धालु दोबारा बाबा विश्वनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए आगे बढ़ते रहे। कांवड़ियों की सुविधा के लिए विभिन्न सामाजिक संगठनों और शिवभक्तों की ओर से कई स्थानों पर जलपान, चिकित्सा सहायता और विश्राम की व्यवस्था की गई है।

गंगाघाटों पर भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। दशाश्वमेध घाट, प्राचीन शीतला घाट और राजेंद्र प्रसाद घाट समेत अन्य घाटों पर श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया और पवित्र जल लेकर बाबा विश्वनाथ के अभिषेक के लिए मंदिर की ओर प्रस्थान किया। गंगा का जलस्तर बढ़ने के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी नहीं दिखी।

सावन के पहले सोमवार को भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए वाराणसी के अलावा आसपास के जिलों, बिहार और मध्यप्रदेश समेत कई राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु काशी पहुंच रहे हैं। प्रयागराज संगम से गंगाजल लेकर लगभग 125 किलोमीटर की पदयात्रा करने वाले हजारों कांवड़िए भी सोमवार तक वाराणसी पहुंचेंगे। इनमें बड़ी संख्या में डाक बम शामिल हैं, जो तेज गति से यात्रा पूरी कर बाबा के दरबार में जल चढ़ाते हैं।

इस वर्ष सावन के पहले सोमवार को सुकर्मा योग और सर्वार्थ सिद्धि योग का विशेष संयोग बन रहा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस शुभ योग में भगवान शिव का जलाभिषेक अत्यंत फलदायी माना जाता है। इसी कारण स्थानीय श्रद्धालुओं में भी विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के अलावा काशी के प्रमुख शिवालयों में भी विशेष तैयारियां की गई हैं। तिलभांडेश्वर महादेव, गौरी केदारेश्वर महादेव, महामृत्युंजय महादेव, बैजनाथ महादेव, जागेश्वर महादेव, सारनाथ स्थित सारंगदेव महादेव और शूलटंकेश्वर महादेव सहित अन्य मंदिरों में सोमवार भोर की मंगल आरती के बाद जलाभिषेक और पूजा-अर्चना शुरू होगी।

अब एसजीपीजीआई में हो सकेगा चेहरे की जटिल चोट व विकृतियों का अत्याधुनिक उपचार

एजेंसी, लखनऊ

ओ-आर्म तकनीक से पहली सफल ऑर्बिटल रिकंस्ट्रक्शन सर्जरी, मरीजों को मिलेगी राहत

जटिल चेहरे की चोटों के इलाज में एसजीपीजीआई की बड़ी सफलता

उत्तर प्रदेश के मरीजों के लिए चेहरे की गंभीर चोटों और पोस्ट-ट्रॉमेटिक विकृतियों के उपचार के क्षेत्र में बड़ी राहत की खबर है। अब ऐसे मरीजों को इलाज के लिए प्रदेश से बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। लखनऊ स्थित संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) के एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग ने अत्याधुनिक तकनीक की मदद से प्रदेश की पहली सफल जटिल सर्जरी को अंजाम दिया है।

एसजीपीजीआई ने क्रैनियो-मैक्सिलोफेशियल सर्जरी के क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करते हुए पेशेंट स्पेसिफिक इम्प्लांट, ओ-आर्म इमेजिंग और इंट्राऑपरेटिव नेविगेशन तकनीक के संयुक्त उपयोग से सेकेंडरी ऑर्बिटल वॉल रिकंस्ट्रक्शन सर्जरी सफलतापूर्वक की है। यह सर्जरी एक ऐसे मरीज पर की गई, जिसे पहले हुई गंभीर चेहरे की चोट के कारण नेत्रगुहा की हड्डी में जटिल विकृति हो गई थी।

इसके कारण मरीज को लगातार दोहरा दिखाई देने की समस्या हो रही थी। सर्जरी के दौरान इंट्राऑपरेटिव नेविगेशन तकनीक ने चिकित्सकों को बेहद सटीकता के साथ उपचार करने में मदद की। ऑपरेशन पूरा होने से पहले ओ-आर्म इमेजिंग के माध्यम से इम्प्लांट की स्थिति और ऑर्बिटल रिकंस्ट्रक्शन की गुणवत्ता का तत्काल मूल्यांकन किया गया। इससे इम्प्लांट की सही स्थिति सुनिश्चित हुई और भविष्य में दोबारा सुधारात्मक सर्जरी की संभावना भी कम हुई। एसजीपीजीआई के विशेषज्ञों के अनुसार, यह उत्तर प्रदेश का पहला ऐसा मामला है, जिसमें इन सभी आधुनिक तकनीकों का एक साथ प्रयोग कर सफल पुनर्निर्माण किया गया है।

इस उपलब्धि से प्रदेश में जटिल चेहरे की चोटों के इलाज की नई संभावनाएं खुली हैं। डॉ. कुलदीप विश्वकर्मा ने बताया कि अब गंभीर चोटों के बाद चेहरे की विकृति, दोहरा दिखाई देने या अन्य जटिलताओं से परेशान मरीजों को एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में उन्नत उपचार उपलब्ध कराया जा सकेगा। एसजीपीजीआई निदेशक पद्मश्री प्रो. आर. के. धीमान ने इस उपलब्धि को संस्थान की नवाचार, सटीक चिकित्सा और बेहतर रोगी देखभाल के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया।

यमुनानगर में एंटी नारकोटिक्स सेल की कार्रवाई 105 ग्राम हेरोइन सहित तीन तस्कर गिरफ्तार

पांच लाख की हेरोइन बरामद कर पुलिस ने तस्करी की कोशिश की नाकाम

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

यमुनानगर पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम ने जिले में अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई कर कुल 105 ग्राम हेरोइन (स्मैक) बरामद की है। बरामद नशीले पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब पांच लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें अदालत में पेश किया, जहां से पुलिस को पूछताछ के लिए रिमांड मिला है।

एंटी नारकोटिक्स सेल के प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि पुलिस को नशा तस्करी से जुड़ी गुप्त सूचनाएं मिल रही थीं। इसी आधार पर टीम ने विशेष निगरानी अभियान चलाया और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी। पहली कार्रवाई पंचकूला-सहारनपुर हाईवे स्थित मंडोली मोड़ के पास की गई।

उत्तर प्रदेश से लाई जा रही हेरोइन की खेप पुलिस ने पकड़ी।

पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर एक संदिग्ध युवक को रोककर पूछताछ की। इसके बाद ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 45 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान यमुनानगर निवासी रजत कुमार के रूप में हुई है। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अब आरोपी से यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वह नशे की खेप कहां से लेकर आया था और इसे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। वहीं, दूसरी कार्रवाई कलानौर बॉर्डर क्षेत्र में की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि दो युवक मोटरसाइकिल के माध्यम से उत्तर प्रदेश से नशीला पदार्थ लेकर यमुनानगर जिले में प्रवेश करने वाले हैं। सूचना के बाद पुलिस टीम ने नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू कर दी।

इसी दौरान एक संदिग्ध मोटरसाइकिल को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन बाइक सवार दोनों युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए पीछा कर दोनों युवकों को पकड़ लिया। ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में तलाशी लेने पर दोनों के कब्जे से 30-30 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बुढ़िया दयालगढ़ निवासी श्रवण कुमार और रूखसार के रूप में हुई है।

हरियाणा पुलिस ने स्निफर डॉग्स की मदद से छह माह में 48 मामले सुलझाए

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पुलिस के प्रशिक्षित स्निफर डॉग्स प्रभावी हथियार साबित हो रहे हैं। वर्ष 2026 की पहली छमाही (1 जनवरी से 30 जून) के दौरान हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एचएसएनसीबी) और जिला पुलिस की संयुक्त टीमों ने स्निफर डॉग्स की मदद से 48 एनडीपीएस मामलों का खुलासा किया। इन अभियानों में चिट्टा (हेरोइन), स्मैक, गांजा, चरस, अफीम, डोडा पोस्त, चूरा पोस्त सहित बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किए गए।

स्निफर डॉग बोल्ट, रैम्बो और रोमियो ने सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन किया। बोल्ट ने 15, रैम्बो ने 14 और रोमियो ने 12 मामलों में पुलिस टीमों की सहायता की। रैम्बो की मदद से आदमपुर में 5 क्विंटल 50 किलोग्राम 300 ग्राम डोडा पोस्त की सबसे बड़ी बरामदगी की गई। इन डॉग्स की सूंघने की क्षमता और डॉग हैंडलर्स के साथ बेहतर तालमेल ने नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई को और मजबूत बनाया। पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने कहा कि नशा तस्करी युवाओं के भविष्य और समाज के लिए गंभीर चुनौती है।

हरियाणा पुलिस आधुनिक तकनीक, खुफिया सूचनाओं और विशेषज्ञ संसाधनों का उपयोग कर नशा तस्करी के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए लगातार अभियान चला रही है। पहली छमाही के दौरान हिसार, फतेहाबाद, सिरसा (डबवाली), गुरुग्राम, फरीदाबाद, भिवानी, कुरुक्षेत्र तथा हिसार जीआरपी समेत कई जिलों में संयुक्त कार्रवाई की गई। विभिन्न अभियानों में डोडा पोस्त, गांजा, चरस, हेरोइन और अन्य मादक पदार्थों की बड़ी खेप बरामद हुई। पुलिस का कहना है कि प्रशिक्षित स्निफर डॉग्स की सहायता से भविष्य में भी नशा तस्करों के खिलाफ अभियान और अधिक प्रभावी ढंग से जारी रहेगा। साथ ही पुलिस ने स्पष्ट किया कि नशा तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

पानीपत में छह वर्षीय बच्ची से बैड टच, बीड़ी से दागने का आरोपी फरार

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत। हरियाणा के पानीपत जिले में छह वर्षीय बच्ची के साथ कथित यौन दुर्व्यवहार और मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, एक शादीशुदा महिला के साथ रह रहे आरोपी पर बच्ची से बैड टच करने और विरोध करने पर उसके होंठ व हाथ को जलती बीड़ी से दागने का आरोप है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपी महिला के चारों बच्चों के साथ मारपीट करता था, उन्हें डराता-धमकाता और घर के काम करवाता था। पीड़ित बच्चों के पिता ने समालखा थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पत्नी आरोपी के साथ घर से सोना और नकदी लेकर चली गई थी। पुलिस जब कार्रवाई के लिए पहुंची तो आरोपी महिला के साथ फरार हो गया, जबकि चारों बच्चे वहीं मिले। बच्चों के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है तथा उसकी तलाश की जा रही है।

भाजपा नेता ने जिलाध्यक्ष और महामंत्री को भेजा मानहानि का लीगल नोटिस

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा। हरियाणा के सिरसा जिले के डबवाली में भाजपा के भीतर विवाद उस समय सामने आया जब पार्टी के एक नेता ने जिलाध्यक्ष रेणू शर्मा, जिला महामंत्री विजयंत शर्मा तथा दो यूट्यूब चैनल संचालकों को मानहानि का लीगल नोटिस भेजा। नोटिस में आरोप लगाया गया है कि उनकी कथित गुप्त रिकॉर्डिंग कर मानहानिकारक वीडियो प्रसारित किया गया, जिससे उनकी सामाजिक और राजनीतिक छवि को नुकसान पहुंचा है। विवाद की शुरुआत उस वीडियो से हुई, जिसमें भाजपा नेता टिशु प्रधान जिलाध्यक्ष रेणू शर्मा के पैर छूते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद टिशु प्रधान ने आरोप लगाया कि उनका मजाक उड़ाया गया। वहीं रेणू शर्मा का कहना है कि यह घटना सार्वजनिक कार्यक्रम में हुई थी और इसमें कुछ भी छिपा हुआ नहीं था। मामले को लेकर अब कानूनी प्रक्रिया शुरू हो गई है।

फर्जी फूड सेफ्टी अफसर बन कार्रवाई की धमकी देकर पैसे ऐंठता था आरोपी डॉक्टर

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल। हरियाणा के कैथल में रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार वैटनरी डॉक्टर अंकुर को लेकर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जांच में नए खुलासे हुए हैं। जांच के अनुसार आरोपी खुद को फर्जी फूड सेफ्टी अधिकारी बताकर दुकानों और प्रतिष्ठानों पर कथित तौर पर रेड करता था। कार्रवाई का डर दिखाकर लोगों से पैसे वसूलने के आरोप भी सामने आए हैं। एसीबी के अनुसार आरोपी सरकारी कार्रवाई की धमकी देकर अवैध वसूली करता था। मामले में यह भी सामने आया कि गिरफ्तारी के बाद उसने फोटोशूट भी कराया, जिसकी तस्वीरें चर्चा का विषय बनीं। जांच एजेंसी आरोपी की गतिविधियों, संभावित पीड़ितों और उसके नेटवर्क की भी पड़ताल कर रही है। एसीबी का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भिवानी में पत्नी की हत्या का आरोप, दस दिन पहले घर लौटा था पति

भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी। हरियाणा के भिवानी जिले के बवानीखेड़ा क्षेत्र में एक महिला की हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, महिला के परिजनों ने उसके पति पर हत्या का आरोप लगाया है। शिकायत में कहा गया है कि आरोपी ने पहले महिला के मुंह में कपड़ा ठूंसा, फिर कथित तौर पर गला घोंटा। आरोप है कि इसके बाद उसे करंट लगाया गया और सिर पर भी चोट पहुंचाई गई, जिससे उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि आरोपी पति करीब दस दिन पहले ही घर लौटा था। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हांसी के नरेंद्र बेरवाल ने रियो ओलंपिक में जीता रजत पदक

भारतेन्दु संवाददाता, हांसी

हरियाणा के हांसी जिले के सोरखी गांव के मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए रियो ओलंपिक की सुपर हैवीवेट मुक्केबाजी स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है और गांव में जश्न जैसा वातावरण देखने को मिल रहा है।

करीब 6 फीट 4 इंच लंबे नरेंद्र बेरवाल अपनी दमदार कद-काठी और आक्रामक खेल शैली के लिए जाने जाते हैं। ग्रामीण परिवेश में पले-बढ़े नरेंद्र की सफलता के पीछे वर्षों की कठिन मेहनत, अनुशासित जीवनशैली और परिवार का सहयोग रहा है। उनके परिवार का कहना है कि उन्होंने हमेशा देसी खानपान, विशेषकर दूध, दही, घी और पौष्टिक भोजन को अपनी दिनचर्या का

देसी दूध-घी की ताकत से बने फौलादी मुक्केबाज।

हिस्सा बनाया, जिसने उन्हें शारीरिक रूप से मजबूत बनने में मदद की।

नरेंद्र की इस सफलता पर उनके गांव सोरखी के लोगों में विशेष उत्साह है। ग्रामीणों का कहना है कि उनकी उपलब्धि से क्षेत्र के युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। परिवार के सदस्य भी उनकी घर वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उनकी मां ने बेटे की पसंद का चूरमा और मूंग की दाल बनाकर स्वागत की तैयारी की है।

यमुनानगर में लापता व्यक्ति का शव पुलिया के नीचे पानी में मिला

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर। हरियाणा के यमुनानगर जिले के व्यासपुर क्षेत्र स्थित गांव बामनोली में रविवार सुबह पुलिया के नीचे पानी में एक व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने शव देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची व्यासपुर थाना पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला और उसकी पहचान तीन बेटियों के पिता सिंह राम के रूप में हुई। बताया गया कि सिंह राम शनिवार रात से लापता थे और परिजन पूरी रात उनके लौटने का इंतजार करते रहे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच आगे बढ़ा रही है।

निमाना सरकारी स्कूल में पढ़ाई के साथ घुड़सवारी प्रशिक्षण, छात्रों में बढ़ रहा आत्मविश्वास और अनुशासन

भारतेन्दु संवाददाता, झज्जर

हरियाणा के झज्जर जिले का राजकीय माध्यमिक विद्यालय, निमाना शिक्षा के साथ खेल और व्यक्तित्व विकास का अनूठा उदाहरण बनकर उभरा है। यह संभवत: प्रदेश का पहला सरकारी विद्यालय है, जहां विद्यार्थियों को नियमित पढ़ाई के साथ-साथ घुड़सवारी का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। विद्यालय की इस पहल की चारों ओर सराहना हो रही है और इसे बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पिछले लगभग एक महीने से विद्यालय परिसर में घुड़सवारी की विशेष कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। इन कक्षाओं में करीब 50 छात्र-छात्राएं पूरे उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षकों की देखरेख में विद्यार्थियों को घोड़े पर संतुलन

बनाना, सुरक्षित तरीके से सवारी करना और घुड़सवारी के आवश्यक कौशल सिखाए जा रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान सुरक्षा मानकों का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

विद्यालय प्रबंधन का मानना है कि घुड़सवारी केवल एक खेल नहीं, बल्कि ऐसा माध्यम है जो बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन, साहस, नेतृत्व क्षमता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करता है। इस प्रशिक्षण से विद्यार्थियों का मानसिक और शारीरिक विकास भी बेहतर ढंग से हो रहा है। बच्चे पढ़ाई के साथ इस नई गतिविधि का भरपूर आनंद ले रहे हैं और नियमित रूप से प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे हैं।

विद्यालय की इस अनूठी पहल को समाजसेवी सुनील निमाना का सहयोग भी मिल रहा है। उनके सहयोग से प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को ऐसा अवसर मिल सका है, जो सामान्यत: निजी संस्थानों या महंगे प्रशिक्षण केंद्रों तक ही सीमित रहता है। अभिभावकों और स्थानीय लोगों ने भी इस पहल का स्वागत किया है।

पलवल शहर में सुबह सात बजे से रात आठ बजे तक भारी वाहनों की नो एंट्री लागू

भारतेन्दु संवाददाता, पलवल

पलवल शहर में लंबे समय से बनी हुई ट्रैफिक जाम की समस्या से लोगों को राहत दिलाने के लिए यातायात विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। विभाग ने दिन के समय शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। यह व्यवस्था सुबह 7 बजे से रात 8 बजे तक लागू रहेगी। इसके तहत हथीन रोड और अलीगढ़ रोड से शहर में आने वाले भारी वाहनों को निर्धारित समय के दौरान प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

यातायात पुलिस ने इस व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए हथीन रोड और अलीगढ़ रोड पर पुलिस नाके स्थापित किए हैं। यहां तैनात पुलिसकर्मी भारी वाहनों को शहर में प्रवेश करने से रोकेंगे और उन्हें वैकल्पिक मार्गों से भेजेंगे। अधिकारियों का मानना है कि इस कदम से शहर के प्रमुख चौराहों और बाजारों में लगने वाले लंबे जाम से काफी हद तक राहत मिलेगी। पलवल वर्ष 2008 में जिला बना था, लेकिन बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या

यातायात विभाग के नए फैसले से पलवल की सड़कों पर जाम की समस्या होगी कम।

के कारण शहर लगातार यातायात दबाव का सामना कर रहा है।

वर्तमान में जिले की आबादी लगभग 15 लाख और शहर की आबादी ढाई लाख से अधिक है। इसके अलावा जिले के 250 से अधिक गांवों तथा मेवात क्षेत्र के करीब 150 गांवों के लोग खरीदारी और अन्य कार्यों के लिए पलवल आते हैं, जिससे शहर की सड़कों पर वाहनों का दबाव बढ़ जाता है। राष्ट्रीय राजमार्ग-19 और केएमपी-केजीपी एक्सप्रेसवे से जुड़े होने के कारण दिल्ली-एनसीआर, आगरा, मथुरा, नूंह और अलीगढ़ की ओर आने-जाने वाले वाहन भी बड़ी संख्या में पलवल से होकर गुजरते हैं। ऐसे में भारी वाहनों की आवाजाही के कारण अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है। यातायात विभाग को उम्मीद है कि दिन के समय भारी वाहनों पर प्रतिबंध से शहर में यातायात अधिक सुचारु होगा, बाजारों में आने वाले लोगों को सुविधा मिलेगी और आपातकालीन सेवाओं के वाहनों की आवाजाही भी पहले की तुलना में अधिक आसान हो सकेगी।

यातायात विभाग ने वाहन चालकों से निर्धारित नियमों का पालन करने और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि व्यवस्था की लगातार निगरानी की जाएगी। यदि इस प्रयोग के सकारात्मक परिणाम मिले तो भविष्य में शहर की यातायात व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अतिरिक्त कदम भी उठाए जाएंगे।

हरियाणा के 620 सरकारी स्कूलों का तैयार होगा डिजिटल लेआउट प्लान

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद

हरियाणा के सरकारी स्कूलों के भवनों और परिसरों का अब डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद (एचएसएसपीपी) ने सभी सरकारी विद्यालयों के भवन, कक्ष, शौचालय, खेल मैदान, बाउंड्रीवाल, मुख्य द्वार और खाली भूमि सहित पूरे परिसर का डिजिटल लेआउट प्लान तैयार कराने के निर्देश जारी किए हैं। इस पहल का उद्देश्य स्कूलों के विकास कार्यों को अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी और सटीक बनाना है।

डिजिटल ब्लूप्रिंट तैयार करने का कार्य आर्किटेक्ट की सहायता से ऑटोकैड सॉफ्टवेयर पर किया जाएगा। इसके तहत प्रत्येक विद्यालय का विस्तृत नक्शा तैयार होगा, जिससे भवनों की वर्तमान स्थिति का पूरा डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा। भविष्य में नए भवनों के निर्माण, अतिरिक्त कमरों की आवश्यकता, मरम्मत कार्य और अन्य आधारभूत सुविधाओं के विस्तार की योजना इसी डिजिटल नक्शे के आधार पर

बनाई जाएगी। फतेहाबाद जिले के 620 सरकारी स्कूलों में यह प्रक्रिया लागू की जाएगी।

विभाग के अनुसार कई विद्यालयों के पास अब तक भवनों का अद्यतन लेआउट उपलब्ध नहीं था, जिसके कारण निर्माण और मरम्मत से जुड़े कार्यों में अनावश्यक देरी होती थी। डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होने से योजनाओं का क्रियान्वयन अधिक प्रभावी और समयबद्ध तरीके से किया जा सकेगा। अधिकारियों का मानना है कि डिजिटल मैपिंग से प्रत्येक विद्यालय की वास्तविक स्थिति का सटीक आकलन संभव होगा। साथ ही ऑनलाइन उपलब्ध डिजिटल ब्लूप्रिंट के माध्यम से विभागीय निगरानी भी आसान होगी। इस पहल से सरकारी स्कूलों में आधारभूत ढांचे के विकास को गति मिलेगी और संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा।

14 साल बाद अग्रवाल सभा चुनाव, अध्यक्ष चयन के पर्ची सिस्टम पर तेज हुआ विरोध

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला

अग्रवाल सभा पंचकूला में 14 वर्षों बाद हो रहे कॉलेजियम चुनावों ने संगठन में नई सक्रियता ला दी है। अधिकांश सीटों पर सहमति बनने से चुनावी तस्वीर काफी हद तक स्पष्ट हो चुकी है। कुल 118 कॉलेजियम सदस्यों में से 96 प्रतिनिधि निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं, जबकि शेष 22 सीटों के लिए 9 अगस्त को मतदान कराया जाएगा। नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह स्थिति सामने आई है।

समाज के वरिष्ठजनों की पहल और लगातार संवाद के चलते बड़ी संख्या में सीटों पर सर्वसम्मति बन सकी। हालांकि कुछ सीटों पर अब भी सहमति बनाने के प्रयास जारी हैं, ताकि चुनावी मुकाबले कम हों और समाज में एकता व सौहार्द का संदेश जाए। इसके बावजूद शेष सीटों पर चुनाव तय माना जा रहा है। चुनाव प्रक्रिया को लेकर समाज के सदस्यों में उत्साह देखा जा रहा है और लंबे अंतराल के बाद लोकतांत्रिक प्रक्रिया की वापसी को महत्वपूर्ण माना जा

96 सदस्य निर्विरोध, अब 22 सीटों पर होगा चुनावी मुकाबला।

रहा है। इस बीच अध्यक्ष पद के चयन को लेकर अपनाए गए 'पर्ची सिस्टम' ने नया विवाद खड़ा कर दिया है।

समाज के वरिष्ठजनों द्वारा अध्यक्ष का चयन पर्ची के माध्यम से करने के प्रस्ताव का कई कॉलेजियम सदस्यों ने विरोध शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि जब 14 वर्षों बाद लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव कराए जा रहे हैं, तो अध्यक्ष पद का फैसला भी मतदान के जरिए होना चाहिए, न कि पर्ची निकालकर। प्रधान पद के दावेदारों का तर्क है कि यदि कॉलेजियम सदस्यों का चुनाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया से हो रहा है तो अध्यक्ष का चयन भी उसी प्रक्रिया के तहत होना चाहिए। उनका मानना है कि पर्ची प्रणाली लोकतांत्रिक भावना के अनुरूप नहीं है और इससे सदस्यों की राय का पूरा सम्मान नहीं हो पाएगा।

अब निगाहें 9 अगस्त को होने वाले मतदान और उसके बाद अध्यक्ष पद के चयन पर टिकी हैं। चुनाव परिणाम के साथ यह भी स्पष्ट होगा कि अध्यक्ष का चयन पर्ची प्रणाली से होता है या सदस्यों की मांग के अनुरूप लोकतांत्रिक तरीके से। फिलहाल अग्रवाल सभा के चुनाव संगठन के भीतर चर्चा और बहस का प्रमुख विषय बने हुए हैं। समाज के वरिष्ठ सदस्यों का मानना है कि चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी और सर्वसम्मति से संपन्न होने पर संगठन और अधिक मजबूत होगा। वहीं, युवा सदस्यों की अपेक्षा है कि नई कार्यकारिणी समाजहित के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए शिक्षा, सामाजिक सेवा, स्वास्थ्य और जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रमों को गति देगी।

ब्रजमंडल यात्रा में विवादित चेहरों की नो एंट्री, सोशल मीडिया और 28 नाकों पर कड़ी निगरानी

2200 पुलिसकर्मी और 28 नाकों के साथ ब्रजमंडल यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था रहेगी चाक-चौबंद

भारतेन्दु संवाददाता, नूंह

हरियाणा के नूंह जिले में प्रस्तावित ब्रज मंडल जलाभिषेक यात्रा को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था लागू कर दी है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यात्रा के दौरान किसी भी विवादित व्यक्ति को जिले की सीमा में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर भी चौबीसों घंटे निगरानी रखी जाएगी, ताकि किसी भी प्रकार की भड़काऊ या भ्रामक सामग्री के प्रसार को समय रहते रोका जा सके।

उपायुक्त अखिल पिलानी ने बताया कि यात्रा को लेकर कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि कोई व्यक्ति यात्रा से संबंधित भड़काऊ पोस्ट, वीडियो या शांति भंग करने वाली सामग्री इंटरनेट मीडिया पर साझा करता है तो उसके खिलाफ तत्काल और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार की अफवाह या सांप्रदायिक तनाव फैलाने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने यह भी संकेत दिया है कि जिन व्यक्तियों के नाम पूर्व में विवादों या भड़काऊ गतिविधियों से जुड़े रहे हैं, उन्हें यात्रा में शामिल होने की अनुमति नहीं मिलेगी।

ऐसे लोगों की गतिविधियों पर पहले से निगरानी रखी जा रही है। पुलिस साइबर टीम भी विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर नजर बनाए हुए है और संदिग्ध खातों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

वर्ष 2023 में ब्रज मंडल यात्रा के दौरान हुई हिंसा से सबक लेते हुए इस बार सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया गया है। उस समय हुई हिंसा में छह लोगों की जान गई थी, 60 से अधिक लोग घायल हुए थे और बड़ी संख्या में वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया था। इसी अनुभव को देखते हुए प्रशासन इस बार किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतना चाहता। यात्रा से पहले जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने जिले के मौलवियों और अन्य सामाजिक प्रतिनिधियों के साथ समन्वय बैठक भी की। बैठक में सभी समुदायों से आपसी भाईचारा, शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई।

उपायुक्त ने धार्मिक नेताओं से आग्रह किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को अफवाहों से दूर रहने और प्रशासन का सहयोग करने के लिए प्रेरित करें। बैठक में मौजूद मौलवियों ने भी प्रशासन को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पूरे जिले में 2200 पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। इनके अलावा एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, 12 पुलिस उपाधीक्षक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी लगातार निगरानी करेंगे। यात्रा मार्ग और संवेदनशील स्थानों पर 28 पुलिस नाके स्थापित किए गए हैं, जहां प्रत्येक वाहन और व्यक्ति की गहन जांच की जाएगी। इन नाकों

ड्रोन, सीसीटीवी और बम निरोधक दस्ते के साथ यात्रा मार्ग पर रहेगी कड़ी निगरानी

पर वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी ताकि प्रत्येक गतिविधि का रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जा सके।

इसके अलावा घुड़सवार पुलिस, खोजी कुत्ते, बम निरोधक दस्ता, रैपिड एक्शन फोर्स, कमांडो दल तथा ड्रोन कैमरों की भी तैनाती रहेगी। यात्रा मार्ग पर लगभग 20 वीडियो कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी की जाएगी। संवेदनशील क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे भी सक्रिय रहेंगे, जबकि आवश्यकता पड़ने पर आंसू गैस दस्ता और अन्य विशेष सुरक्षा संसाधनों का भी उपयोग किया जाएगा। प्रशासन का कहना है कि यात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी अपुष्ट सूचना पर विश्वास न करें, सोशल मीडिया पर जिम्मेदारी से व्यवहार करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। प्रशासन को उम्मीद है कि सभी समुदायों के सहयोग से ब्रज मंडल जलाभिषेक यात्रा इस वर्ष शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न होगी।

समय सीमा बढ़ी, लेकिन एफसीआई की रोक से राइस मिलरों की बढ़ी परेशानी

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल

केंद्र सरकार ने कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) की डिलीवरी की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 सितंबर कर दी है, लेकिन भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) द्वारा फिलहाल चावल की डिलीवरी लेना बंद किए जाने से करनाल के राइस मिलरों को इसका अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। मिल संचालकों का कहना है कि समय सीमा बढ़ने के बावजूद तैयार चावल की उठान नहीं होने से मिलिंग कार्य प्रभावित हो गया है।

राइस मिलरों के अनुसार एफसीआई द्वारा चावल की उठान रोक दिए जाने से अधिकांश मिलों में काम लगभग ठप हो गया है। उनका कहना है कि जब तैयार चावल का भंडारण लगातार बढ़ रहा है और सरकारी एजेंसी उसे नहीं उठा रही, तो नई मिलिंग जारी रखना व्यावहारिक नहीं है। इससे मिलों में भंडारण की समस्या भी बढ़ने लगी है।

करनाल जिले में करीब 237 राइस मिलें सीएमआर योजना के तहत सरकार के लिए धान की मिलिंग करती हैं। अब तक लगभग 60 प्रतिशत चावल सरकार को उपलब्ध कराया जा चुका है, जबकि करीब 40 प्रतिशत, यानी लगभग 2.32 लाख मीट्रिक टन चावल की आपूर्ति अभी शेष है। मिल संचालकों का कहना है कि यदि एफसीआई जल्द उठान शुरू नहीं करता तो शेष लक्ष्य समय पर पूरा करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। मिलरों का मानना है कि समय सीमा बढ़ाने का निर्णय तभी प्रभावी होगा, जब एफसीआई नियमित रूप से तैयार

चावल उठान बंद, गोदाम भरने लगे

चावल की डिलीवरी स्वीकार करे। अन्यथा गोदामों में बढ़ता स्टॉक, अतिरिक्त भंडारण खर्च और कार्य रुकने से आर्थिक नुकसान बढ़ता जाएगा। इससे आगामी धान सीजन की तैयारियों पर भी असर पड़ सकता है।

राइस मिल उद्योग से जुड़े लोगों ने सरकार और एफसीआई से जल्द चावल की उठान दोबारा शुरू करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि डिलीवरी प्रक्रिया सामान्य हो जाती है तो मिलिंग कार्य भी तेजी से शुरू हो सकेगा और निर्धारित समय के भीतर शेष सीएमआर की आपूर्ति पूरी करना संभव होगा। राइस मिलरों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो उद्योग पर आर्थिक दबाव और बढ़ेगा। उन्होंने संबंधित विभागों से समन्वय बनाकर चावल उठान प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने की मांग की है, ताकि लंबित आपूर्ति समय पर पूरी की जा सके।

न्यूज ब्रीफ

फरीदाबाद में बारिश बनी सड़कों की परीक्षा निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

एजेंसी ,नई दिल्ली । फरीदाबाद में मानसून की बारिश ने शहर की सड़कों की खराब गुणवत्ता की पोल खोल दी है। दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग से लेकर शहर की आंतरिक सड़कें तक जगह-जगह जर्जर हो गई हैं। कुछ ही दिनों की तेज बारिश के बाद सड़कों पर गड्ढे, टूट-फूट और जलभराव की स्थिति देखने को मिल रही है। इससे वाहन चालकों और आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। औद्योगिक नगरी की सड़कों की हालत देखकर विकास कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण के दौरान खराब सामग्री के इस्तेमाल के कारण सड़कें बारिश का दबाव नहीं झेल पाईं। कई स्थानों पर सड़कें इतनी खराब हो चुकी हैं कि वहां से गुजरना भी मुश्किल हो गया है।शहरवासियों ने प्रशासन से जल्द मरम्मत कार्य कराने और सड़कों के निर्माण में गुणवत्ता सुनिश्चित करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि हर साल मानसून के दौरान यही समस्या सामने आती है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है। अब जरूरत है कि संबंधित विभाग जल्द कार्रवाई कर शहर की सड़कों को बेहतर बनाया जाए।

लापरवाही का शिकार सोहना-तावडू रोड क्षतिग्रस्त सेफ्टी वॉल बनी मौत का कारण

एजेंसी, नई दिल्ली । सोहना-तावडू पहाड़ी मार्ग पर टूटी हुई सेफ्टी दीवारें वाहन चालकों के लिए बड़ा खतरा बन गई हैं। सड़क किनारे सुरक्षा दीवारों के क्षतिग्रस्त होने से हादसों की संख्या लगातार बढ़ रही है और यह मार्ग अब जानलेवा साबित हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लोकनिर्माण विभाग की लापरवाही और समय पर मरम्मत नहीं होने के कारण कई वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार हो चुके हैं। पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण इस मार्ग पर जरा सी चूक भी गंभीर हादसे का कारण बन सकती है। टूटी सेफ्टी दीवारों के चलते वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरने का खतरा बना रहता है। लोगों ने विभाग से जल्द सुरक्षा दीवारों की मरम्मत कराने की मांग की है। वहीं, क्षेत्रीय विधायक ने सड़क के विस्तार और सुधार कार्यों को मंजूरी मिलने की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि मार्ग को बेहतर और सुरक्षित बनाने के लिए जल्द आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। अब स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि जल्द ही मरम्मत कार्य शुरू होगा और हादसों पर रोक लग सकेगी।

पलवल में जातीय अपमान और धमकी का मामला, दो लोगों पर मुकदमा दर्ज

एजेंसी, नई दिल्ली। लवल के फुलवाड़ी गांव के सरपंच राहुल को फोन पर जान से मारने की धमकी देने और जातिसूचक गालियां देने का मामला सामने आया है। पीड़ित सरपंच की शिकायत पर सदर थाना पलवल पुलिस ने एससी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सरपंच राहुल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह वाल्मीकि समाज से संबंध रखते हैं। 29 जुलाई की रात उनके मोबाइल फोन पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने बातचीत शुरू करते ही उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर अपमानित किया। शिकायत के अनुसार, आरोपी ने सरपंच को धमकी देते हुए कहा कि एक साल के अंदर उसे और उसके पूरे परिवार को गोली मार दी जाएगी। धमकी मिलने के बाद सरपंच ने पुलिस से सुरक्षा और कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में संदीप और उसके पिता रवि के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला, जेल में मौत के मामलों में 7.5 लाख तक का मुआवजा

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने जेल में हिरासत के दौरान होने वाली अप्राकृतिक मौतों के मामलों में मृतक कैदियों के परिवारों को आर्थिक सहायता देने के लिए नई मुआवजा योजना लागू की है। इस योजना के तहत अलग-अलग परिस्थितियों के आधार पर मृत कैदी के परिजनों को 5 लाख रुपये से लेकर 7.5 लाख रुपये तक का मुआवजा दिया जाएगा। सरकार का उद्देश्य जेल में बंद कैदियों की मौत के बाद उनके आश्रित परिवारों को आर्थिक सहारा उपलब्ध कराना है।

नई योजना के अनुसार, यदि किसी कैदी की जेल में अप्राकृतिक परिस्थितियों में मौत होती है तो उसके परिवार को मुआवजे के लिए पात्र माना जाएगा। हालांकि, हर मामले में एक समान राशि नहीं दी जाएगी, बल्कि मौत के कारण और परिस्थितियों की जांच के आधार पर मुआवजा तय किया जाएगा। योजना में प्राकृतिक मौत, बीमारी या अन्य सामान्य परिस्थितियों में होने वाली मृत्यु को शामिल नहीं किया गया है। दिल्ली सरकार के अधिकारियों के अनुसार, जेल में बंद कैदियों की सुरक्षा और मानवाधिकारों को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। कई बार जेल में किसी कैदी की अप्राकृतिक मौत होने के बाद परिवार को आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे मामलों में सरकार की ओर से मिलने वाली सहायता से परिजनों को राहत मिल सकेगी। योजना के तहत मुआवजा पाने के लिए मृत कैदी के परिवार को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन करना होगा।

संबंधित विभाग और जेल प्रशासन मामले की जांच करेंगे और सभी आवश्यक दस्तावेजों की पुष्टि के बाद सहायता राशि जारी की जाएगी। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि मुआवजा देने का फैसला जांच रिपोर्ट और मौत की परिस्थितियों के आधार पर लिया जाएगा। यदि किसी मामले में लापरवाही, हिंसा या अन्य गंभीर कारण सामने आते हैं तो उसकी अलग से समीक्षा की जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह योजना जेल व्यवस्था में जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे कैदियों के अधिकारों की रक्षा के साथ-साथ उनके परिवारों को भी मुश्किल समय में आर्थिक मदद मिल सकेगी।

गुरुग्राम में बिजली को लेकर बवाल पुलिस ने समझाकर खुलवाया जाम

एजेंसी, नई दिल्ली

गुरुग्राम के बादशाहपुर स्थित सेक्टर-76 की सनसिटी एवेन्यू सोसायटी में करीब 10 घंटे तक बिजली गुल रहने से नाराज निवासियों ने शनिवार रात साउदर्न पेरिफेरल रोड (एसपीआर) पर जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। बिजली संकट से परेशान सैकड़ों लोग सड़क पर उतर आए और सोसायटी प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जताई। निवासियों का आरोप है कि लंबे समय तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने के बावजूद समस्या का समय पर समाधान नहीं किया गया।

लोगों ने प्रबंधन पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए तत्काल बिजली व्यवस्था बहाल करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान एसपीआर पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और प्रदर्शन कर रहे लोगों से बातचीत की। पुलिस के समझाने के बाद निवासियों ने जाम खोल दिया, जिसके बाद यातायात सामान्य हुआ।वहीं, बिजली विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बिजली कटौती का कारण सोसायटी के अंदरूनी हिस्से में आई तकनीकी खराबी थी। विभाग ने स्पष्ट किया कि बाहरी बिजली आपूर्ति में कोई बड़ी समस्या नहीं थी। फिलहाल सोसायटी में बिजली व्यवस्था को लेकर निवासियों और प्रबंधन के बीच नाराजगी बनी हुई है। लोगों ने भविष्य में ऐसी परेशानी से बचने के लिए स्थायी समाधान की मांग की है।

रेवाड़ी, भिवानी समेत चार जिलों के अभ्यर्थी डाउनलोड करें फिजिकल टेस्ट एडमिट कार्ड

एजेंसी, नई दिल्ली

अग्निपथ योजना के तहत भारतीय सेना में भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए महत्वपूर्ण सूचना सामने आई है। महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, चरखी दादरी और भिवानी जिले के उन अभ्यर्थियों के फिजिकल टेस्ट के एडमिट कार्ड जारी कर दिए गए हैं, जिन्होंने ऑनलाइन परीक्षा सफलतापूर्वक पास कर ली है। सेना भर्ती प्रक्रिया के अगले चरण में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी अब अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। सेना अधिकारियों के अनुसार, ऑनलाइन परीक्षा में सफल उम्मीदवारों को शारीरिक दक्षता परीक्षा (फिजिकल टेस्ट) में भाग लेना होगा।

इसके लिए उन्हें निर्धारित समय और स्थान पर एडमिट कार्ड के साथ पहुंचना अनिवार्य होगा। अभ्यर्थी भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट ज्वाइन इंडियन आर्मी पर जाकर अपने लॉगिन विवरण के माध्यम से एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने वाले युवाओं को सलाह दी गई है कि वे एडमिट कार्ड में दी गई सभी जानकारियों को ध्यान से जांच लें। इसके साथ ही फिजिकल टेस्ट के लिए आवश्यक दस्तावेज और तैयारी पूरी रखें। शारीरिक परीक्षा में दौड़, शारीरिक क्षमता और अन्य निर्धारित मानकों की जांच की जाएगी।

सेना में भर्ती होने का सपना देख रहे युवाओं में एडमिट कार्ड जारी होने के बाद उत्साह बढ़ गया है। बड़ी संख्या में अभ्यर्थी लंबे समय से इस चरण की तैयारी कर रहे थे। अधिकारियों ने उम्मीदवारों से अपील की है कि वे भर्ती प्रक्रिया से जुड़ी सभी आधिकारिक जानकारियों के लिए केवल सेना की वेबसाइट पर ही भरोसा करें। अग्निपथ योजना के तहत होने वाली यह भर्ती युवाओं को भारतीय सेना में सेवा का अवसर प्रदान करती है।

राजधानी के एटीएम पर खतरा, सुरक्षा गार्ड और सीसीटीवी की भारी कमी

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के 5000 एटीएम असुरक्षित, पुलिस सर्वे में खुलासा

दिल्ली में एटीएम सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिल्ली पुलिस के एक सर्वे में चिंताजनक स्थिति सामने आई है। राजधानी के पांच हजार से अधिक एटीएम बूथों की जांच में पाया गया कि बड़ी संख्या में एटीएम न्यूनतम सुरक्षा मानकों को पूरा नहीं कर रहे हैं। सर्वे के दौरान कई एटीएम में सुरक्षा गार्ड की तैनाती नहीं मिली, वहीं कुछ स्थानों पर शटर लॉक और पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरों की भी कमी पाई गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, एटीएम बूथों की सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से यह जांच अभियान चलाया गया था।

जांच में सामने आया कि कई एटीएम ऐसे स्थानों पर संचालित हो रहे हैं, जहां निगरानी व्यवस्था कमजोर है। सुरक्षा उपकरणों की कमी के कारण चोरी, छेड़छाड़ और अन्य आपराधिक घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है। दिल्ली पुलिस ने संबंधित बैंकों और एटीएम संचालक कंपनियों को सुरक्षा मानकों में सुधार करने के निर्देश देने की तैयारी की है। पुलिस का कहना है कि एटीएम बूथों पर सुरक्षा गार्ड, बेहतर सीसीटीवी निगरानी, मजबूत लॉकिंग व्यवस्था और अन्य जरूरी इंतजाम सुनिश्चित किए जाने चाहिए। राजधानी में एटीएम से जुड़े अपराधों को रोकने के लिए पुलिस लगातार निगरानी बढ़ाने पर जोर दे रही है।

अधिकारियों ने बैंकों से अपील की है कि वे अपने एटीएम की सुरक्षा व्यवस्था की नियमित समीक्षा करें और कमियों को जल्द दूर करें। विशेषज्ञों का मानना है कि तकनीकी निगरानी और मानवीय सुरक्षा दोनों को मजबूत करके ही एटीएम से जुड़े जोखिमों को कम किया जा सकता है। पुलिस ने कहा कि एटीएम सुरक्षा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी बैंक और संचालक संस्थाओं को सुरक्षा नियमों का पालन करने और कमजोरियों को तुरंत सुधारने के निर्देश दिए जाएंगे।

गौतमबुद्ध नगर में एआई कैमरों और 30 ड्रोन से होगी कांवड़ यात्रा की निगरानी

एजेंसी, नई दिल्ली

गौतमबुद्ध नगर में कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, व्यवस्थित और सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा और ट्रैफिक प्रबंधन की तैयारी की है। इस बार सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए अत्याधुनिक एआई और आईपी कैमरों का इस्तेमाल किया जा रहा है। ये कैमरे न केवल कांवड़ मार्गों पर आने-जाने वाले संदिग्ध लोगों की गतिविधियों पर नजर रखेंगे, बल्कि यात्रा में शामिल कांवड़ियों की गणना भी करेंगे। इससे प्रशासन को जिले से गुजरने वाले श्रद्धालुओं की सटीक संख्या का पता चल सकेगा और उसी के अनुसार सुरक्षा व अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी।

कांवड़ यात्रा के दौरान आसमान से निगरानी रखने के लिए 30 ड्रोन तैनात किए गए हैं। इनमें पहली बार पुलिस के बेड़े में शामिल टीथर्ड ड्रोन भी शामिल है, जो आठ से दस किलोमीटर तक के क्षेत्र की लगातार निगरानी करने में सक्षम है। इस तकनीक की मदद से भीड़भाड़ वाले इलाकों, संवेदनशील स्थानों और कांवड़ मार्गों पर किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत नजर रखी जा सकेगी। ड्रोन से प्राप्त लाइव फुटेज कंट्रोल रूम तक पहुंचेगी, जिससे पुलिस समय रहते आवश्यक कार्रवाई कर सकेगी। यात्रा के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया गया है। जिले के 14 प्रमुख कांवड़ मार्गों पर लगभग 2,500 पुलिसकर्मी और अधिकारी तैनात किए जाएंगे। ये सभी सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण और श्रद्धालुओं की सहायता में लगे रहेंगे। प्रशासन ने कांवड़ियों के स्वागत की भी विशेष तैयारी की है।

प्रमुख मार्गों पर विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि आधुनिक तकनीक, मजबूत सुरक्षा व्यवस्था और बेहतर यातायात प्रबंधन के जरिए कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने का लक्ष्य रखा गया है।

मेरठ में वायरलेस पर गूंजता रहा संदेश लेकिन हाथ नहीं आए आरोपी

एजेंसी, नई दिल्ली

मेरठ में शुक्रवार रात एक काली स्कार्पियो ने पुलिस को करीब एक घंटे तक शहर की सड़कों पर दौड़ाया। तेज रफ्तार वाहन ने कई बैरियर और बैरिकेडिंग तोड़ दी और पुलिस की घेराबंदी के बावजूद फरार हो गया। घटना के बाद मेडिकल, गंगानगर, परीक्षितगढ़, सिविल लाइंस और हाईवे पेट्रोलिंग टीमों ने घंटों तक स्कार्पियो की तलाश की, लेकिन शनिवार देर रात तक भी उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। बताया जा रहा है कि स्कार्पियो का नंबर हापुड़ जनपद का है। शुक्रवार रात हापुड़ रोड पर वाहन में सवार चार-पांच युवकों का कुछ लोगों से विवाद हो गया था। मारपीट के बाद युवक स्कार्पियो लेकर भागने लगे, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने पीछा शुरू किया, लेकिन कांवड़ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था के बीच भी वाहन करीब दस किलोमीटर तक तेज गति से दौड़ता रहा और फिर गायब हो गया।

गुरुग्राम में वन कर्मचारियों का प्रदर्शन, मंत्री राव नरबीर सिंह के आवास का किया घेराव

एजेंसी, नई दिल्ली

वन कर्मचारियों ने मंत्री आवास घेरा, मांगों पर अड़े

गुरुग्राम में वन विभाग के कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर रविवार को हरियाणा के कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह के सिविल लाइन स्थित आवास का घेराव किया। बड़ी संख्या में वन विभाग के कर्मचारी जुलूस की शक्ल में मंत्री के आवास के बाहर पहुंचे और अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से उनकी कई मांगें लंबित हैं, लेकिन सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस समाधान नहीं किया गया है।

प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में संविदा कर्मचारियों को नियमित करना और समान काम-समान वेतन लागू करना शामिल है। कर्मचारियों ने कहा कि वे लगातार विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उन्हें स्थायी कर्मचारियों के समान सुविधाएं और वेतन लाभ नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने सरकार से जल्द उनकी मांगों पर विचार करने की अपील की। प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए। मंत्री आवास के आसपास बैरिकेडिंग कर दी गई, ताकि यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो। मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया। आम लोगों और वाहनों की आवाजाही बनाए रखने के लिए पुलिस ने कई रास्तों पर डायवर्जन किया और वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से निकाला गया। कर्मचारियों के प्रदर्शन के कारण क्षेत्र में कुछ समय के लिए तनावपूर्ण स्थिति बनी रही।

प्रशासन की ओर से प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों का जल्द समाधान नहीं किया गया तो वे आगे भी आंदोलन जारी रखेंगे। वन विभाग के कर्मचारियों ने कहा कि नियमितीकरण और समान वेतन जैसी मांगें लंबे समय से लंबित हैं।

दिल्ली यूनिवर्सिटी के एलएसआर हॉस्टल का कायाकल्प, आधुनिक सुविधाओं से लैस हुई बिल्डिंग

मरम्मत के बाद खुला एलएसआर कॉलेज हॉस्टल, छात्राओं को मिलेगा बेहतर आवासीय माहौल

एजेंसी, नई दिल्ली

एलएसआर कॉलेज हॉस्टल अब आधुनिक सुविधाओं से हुआ लैस

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के प्रतिष्ठित लेडी श्रीराम कॉलेज की छात्राओं के लिए अच्छी खबर है। लंबे समय से चल रहे मरम्मत और उन्नयन कार्य के पूरा होने के बाद कॉलेज के रेजिडेंस हॉल की पुनर्निर्मित हॉस्टल बिल्डिंग का शनिवार को विधिवत उद्घाटन कर दोबारा छात्राओं के लिए खोल दिया गया। इस पहल का उद्देश्य छात्राओं को सुरक्षित, आधुनिक और बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा कॉलेज परिसर के आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाना है। कॉलेज प्रशासन का कहना है कि नए स्वरूप में तैयार किया गया हॉस्टल छात्राओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है, ताकि उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ आरामदायक और सुविधाजनक वातावरण मिल सके।

पुनर्निर्मित हॉस्टल बिल्डिंग का उद्घाटन कॉलेज की गवर्निंग बॉडी की सदस्य वासवी भरत राम ने किया। इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्या प्रो. कनिका के. आहूजा, हॉस्टल वार्डन डॉ. उज्जयिनी रे,फैकल्टी सदस्य, कॉलेज के कर्मचारी, छात्राएं और उनके अभिभावक भी मौजूद रहे। उद्घाटन समारोह के दौरान अतिथियों ने नई सुविधाओं का निरीक्षण किया और छात्राओं के लिए तैयार किए गए आधुनिक ढांचे की सराहना की। कॉलेज प्रशासन ने बताया कि मरम्मत कार्य के दौरान सुरक्षा, स्वच्छता और सुविधा से जुड़े सभी पहलुओं का विशेष ध्यान रखा गया है। हॉस्टल भवन में व्यापक स्तर पर सुधार किए गए हैं। पूरी इमारत में वाटरप्रूफिंग का कार्य कराया गया है, जिससे बारिश के मौसम में सीलन और पानी रिसने जैसी समस्याओं से राहत मिलेगी। इसके अलावा बाथरूमों का पूरी तरह नवीनीकरण किया गया है और आधुनिक सुविधाओं से लैस नए बाथरूम तैयार किए गए हैं।

छात्राओं की सुविधा को देखते हुए कमरों और आवश्यक स्थानों पर एयर कंडीशनर भी लगाए गए हैं, जिससे गर्मी के मौसम में उन्हें अधिक आरामदायक वातावरण मिल सके। भवन की साफ-सफाई, रखरखाव और अन्य बुनियादी सुविधाओं को भी पहले की तुलना में बेहतर बनाया गया है। कॉलेज प्रशासन का मानना है कि बेहतर आवासीय सुविधाएं मिलने से छात्राओं का शैक्षणिक अनुभव और अधिक सकारात्मक होगा। सुरक्षित और आधुनिक हॉस्टल वातावरण उन्हें पढ़ाई, शोध और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों पर बेहतर ढंग से ध्यान केंद्रित करने में मदद करेगा। उद्घाटन समारोह के दौरान प्राचार्या ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना ही नहीं, बल्कि छात्राओं को उत्कृष्ट आवासीय और शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी कॉलेज परिसर के विकास और छात्र कल्याण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। नई सुविधाओं के साथ दोबारा शुरू हुआ यह हॉस्टल लेडी श्रीराम कॉलेज की छात्राओं के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है, जिससे उन्हें पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक और आधुनिक आवासीय वातावरण प्राप्त होगा।

बिजली-पानी की कमी से सूना पड़ा 61 साल पुराना इंटर कॉलेज

एजेंसी, नई दिल्ली

महाराजा सूरज मल इंटर कॉलेज, राजा मंडी जाट हाउस, आगरा की स्थिति शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। वर्ष 1965 में स्थापित यह निजी सहायता प्राप्त विद्यालय आज छात्रों की भारी कमी से जूझ रहा है। विद्यालय में कक्षा एक से पांच तक एक भी छात्र नामांकित नहीं है, जबकि कक्षा छह से दस तक केवल 11 छात्र ही पढ़ाई कर रहे हैं। वहीं 11वीं और 12वीं कक्षा में भी किसी छात्र ने प्रवेश नहीं लिया है। हैरानी की बात यह है कि इतने कम छात्रों के बावजूद विद्यालय में प्रधानाचार्य सहित कुल सात शिक्षक कार्यरत हैं। विद्यालय में पिछले लगभग 20 वर्षों से बिजली और पीने के पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। इन आवश्यक सुविधाओं की कमी के कारण अभिभावक अपने बच्चों का दाखिला यहां कराने से बच रहे हैं, जिससे हर साल नामांकन में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि विद्यालय में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और भवन का उचित रखरखाव किया जाए तो छात्रों की संख्या बढ़ सकती है।

हरिद्वार जा रहे गुरुग्राम के युवक नवीन की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत

एजेंसी, नई दिल्ली

गुरुग्राम के एक युवक की हरिद्वार जाते समय केएमपी एक्सप्रेसवे पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो गई। मृतक की पहचान नवीन के रूप में हुई है। वह अपने दोस्तों के साथ हरिद्वार में गंगा स्नान के लिए रवाना हुआ था। हादसा देर रात पिपली टोल प्लाजा के पास उस समय हुआ, जब सभी साथी रास्ते में लघुशंका के लिए अपनी कार सड़क किनारे खड़ी कर रुके थे। बताया जा रहा है कि कुछ लोग वाहन से नीचे उतर गए थे, जबकि नवीन कार के अंदर ही बैठा हुआ था। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आए एक अज्ञात वाहन ने उनकी खड़ी कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और अंदर बैठे नवीन की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के समय कार से बाहर खड़े उसके साथी बाल-बाल बच गए। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल वाहन की स्थिति का जायजा लिया।

नवीन के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान की जा सके। इस हादसे से मृतक के परिवार में शोक की लहर है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और आरोपी वाहन चालक की जल्द पहचान कर उसके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जम्मू-कश्मीर के युवा बनेंगे विकसित भारत की बड़ी ताकत : मनोज सिन्हा

उपराज्यपाल ने नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई और युवाओं की भागीदारी पर दिया जोर

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश के युवाओं को विकसित भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभानी होगी। उन्होंने युवाओं को देश की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि उन्हें नशे से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर में ड्रग्स और ड्रग तस्करों के लिए कोई जगह नहीं होगी।

श्रीनगर स्थित कृषि विश्वविद्यालय के शालीमार कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान' के शुभारंभ कार्यक्रम में उपराज्यपाल ने यह बात कही। इस अभियान का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से किया। सिन्हा ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल सख्त कार्रवाई से नहीं जीती जा सकती, बल्कि इसमें समाज की सक्रिय भागीदारी, जागरूकता, उपचार और पुनर्वास भी जरूरी है।

उन्होंने कहा कि भारत की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है। ऐसे में युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के युवा हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं और उनमें आगे बढ़ने का मजबूत संकल्प दिखाई देता है। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी के सामूहिक प्रयासों से ऐसा जम्मू-कश्मीर बनाया जाएगा, जहां नशे और तस्करी के लिए कोई स्थान नहीं होगा।

उपराज्यपाल ने वर्ष 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए नशा मुक्त भारत अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि नए

नशे के खिलाफ लड़ाई में समाज के हर वर्ग की भागीदारी जरूरी है

अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाकर उन्हें विकसित भारत की प्रगति का आधार बनाना है।

उन्होंने जम्मू-कश्मीर में 11 अप्रैल से 20 जुलाई तक चलाए गए नशा विरोधी अभियान की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान करीब 2300 एफआईआर दर्ज की गईं, जबकि 2600 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया। अभियान के तहत लगभग 1500 किलोग्राम नशीले पदार्थ जब्त किए गए।

मनोज सिन्हा ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों और प्रशासन ने नशा तस्करों तथा नार्को-टेरर नेटवर्क से जुड़े लोगों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान 331 से अधिक संपत्तियां जब्त की गईं, जबकि पुलिस और प्रशासन ने 200 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां अटैच की हैं।

उन्होंने कहा कि नशे के नेटवर्क को तोड़ने के लिए कई अन्य कदम भी उठाए गए हैं। अब तक 370 से अधिक ड्राइविंग लाइसेंस रद्द किए गए हैं और 750 से अधिक वाहनों का पंजीकरण रद्द किया गया है। इसके अलावा नशा तस्करी नेटवर्क से जुड़े संदिग्ध लोगों के 3000 से अधिक आधार कार्ड रद्द करने की सिफारिश की गई है।

उपराज्यपाल ने कहा कि ड्रग तस्करों और नार्को-टेरर इकोसिस्टम के खिलाफ सरकार की नीति पूरी तरह सख्त है। उन्होंने कहा कि नशे के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी, चाहे वे किसी भी प्रभाव या सुविधा का लाभ उठा रहे हों।

युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि नशे के खिलाफ अभियान को केवल सरकारी प्रयासों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। इसके लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। उन्होंने कहा कि माता-पिता, शिक्षक, धार्मिक संस्थाएं और सामाजिक संगठन मिलकर युवाओं को सही दिशा दिखा सकते हैं। जागरूकता अभियान के माध्यम से युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में लगातार जानकारी देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में युवाओं के लिए शिक्षा, खेल और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि वे अपनी ऊर्जा को सकारात्मक कार्यों में लगा सकें।

एनएच-44 खुलने के बाद यात्रियों को मिली बड़ी राहत

मौसम सुधरा, अमरनाथ यात्रा बहाल; 3886 श्रद्धालुओं का जत्था जम्मू से हुआ रवाना

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। भारी बारिश और खराब मौसम के कारण अस्थायी रूप से रोकी गई अमरनाथ यात्रा रविवार को मौसम में सुधार के बाद फिर से बहाल कर दी गई। जम्मू के भगवती नगर स्थित आधार शिविर से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच श्रद्धालुओं का नया जत्था पवित्र गुफा के दर्शन के लिए रवाना हुआ।

बारिश और मलबा आने के कारण बंद हुए करीब 250 किलोमीटर लंबे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) की मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद यातायात के लिए खोल दिया गया है। इसके बाद यात्रियों की आवाजाही दोबारा शुरू हो सकी।

अधिकारियों के अनुसार, रविवार को सुबह 2 बजकर 52 मिनट पर भगवती नगर आधार शिविर से 3,886 श्रद्धालु 177 वाहनों के काफिले के साथ कश्मीर के बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना

◆ **बारिश से रुकी अमरनाथ यात्रा फिर चली, सुरक्षा घेरे में श्रद्धालु कश्मीर हुए रवाना**

हुए। इस जत्थे में 3,098 पुरुष, 673 महिलाएं, पांच बच्चे, 87 साधु, 22 साध्वियां और एक बाल साधु शामिल हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पूरे मार्ग पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। यात्रियों के काफिले के साथ सुरक्षा बलों की एस्कॉर्ट गाड़ियां भी तैनात की गई हैं। यात्रा के दौरान प्रशासन लगातार मौसम और मार्ग की स्थिति पर नजर रख रहा है।

श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पंजीकरण और टोकन वितरण से जुड़ी ऑफलाइन सेवाओं को भगवती नगर बेस कैंप में स्थानांतरित कर दिया है।

न्यूज ब्रीफ

कुलगाम हत्याकांड पर शिवसेना हिंदुस्तान ने जताया विरोध

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। शिवसेना हिंदुस्तान जम्मू-कश्मीर के प्रदेश अध्यक्ष पंडित राजेश केसरी ने कुलगाम में दीपक रात्रा और भूपिंदर कुमार की लक्षित हत्या की कड़ी निंदा की है। उन्होंने दोषी आतंकियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। राजेश केसरी ने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद और नशा तस्करी के जरिए भारत को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने आतंकियों और उनके समर्थकों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा देने की अपील की। उन्होंने सुरक्षा बलों के प्रयासों की सराहना करते हुए आतंकवाद के पूरे नेटवर्क को खत्म करने के लिए निर्णायक कार्रवाई की जरूरत बताई।

नटरंग के मंच से मिला नशामुक्त समाज का संदेश

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। नटरंग ने अपनी साप्ताहिक संडे थिएटर श्रृंखला के तहत हिंदी नाटक 'टूटते सपने' का मंचन किया। नाटक में युवाओं में बढ़ते नशे के खतरे, परीक्षा तनाव और सामाजिक समस्याओं को प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया गया। कृष्णेय भाटिया द्वारा संकलित और नीरज कांत के निर्देशन में तैयार इस नाटक में एक मां की भावनात्मक कहानी दिखाई गई, जिसकी बेटी डॉक्टर बनने का सपना देखती है। परीक्षा रद्द होने और गलत संगत में पड़ने के बाद वह नशे की लत का शिकार हो जाती है। नाटक ने नशे के गंभीर परिणामों और युवाओं के सपनों की रक्षा में परिवार व समाज की भूमिका को उजागर किया। अंत में कलाकारों ने नशा मुक्त भारत का संकल्प लिया।

हिमगिरी एक्सप्रेस की चपेट में आकर व्यक्ति की मौत

भारतेंदु संवाददाता, कठुआ। जिला कठुआ के राजबाग क्षेत्र में रविवार को ट्रेन हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार चानपुरा चंद्वा के पास करीब 11:17 बजे कठुआ से जम्मू जा रही हिमगिरि एक्सप्रेस की चपेट में आने से सतीश सिंह (40) पुत्र ओंकार सिंह निवासी चंद्वा, हीरानगर की मौके पर मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

नशा तस्कर मोहम्मद यासिर पीआईटी एनडीपीएस में भेजा जेल

भारतेंदु संवाददाता, कठुआ। नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने आदतन ड्रग तस्कर मोहम्मद यासिर के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने पीआईटी-एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए उसे कोट भलवाल केंद्रीय जेल जम्मू भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, लखनपुर थाना टीम ने मोहम्मद यासिर पुत्र मोहम्मद यूसुफ निवासी जगतपुर कठुआ को हिरासत में लिया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत पहले से तीन मामले दर्ज हैं और वह नशीले पदार्थों की तस्करी में संलिप्त रहा है।

कठुआ में शराब तस्करी का भंडाफोड़, आरोपी गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, कठुआ। नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बिलावर क्षेत्र में एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने डांबरा मोड़ इलाके में कार्रवाई के दौरान 55 बोतल अवैध शराब बरामद की। पुलिस के अनुसार, थाना बिलावर की टीम ने विशेष नाका लगाकर जांच की। इस दौरान डांबरा निवासी नरेंद्र कुमार पुत्र जिया लाल को पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 180 एमएल की 55 बोतल जेके एक्साइज स्पेशल व्हिस्की बरामद हुई।

अमित शाह वीडियो मामले में लद्दाख पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लेकर कथित रूप से आपत्तिजनक फेसबुक वीडियो पोस्ट करने के मामले में लद्दाख पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज की है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इंटरनेट मीडिया पर साझा किए गए कथित वीडियो को लेकर शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

◆ **आपत्तिजनक वीडियो मामले में योगेश परमार के खिलाफ जीरो एफआईआर दर्ज**

◆ **फेसबुक वीडियो विवाद में पुलिस ने जांच शुरू कर कार्रवाई की तेज**

पुलिस ने इंटरनेट मीडिया इन्फ्लुएंसर योगेश परमार के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। आरोप है कि फेसबुक पर साझा किए गए वीडियो में गृह मंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक, भड़काऊ और सामाजिक सौहार्द को प्रभावित करने वाली टिप्पणियां की गई थीं।

शिकायत में कहा गया है कि वीडियो सामग्री सार्वजनिक शांति और सामाजिक सद्भाव को नुकसान पहुंचा सकती है। इससे लोगों के बीच तनाव और विरोध की स्थिति पैदा होने की आशंका जताई गई है। अधिकारियों ने बताया कि जीरो एफआईआर किसी भी पुलिस थाने में दर्ज की जा सकती है, भले ही घटना उस थाना क्षेत्र के अधिकार क्षेत्र में न आती हो। बाद में मामले को जांच और आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित थाने में भेज दिया जाता है।

2017 से फरार महिला आरोपी बसोहली में गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, कठुआ। जम्मू-कश्मीर पुलिस कठुआ ने फरार आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए वर्ष 2017 से फरार चल रही एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने आरोपी महिला को बसोहली क्षेत्र से पकड़ा। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार महिला की पहचान भोली देवी पत्नी नीलम कुमार निवासी डोडला, तहसील बसोहली के रूप में हुई है। वह थाना बसोहली में दर्ज एफआईआर नंबर 16/2016 के मामले में वांछित थी। उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आरपीसी) की धारा 451 और 323 के तहत मामला दर्ज किया गया था।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी महिला लंबे समय से गिरफ्तारी से बच रही थी। उसके खिलाफ न्यायालय की ओर से वारंट भी जारी किए गए थे। पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 31 जुलाई 2026 को उसे गिरफ्तार कर लिया।

पांच दिन संघर्ष के बाद बुजुर्ग ने तोड़ा दम, लोगों में आक्रोश

बनिहाल में सड़क हादसे में बुजुर्ग की मौत, सुरक्षा पर उठे सवाल

भारतेंदु संवाददाता, बनिहाल। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर लैम्बर टोल प्लाजा के पास हुए सड़क हादसे में घायल 65 वर्षीय रिटायर्ड फॉरेस्ट गार्ड अब्दुल रशीद वानी की रविवार को मौत हो गई। वह पिछले पांच दिनों से श्रीनगर स्थित एसकेआईएमएस अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे थे। उनके निधन के बाद बनिहाल क्षेत्र में शोक के साथ-साथ लोगों में आक्रोश भी देखने को मिल रहा है।

जानकारी के अनुसार अशर गांव निवासी अब्दुल रशीद वानी पुत्र गुलाम नबी वानी 28 जुलाई को लैम्बर टोल प्लाजा के पास सड़क पार करते समय इनोवा वाहन की चपेट में आ गए थे। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिसके बाद उन्हें उपचार के लिए एसकेआईएमएस श्रीनगर भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों के प्रयासों के बावजूद रविवार सुबह उनका निधन हो गया।

इस हादसे से वानी परिवार की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। अब्दुल रशीद के छोटे भाई मोहम्मद शफी वानी भी करीब छह-सात महीने पहले बनिहाल शहर में हुए एक सड़क हादसे में घायल हुए थे और वर्तमान में एसकेआईएमएस में कोमा की स्थिति में उपचाराधीन हैं।

अब्दुल रशीद की मौत के बाद अशर, जेनहॉल और लैम्बर गांवों के लोगों में नाराजगी बढ़ गई है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि चार लेन हाईवे शुरू होने के बाद लैम्बर टोल प्लाजा और रेलवे चौक के बीच का क्षेत्र हादसों का केंद्र बन गया है।

कटड़ा किसानों ने जैविक खेती अपनाने में दिखाई रुचि

भारतेंदु संवाददाता, कटड़ा। परम्परागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) के तहत पंचायत भाग्था, कटड़ा में किसानों के लिए जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य किसानों को जैविक खेती के महत्व के बारे में जानकारी देना और टिकाऊ तथा पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना था।

◆ **पीकेवीवाई योजना के तहत किसानों को टिकाऊ खेती का संदेश दिया गया**

कार्यक्रम में कृषि अधिकारी राकेश शर्मा ने किसानों को संबोधित करते हुए जैविक खेती के लाभों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में रासायनिक उर्वरकों के अधिक उपयोग से मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। ऐसे में जैविक खेती अपनाकर किसान मिट्टी के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण उत्पादन भी प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि माइकोराइजा जैसे जैविक उत्पादों के इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है और

पौधों की विकास क्षमता में सुधार होता है। इसके अलावा रासायनिक खादों पर किसानों की निर्भरता कम होती है, जिससे खेती की लागत घटाने में भी मदद मिलती है। उन्होंने किसानों से पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक जैविक खेती अपनाने की अपील की।

प्यार का दावा कर युवती संग भागी शादीशुदा महिला

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू के सीमांत क्षेत्र अखनूर के छंब इलाके में एक युवती और शादीशुदा महिला के साथ चले जाने का मामला सामने आया है। दोनों ने इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो जारी कर दावा किया है कि वे अपनी इच्छा से साथ हैं और एक-दूसरे से प्रेम करती हैं।

जानकारी के अनुसार, दोनों के परिवारों ने संबंधित पुलिस थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। इसके बाद सामने आए वीडियो में दोनों ने अपने फैसले के बारे में जानकारी दी। वीडियो में शादीशुदा महिला ने कहा कि वह और युवती एक-दूसरे से बहुत प्यार करती हैं और अपनी मर्जी से साथ रह रही हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि वे घर से कोई सामान या पैसे लेकर नहीं आई हैं और किसी ने किसी को कोई लालच नहीं दिया है। वहीं, युवती ने वीडियो में कहा कि उसने अपने साथी को पाने के लिए काफी संघर्ष किया है और वह उसके बिना नहीं रह सकती।

संयुक्त सुरक्षाबलों की कार्रवाई में ओजीडब्ल्यू हथियारों सहित पकड़ा

बारामूला में सुरक्षाबलों की बड़ी कार्रवाई से आतंकी सहयोगी गिरफ्तार, हथियार और गोला-बारूद हुआ बरामद

भारतेंदु संवाददाता, बारामूला। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षाबलों ने आतंकी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक ओवर ग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) को गिरफ्तार किया है। सुरक्षाबलों ने उसके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार व्यक्ति आतंकी गतिविधियों में सहयोग करने के संदेह में पकड़ा गया है।

आरोपी की पहचान नंबलन शीरी निवासी एजाज अहमद गनी पुत्र मोहम्मद सुल्तान गनी के रूप में हुई है

अधिकारियों ने बताया कि नरवाव क्षेत्र के जंडफरान-गोरीवान क्रॉसिंग पर 46 राष्ट्रीय राइफल्स, पुलिस एसओजी, 53 बटालियन सीआरपीएफ और 112 बटालियन बीएसएफ के जवानों ने संयुक्त नाका लगाया था। इसी दौरान गोरीवान की ओर से आ रहा एक संदिग्ध व्यक्ति सुरक्षाबलों को देखकर अचानक भागने लगा। सुरक्षाबलों ने तुरंत कार्रवाई

◆ **नाके पर संदिग्ध को पकड़कर आतंकी नेटवर्क पर किया प्रहार**

करते हुए उसका पीछा किया और उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक कैमोफ्लाज्ड एमपी-5 टाइप पिस्तौल, 9 एमएम के 10 जिंदा कारतूस वाली एक मैगजीन, एक मोबाइल फोन और काला बैकपैक बरामद किया गया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान नंबलन शीरी निवासी एजाज अहमद गनी पुत्र मोहम्मद सुल्तान गनी के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पुलिस स्टेशन शीरी में कानून की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर नंबर 37/2026 दर्ज कर ली है।

कई घरों में दरारें आने से ग्रामीणों में बढ़ी चिंता

जमीन खिसकने से मेंढर में स्कूल और मकान हुए क्षतिग्रस्त

भारतेंदु संवाददाता, पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले की मेंढर तहसील के सरोती जबरान गांव में भारी भूस्खलन से बड़ा नुकसान हुआ है। लगातार जमीन खिसकने के कारण एक स्कूल और कई घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जबकि कई अन्य मकानों में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गई हैं। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में भय और चिंता का माहौल बना हुआ है।

स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले कई दिनों से गांव में जमीन धीरे-धीरे खिसक रही थी, लेकिन अब स्थिति गंभीर होती जा रही है। लगातार हो रहे भू-धंसाव के कारण कई परिवारों पर खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों को आशंका है कि यदि स्थिति पर जल्द नियंत्रण नहीं पाया गया तो आने वाले दिनों में और भी घर इसकी चपेट में आ सकते हैं।

प्रभावित परिवारों ने बताया कि घरों में लगातार बढ़ रही दरारों के कारण वे डर के माहौल में रह रहे हैं। उन्होंने प्रशासन और सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। ग्रामीणों ने अपील की है कि प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए जल्द कदम उठाए जाएं, ताकि किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान को रोका जा सके।

खेलक्रांति — पदक विजेताओं को छात्रवृत्ति, नकद पुरस्कार और बेहतर प्रशिक्षण की मिलेंगी सुविधाएं

लद्दाख खेल नीति-2026 मंजूर, खिलाड़ियों को मिलेंगे करोड़ों के पुरस्कार

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

लद्दाख में खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए बड़ा कदम उठाया गया है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने नई लद्दाख खेल नीति-2026 को मंजूरी दे दी है। इस नीति का उद्देश्य खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता, बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं और सम्मान देकर खेलों को करियर के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

नई नीति के तहत पहली बार पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को पदक हासिल करने की तारीख से मासिक छात्रवृत्ति देने का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही खिलाड़ियों को एकमुश्त नकद प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी। ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी को एक करोड़ रुपये का पुरस्कार देने का प्रावधान किया गया है।

यह नीति खिलाड़ियों, अभिभावकों और अन्य हितधारकों के साथ करीब दो महीने तक चर्चा के बाद तैयार की गई है। हाल ही में कई खिलाड़ियों और

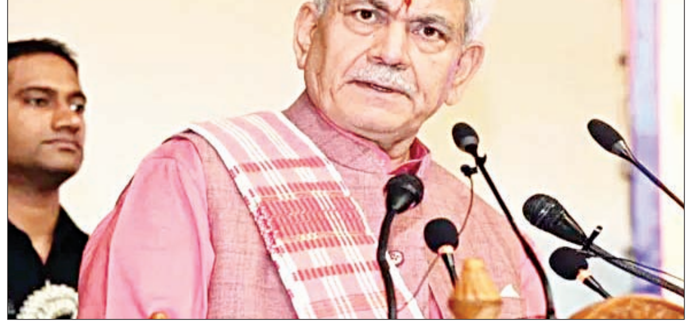

एडवेंचर स्पोर्ट्स समेत सभी खेलों को नीति में मिली जगह

अभिभावकों ने उपराज्यपाल से मुलाकात कर प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के खर्च से जुड़ी समस्याएं बताई थीं। इसके बाद ऐसी नीति तैयार करने के निर्देश दिए गए, जिससे खिलाड़ियों को पदक जीतने के बाद आर्थिक सहायता मिल सके।

नीति के अनुसार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों को 12 महीने तक हर माह एक लाख रुपये, रजत पदक विजेता को 80 हजार रुपये और कांस्य पदक विजेता को 60 हजार रुपये छात्रवृत्ति दी जाएगी। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 75 हजार रुपये, रजत को 50 हजार रुपये और कांस्य को 30 हजार रुपये प्रति माह मिलेंगे।

वहीं प्रदेश स्तर की प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक विजेता को 10 हजार रुपये, रजत विजेता को 7 हजार रुपये और कांस्य पदक विजेता को 5 हजार रुपये प्रति माह छात्रवृत्ति दी जाएगी। यदि कोई खिलाड़ी आगे उच्च स्तर पर पदक जीतता है तो उसकी छात्रवृत्ति स्वतः बढ़ जाएगी।

नई नीति में खिलाड़ियों के लिए पांच लाख रुपये से लेकर एक करोड़ रुपये तक की एकमुश्त नकद पुरस्कार राशि का भी प्रावधान किया गया है। ओलंपिक में स्वर्ण जीतने पर एक करोड़, रजत पर 75 लाख और कांस्य पर 50 लाख रुपये दिए जाएंगे। एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक विजेता को 50 लाख, रजत को 30 लाख और कांस्य को 25 लाख रुपये मिलेंगे।

राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी को 25 लाख, रजत को 15 लाख और कांस्य को 10 लाख रुपये पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा एडवेंचर स्पोर्ट्स को भी खेल नीति में शामिल किया गया है।

बादलों के बीच जारी रही वैष्णो देवी यात्रा, श्रद्धालुओं में उत्साह

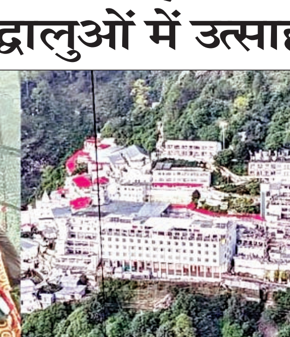

भारतेंदु संवाददाता, कटड़ा। मौसम में सुधार के बाद माँ वैष्णो देवी की यात्रा एक बार फिर सुचारू रूप से जारी है। रविवार को भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के माता के दरबार के लिए रवाना हुए। दिनभर आसमान में बादलों और धूप के बीच लुकाछिपी का दौर चलता रहा। वहीं त्रिकूट पर्वत पर छाए बादलों और ठंडी हवाओं ने मौसम को सुहावना बना दिया, जिससे श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान राहत मिली।

रविवार को श्रद्धालु कटड़ा पहुंचकर पंजीकरण करवाने के बाद परिवार और मित्रों के साथ माता के जयकारे लगाते हुए भवन की ओर बढ़ते रहे। भवन पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं ने माँ वैष्णो देवी के दिव्य दर्शन किए और इसके बाद रोपवे सेवा के माध्यम से भैरव घाटी पहुंचकर बाबा भैरवनाथ के दर्शन किए। श्रद्धालुओं ने धार्मिक आस्था और उत्साह के साथ अपनी यात्रा पूरी की।

कटड़ा से संचालित होने वाली हेलीकॉप्टर सेवा मौसम के कारण प्रभावित रही। दिन में कुछ समय के लिए ही हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध हो सकी, जबकि अधिकतर समय बादलों के कारण इसे संचालित नहीं किया जा सका। हालांकि बैटरी कार सेवा, रोपवे, घोड़ा, पिट्ठू और पालकी जैसी अन्य सुविधाएं श्रद्धालुओं के लिए नियमित रूप से उपलब्ध रहीं।

बरसात के मौसम को देखते हुए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड और प्रशासन ने यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया है।

न्यूज ब्रीफ

पंडोह में पुलिस भर्ती कोचिंग कैंप हुआ शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। तृतीय भारत आरक्षित वाहिनी पंडोह में हिमाचल प्रदेश पुलिस भर्ती कोचिंग कैंप का शुभारंभ किया गया। वाहिनी के कमांडेंट डॉ. कार्तिकियन गोकुलचंद्रन ने बताया कि पुलिस मुख्यालय शिमला के निर्देशानुसार यह प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि कैंप में कुल 717 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण करवाया है, जिसमें 475 पुरुष और 242 महिला अभ्यर्थी शामिल हैं। शिविर का उद्देश्य पुलिस आरक्षी भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं को शारीरिक दक्षता परीक्षा और लिखित परीक्षा के लिए निशुल्क व गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण उपलब्ध करवाना है। कैंप में अनुभवी पुलिस अधिकारी और प्रशिक्षक अभ्यर्थियों को दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद सहित विभिन्न शारीरिक गतिविधियों का प्रशिक्षण देंगे। साथ ही लिखित परीक्षा के लिए आवश्यक विषयों पर मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा। अधिकारियों ने युवाओं को अनुशासन, नियमित अभ्यास और आत्मविश्वास के साथ तैयारी करने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के निर्देश पर प्रदेश की सशस्त्र पुलिस वाहिनियों में ऐसे निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं।

केंद्र के समान लंबित एरियर भुगतान की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। हिमाचल प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ ने प्रदेश सरकार से कर्मचारियों और पेंशनरों को केंद्र सरकार के समान महंगाई भत्ता देने, छठे वेतन आयोग के लंबित एरियर का भुगतान करने तथा केंद्र सरकार के वेतनमान लागू करने की मांग उठाई है। महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष नरेश कुमार ने कहा कि प्रदेश के कर्मचारियों को केंद्र की तुलना में करीब 15 प्रतिशत कम महंगाई भत्ता मिल रहा है। उन्होंने मांग की कि इसे तुरंत समान किया जाए। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 में एरियर की केवल 50 हजार रुपये की किस्त जारी हुई थी, जबकि शेष राशि अभी लंबित है। महासंघ ने आठवें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशें भी प्रदेश में लागू करने की मांग की। मांगें पूरी न होने पर लोकतांत्रिक आंदोलन की चेतावनी दी गई।

छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव की दी जानकारी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। स्वास्थ्य विभाग ट्रहाई के सौजन्य से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पीरन में एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की 10 पात्र किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन लगाई गई। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ट्रहाई की चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिव्या वर्मा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि एचपीवी टीकाकरण का उद्देश्य किशोरियों में जागरूकता बढ़ाना और भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के मामलों को कम करना है। उन्होंने बताया कि एचपीवी वायरस महिलाओं में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर का प्रमुख कारण माना जाता है और किशोरावस्था में लगाया गया टीका अधिक प्रभावी होता है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर डुब्लू की सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी रानी ठाकुर ने छात्राओं को एचपीवी संक्रमण, बचाव के उपायों और टीकाकरण के लाभों की जानकारी दी। इस अवसर पर स्टाफ नर्स सपना ने सहयोग दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश वर्मा ने स्वास्थ्य विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण हैं।

शिमला के 10 चिन्हित स्थानों पर धरना-प्रदर्शन और सार्वजनिक बैठकों पर रोक

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जिला दंडाधिकारी शिमला अनुपम कश्यप ने सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए शिमला शहर के 10 चिन्हित स्थानों पर सार्वजनिक बैठक, धरना-प्रदर्शन, रैली और जुलूस निकालने पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह आदेश पंजाब राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1953 की धारा 6 के तहत जारी किए गए हैं। आदेश के अनुसार छोटा शिमला से रिज व कैनेडी हाउस क्षेत्र, रेंडेजवॉयस रेस्तरां से रिवोली सिनेमा तक, स्कैंडल पॉइंट से कालीबाड़ी मंदिर, छोटा शिमला गुरुद्वारा क्षेत्र, कार्ट रोड से मजीठा हाउस लिंक रोड, ए.जी. कार्यालय से कार्ट रोड, सीपीडब्ल्यूडी कार्यालय से चौड़ा मैदान सहित अन्य चिन्हित क्षेत्रों में बिना अनुमति सार्वजनिक कार्यक्रमों पर रोक रहेगी। इन क्षेत्रों में नारे लगाने, बैंड बजाने, प्रदर्शन करने और हथियार के रूप में इस्तेमाल की जा सकने वाली वस्तुएं ले जाने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। यह आदेश पुलिस, अर्धसैनिक और सैन्य कर्मियों पर लागू नहीं होगा। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रतिबंधित क्षेत्रों में किसी भी कार्यक्रम के लिए सक्षम प्राधिकारी से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और 30 सितंबर, 2026 तक प्रभावी रहेगा। उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बाहरी कामगारों का पुलिस थाने में पंजीकरण अनिवार्य

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जिला शिमला में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और अप्रिय घटनाओं की रोकथाम के लिए जिला दंडाधिकारी अनुपम कश्यप ने प्रवासी श्रमिकों, रेहड़ी-फड़ी, फेरी वालों और अन्य बाहरी कामगारों का पंजीकरण अनिवार्य कर दिया है। जारी आदेशों के अनुसार कोई भी नियोक्ता, ठेकेदार या व्यापारी बिना पुलिस सत्यापन के प्रवासी मजदूरों को रोजगार नहीं दे सकेगा। बाहरी कामगारों को पासपोर्ट आकार की फोटो सहित अपना पूरा विवरण संबंधित पुलिस थाने में जमा करवाना होगा। साथ ही मकान मालिकों को भी किरायेदारों की पहचान और पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला दंडाधिकारी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत यह आदेश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में बाहरी राज्यों से लोग रोजगार के लिए शिमला आते हैं और अस्थायी रूप से रहते हैं। किसी घटना की स्थिति में पहचान और जांच में आसानी के लिए यह व्यवस्था लागू की गई है। आदेशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत कार्रवाई की जा सकती है। यह आदेश 30 सितंबर, 2026 तक प्रभावी रहेंगे।

महिला मंडल ने गीतों से जगाई जागरूकता की अलख

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बढ़ते चिट्टे जैसे खतरनाक नशे के खिलाफ ग्रामीण स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। यह बात बिटिया फाउंडेशन की अध्यक्षा सीमा सांख्यान ने ग्राम पंचायत हरनोडा के बाबा बालक नाथ मंदिर खोर गांव में आयोजित जागरूकता शिविर के दौरान कही। रविवार को मां हडिंबा महिला मंडल खोर की महिलाओं ने नशे के खिलाफ अनूठी पहल करते हुए लोकगीतों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। महिलाओं ने बढ़ते नशे पर चिंता जताते हुए समाज से इससे दूर रहने का आह्वान किया। महिला मंडल प्रधान भारती देवी ने भावपूर्ण गीत प्रस्तुत कर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत किया। सीमा सांख्यान ने कहा कि नशे जैसी सामाजिक बुराई को खत्म करने की शुरुआत घर से होनी चाहिए और इसमें माताओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने नशे के खिलाफ प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग के कार्यों को सराहनीय बताया। इस अवसर पर भारती देवी, सोमा देवी, मीना देवी, निशा जय, लता, रीमा सहित अन्य ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं।

भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई करे सरकार : बिक्रम

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। पूर्व मंत्री व जसवां-परागपुर के विधायक बिक्रम ठाकुर ने कांग्रेस सरकार पर प्रतिशोध की राजनीति करने का आरोप लगाया है। रविवार को धर्मशाला में पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि सरकार को यदि एफआईआर दर्ज करनी है तो भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोपों से जुड़े मामलों में भी कार्रवाई करनी चाहिए। बिक्रम ठाकुर ने आरोप लगाया कि प्रदेश में तैनातियों और तबादलों को लेकर पैसे लेने की शिकायतें सामने आ रही हैं, लेकिन सरकार इन मामलों पर कार्रवाई करने के बजाय भाजपा नेताओं को निशाना बना रही है। उन्होंने धर्मपुर अवैध कटान, बघाट बैंक प्रकरण, विभागीय टेंडर प्रक्रिया, केसीसी बैंक मामलों, कुल्लू रेव पार्टी और फर्जी डिग्री मामले का उल्लेख करते हुए सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने मुख्यमंत्री पर लगे आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग भी की। विधायक ने कहा कि सरकार रोजगार देने के वादे को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा जल्द ही प्रदेश सरकार के खिलाफ तथ्यों पर आधारित चार्जशीट जनता के सामने रखेगी।

हरोली में प्रदेश के पहले ई-बस डिपो का शुभारंभ

मुकेश अग्निहोत्री बोले- हमीरपुर संसदीय क्षेत्र को मिलीं 115 इलेक्ट्रिक बसें

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, हरोली। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने रविवार को हरोली में हिमाचल पथ परिवहन निगम के प्रदेश के पहले ई-बस डिपो का लोकार्पण तथा एचआरटीसी के क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उन्होंने ई-चार्जिंग स्टेशन का शुभारंभ करने के साथ चार नई बस सेवाओं को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा हरोली-श्री चिंतपूर्णी बस सेवा शुरू करने की घोषणा की। इस अवसर पर हरोली बस अड्डा परिसर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में शामिल की जा रही 297 इलेक्ट्रिक बसों में से 115 इलेक्ट्रिक बसें हमीरपुर संसदीय क्षेत्र को मिली हैं। उन्होंने बताया कि हरोली स्थित प्रदेश के पहले ई-बस डिपो से 20 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जाएगा, जबकि पूरे ऊना जिले में 50 इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय परिवहन व्यवस्था और कनेक्टिविटी को नई मजबूती मिलेगी।

◆ बल्क ड्रग पार्क को 1000 करोड़, ऊना के पुराने बस अड्डे पर बनेगा सिटी सेंटर

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि महज दो वर्षों में आधुनिक बस अड्डे के निर्माण के बाद आज हरोली को क्षेत्रीय कार्यालय एवं प्रदेश के पहले ई-बस डिपो के रूप में एक और महत्वपूर्ण सौगात मिली है। इसके साथ ही क्षेत्रवासियों का लंबे समय से संजोया गया ई-बस डिपो का सपना भी साकार हुआ है। उन्होंने कहा कि आधुनिक परिवहन सुविधाओं के विस्तार के साथ हरोली प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है। चिंतपूर्णी विधानसभा के विधायक सुदर्शन बबलू की मांग पर उपमुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अंब बस अड्डे का निर्माण एक वर्ष के भीतर पूरा कर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि लगभग 250 करोड़ रुपए की लागत से माता श्री चिंतपूर्णी मंदिर के जीर्णोद्धार का कार्य शीघ्र आरंभ किया जाएगा। उन्होंने प्रदेश तथा प्रदेश से बाहर रहने वाले माता के श्रद्धालुओं से इस पुनीत कार्य में उदारतापूर्वक योगदान देने का आह्वान किया, ताकि इस परियोजना को और अधिक भव्य स्वरूप दिया जा सके। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हरोली में विकसित किए जा रहे बल्क ड्रग पार्क के लिए प्रदेश सरकार 1000 करोड़ रुपए उपलब्ध कराएगी। उन्होंने घोषणा की कि ऊना के पुराने बस अड्डे को आधुनिक सिटी सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त जिले में एक टायर रिट्रेडिंग प्लांट भी स्थापित किया जाएगा।

कांगड़ा में भी बनेगा ई-बस डिपो

अग्निहोत्री ने बताया कि ठियोग, नाहन और नादौन में भी ई-बस डिपो स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने हिमाचल पथ परिवहन निगम के उपाध्यक्ष अजय वर्मा के आग्रह पर कांगड़ा में भी ई-बस डिपो स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सोमवार को ऊना से भी इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अब प्रदेश का पहला ई-बस डिपो भी हरोली में बन गया है। विरोधी भी सोच रहे होंगे कि यह कैसे हो गया। जिन्हें विकास से परहेज़ है उनको हर अच्छे काम से पीड़ा होती है।

खेलो इंडिया को 36441 करोड़ बजट, मोदी सरकार का ऐतिहासिक कदम: नरेंद्र अत्री

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 31 जुलाई 2026 को संशोधित खेलो इंडिया योजना को मंजूरी देना, खेलों के उत्थान की दृष्टि से एक ऐतिहासिक कदम है। यह बात हिमाचल प्रदेश ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष एवं भाजपा के प्रदेश सचिव रहे नरेंद्र अत्री ने एचपीसीए सब सैंटर हमीरपुर में चल रही क्रिकेट सीरीज के दौरान खिलाड़ियों को किट वितरण कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि कही।

नरेंद्र अत्री ने बताया कि इस योजना के तहत 36441 करोड रुपए का प्रावधान वित्त वर्ष 2026-27 से लेकर वित्त वर्ष 2030 -31 तक के लिए किया गया है। इसका उद्देश्य भारत को जो 2036 तक शीर्ष 10 खेल राष्ट्रों में और 2047 तक शीर्ष पांच खेल राष्ट्रों में शामिल करना है। खेलो इंडिया मिशन को अगले 10 वर्ष की व्यापक खेल विकास योजना के रूप में विकसित किया गया है।

इसमें जिला स्तर तक खेल अवसंरचना, प्रशिक्षण केंद्र, खेल विज्ञान, पोषण एवं खेल मनोविज्ञान पर विशेष जोर दिया जाएगा। नरेंद्र अत्री ने कहा कि एचपीसीए ने अनुराग ठाकुर की अगुवाई में जहां दुनिया भर के क्रिकेट जगत में एक विशेष पहचान बनाई है, वही जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों को सुविधा व प्रशिक्षण देने की दिशा में भी प्रशंसनीय कार्य किया है। इस मौके पर भाजपा खेल प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश संयोजक अनिल परमार, प्रदेश फुटबॉल संघ के कोषाध्यक्ष व सब सेंटर प्रशिक्षक नरेश राणा, प्रशिक्षक प्रवीण शर्मा आदि विशेष तौर पर मौजूद रहे।

राजेश धर्माणी बोले- घुमारवीं में मजबूत होगी बिजली व्यवस्था, करोड़ों के प्रोजेक्ट शुरू

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर में बिजली व्यवस्था को मजबूत और आधुनिक बनाने के लिए बड़े स्तर पर विकास कार्य किए जा रहे हैं। नगर एवं ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा कि प्रदेश सरकार विद्युत अधोसंरचना के विस्तार और आधुनिकीकरण को प्राथमिकता दे रही है, ताकि उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध हो सके।

उन्होंने बताया कि घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र में नए विद्युत उपकेंद्रों की स्थापना, 33 केवी लाइनों के निर्माण व उन्नयन, वितरण ट्रांसफार्मरों की स्थापना और क्षमता वृद्धि जैसे कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। घुमारवीं में 33/11 केवी क्षमता के 2*6.30 एमवीए विद्युत उपकेंद्र की स्थापना के लिए 1204.12 लाख रुपए की योजना स्वीकृत हो चुकी है। राजेश धर्माणी ने बताया कि बम्म में 33/11 केवी क्षमता के 2*3.15 एमवीए विद्युत उपकेंद्र का निर्माण कार्य जारी है, जिसे अक्तूबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं, बडोल देवी में करीब 16 करोड़ रुपये की लागत से 33 केवी विद्युत उपकेंद्र स्थापित करने की मंजूरी मिल चुकी है। इसके बनने से अमरपुर, पनौल, भगेड़ सहित करीब 70 क्षेत्रों को लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र में अब तक 16 नए वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि 22 ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाई गई है। इन कार्यों से कम वोल्टेज और ओवरलोडिंग की समस्या में कमी आएगी। उन्होंने बताया कि कंदरौर से कांगू तक 33 केवी लाइन की रिकंडक्टिरिंग का कार्य जारी है। इसके अलावा कोटला (बिझड़) से झबोला (झंडूत्ता) तक नई 33 केवी लाइन का निर्माण भी प्रगति पर है। एम्स से भगेड़ और एम्स से बडोल देवी तक दो नई 33 केवी लाइनों का प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिसकी अनुमानित लागत करीब 10 करोड़ रुपए है।

60 नए ट्रांसफार्मर होंगे स्थापित

मंत्री ने कहा कि पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत अगले छह माह में घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र में 60 नए वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित किए जाएंगे और 55 ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि की जाएगी। इससे बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार होगा और उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार आधुनिक तकनीक और योजनाबद्ध निवेश के माध्यम से प्रदेश की विद्युत व्यवस्था को लगातार सशक्त बना रही है।

नूरपुर में 1.14 ग्राम चिट्टे सहित दो व्यक्ति गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, नूरपुर। पुलिस जिला नूरपुर द्वारा नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना फतेहपुर पुलिस टीम द्वारा एक गाड़ी से चिट्टा बरामद किया गया है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस टीम द्वारा झिकला मोच, शनिदेव मंदिर के समीप नाकाबंदी व वाहन चैकिंग की जा रही थी। इस दौरान गाड़ी नंबर एचपी22सी-3103 की तलाशी लेने पर उसमें सवार दो व्यक्तियों के कब्जे से 1.14 ग्राम चिट्टा/हैरोइन बरामद हुआ। इस संबंध में थाना फतेहपुर में एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों की पहचान संजय शर्मा, पुत्र परस राम, निवासी गांव चुलाड़, डाकघर जखाड़ा, तहसील फतेहपुर, जिला कांगड़ा तथा अभिषेक कुमार, पुत्र स्व. प्रभात पठानिया, निवासी गांव रंडोह, डाकघर सुनेत, तहसील फतेहपुर, जिला कांगड़ा के रूप में हुई है। मामले में आरोपियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई अम्ल में लाई गई है। प्रारंभिक पूछताछ के उपरांत दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

बिलासपुर में लड़ाई-झगड़े के तीन मामले दर्ज

भारतेनदु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर पुलिस ने लड़ाई-झगड़े, मारपीट, गाली-गलौज और तोड़फोड़ के तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। पुलिस अधीक्षक बिलासपुर अभिषेक धीमान ने यह जानकारी दी। पुलिस थाना झंडूता में अजय कुमार निवासी गांव पोली-पंजीण की शिकायत पर राकेश, दिनेश और मनोज कुमार निवासी थुराहण के खिलाफ रास्ता रोकने, गाली-गलौच करने, जान से मारने की धमकी देने और मारपीट के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। वहीं, पुलिस थाना सदर में कुशल चंद निवासी बिलासपुर की शिकायत पर अमित, रिंकू उर्फ अमीर खान सहित अन्य के खिलाफ झगड़ा करने, रास्ता रोकने, गाली-गलौज, मारपीट करने तथा मकान और स्कूटी के शीशे तोड़ने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। एक अन्य मामले में विनय कुमार निवासी बिलासपुर की शिकायत पर कुशल चंद और अमित किशोर के खिलाफ गाली-गलौज और वाहन का शीशा तोड़ने के आरोप में कार्रवाई की जा रही है।

उद्घोषित अपराधी कुफरी से काबू अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेजा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला पुलिस ने उद्घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसे पहले ही न्यायालय उद्घोषित अपराधी घोषित कर चुका था। पुलिस के अनुसार आरोपी को कुफरी क्षेत्र से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे छह अगस्त तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान रतना दास के रूप में हुई है। वह नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट से जुड़े एक मामले में वांछित था। इस मामले में न्यायालय ने छह दिसंबर 2024 को उसे उद्घोषित अपराधी घोषित किया था। न्यायालय की ओर से उद्घोषणा जारी होने के बाद भी आरोपी लगातार निर्धारित तिथियों पर अदालत में पेश नहीं हो रहा था। जिला पुलिस शिमला के अभियान के तहत पुलिस थाना ढली की टीम ने आरोपी की तलाश जारी रखी। जांच के दौरान पुलिस को उसके कुफरी क्षेत्र में होने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए एक अगस्त 2026 को उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। न्यायालय ने उसे छह अगस्त तक न्यायिक हिरासत में भेजने के आदेश दिए।

इसके बाद आरोपी को उप-जेल कैथू भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि न्यायालय के निर्देश पर आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 209 के तहत एक नया मामला भी दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई न्यायालय की उद्घोषणा के बावजूद निर्धारित तिथियों पर उपस्थित नहीं होने के संबंध में की गई है। पुलिस का कहना है कि इस मामले की जांच जारी है। जिला पुलिस शिमला का कहना है कि उद्घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाया जा रहा अभियान आगे भी जारी रहेगा और न्यायालय से बचने की कोशिश करने वाले आरोपियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

आप ने शुरू किया हिमाचल जोड़ो सदस्यता अभियान

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। आम आदमी पार्टी ने हिमाचल प्रदेश में संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से सदस्यता अभियान की शुरुआत की है। बिलासपुर विधानसभा इकाई की ओर से कॉलेज चौक पर कनोपी और पार्टी बैनर लगाकर लोगों से पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने की अपील की गई। सर्किट हाउस में पत्रकारों को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष नंदलाल चंदेल ने बताया कि 'आम आदमी पार्टी हिमाचल जोड़ो सदस्यता अभियान' के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को पार्टी की विचारधारा और नीतियों से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में हिमाचल प्रदेश में आम आदमी पार्टी की सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली और पंजाब की तर्ज पर हिमाचल में भी शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, सड़क और रोजगार जैसे मुद्दों पर योजनाबद्ध विकास कार्य करवाने का प्रयास किया जाएगा। नंदलाल चंदेल ने बताया कि 6 अगस्त को झंडुता विधानसभा क्षेत्र में आम आदमी पार्टी हिमाचल प्रदेश प्रभारी ऋतुराज कार्यकर्ताओं की सभा को संबोधित करेंगे।

हिमाचल के 45 हजार सेब बागवानों को राहत, एक सप्ताह में शुरू होगा एमआईएस का बकाया भुगतान

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के हजारों सेब बागवानों का लंबे समय से चला आ रहा इंतजार अब खत्म होने की ओर है। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमआईएस) योजना के तहत खरीदे गए सेब का बकाया भुगतान अगले एक सप्ताह के भीतर शुरू होने की तैयारी पूरी कर ली गई है। राज्य सरकार ने इसके लिए जरूरी धनराशि उपलब्ध करा दी है और अब भुगतान सीधे बागवानों के बैंक खातों में भेजा जाएगा। जानकारी के अनुसार वित्त विभाग ने एमआईएस भुगतान के लिए 19.5 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि जारी की है।

इसके बाद बागवानी विभाग ने लाभार्थियों का आवश्यक डाटा तैयार कर लिया है। विभाग अब डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) प्रणाली के माध्यम से भुगतान की प्रक्रिया शुरू करेगा। विभागीय तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं और जैसे ही डीबीटी प्रक्रिया पूरी होगी, बकाया राशि किसानों के खातों में भेजनी शुरू कर दी जाएगी। प्रदेश के विभिन्न जिलों के करीब 45 हजार बागवानों को एमआईएस के तहत खरीदे गए सेब का भुगतान किया जाना है। इनमें से लगभग नौ हजार बागवानों को पहले ही उनकी लंबित राशि मिल चुकी है। अब शेष लाभार्थियों के खातों में भुगतान डीबीटी के माध्यम से किया जाएगा। सरकार ने भुगतान की प्रक्रिया में छोटे और सीमांत बागवानों को प्राथमिकता देने का फैसला किया है। सबसे पहले उन किसानों का बकाया जारी किया जाएगा जिनकी आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर है। इसके बाद अन्य पात्र बागवानों के खातों में भी चरणबद्ध तरीके से राशि भेजी जाएगी। यह पहली बार नहीं है जब सरकार ने एमआईएस भुगतान के लिए धनराशि जारी की है। इससे पहले भी 33 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं, अब 19.5 करोड़ रुपए की नई राशि मिलने के बाद लंबे समय से अटके भुगतान का रास्ता साफ हो गया है। इससे बड़ी संख्या में सेब उत्पादकों को आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है। पिछले सीजन में राज्य सरकार ने एमआईएस योजना के तहत बागवानों से 12 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से निम्न गुणवत्ता के सेब खरीदे थे। खरीद पूरी होने के बाद कई किसानों को समय पर भुगतान नहीं मिल पाया था। इसके चलते बागवान लगातार अपनी बकाया राशि जारी करने की मांग कर रहे थे। अब सरकार की ओर से अतिरिक्त धनराशि जारी होने के बाद भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है।

डीबीटी से होगा एमआईएस भुगतान

सरकार ने इस बार पूरी भुगतान व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और तेज बनाने के लिए डीबीटी प्रणाली अपनाई है। इस व्यवस्था के तहत राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंचेगी। इससे भुगतान में अनावश्यक देरी और अन्य तकनीकी दिक्कतों की संभावना भी कम रहने की उम्मीद है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार लाभार्थियों के बैंक खातों और अन्य जरूरी विवरण का सत्यापन पूरा होने के साथ ही भुगतान की गति और तेज होगी।

कार्यक्रम एनआईटी हमीरपुर से 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान' का आगाज

हमीरपुर में युवाओं ने लिया नशामुक्ति का संकल्प

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। युवा कार्यक्रम व खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत जिला हमीरपुर द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) हमीरपुर में 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से देशभर के युवाओं को संबोधित करते हुए अभियान का शुभारंभ किया तथा नशा-मुक्त भारत के निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

अभियान के शुभारंभ अवसर पर देशभर के लगभग 10,000 स्थानों से एक करोड़ से अधिक युवा वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े। इनमें माय भारत एवं एनएसएस स्वयंसेवक, युवा क्लबों के सदस्य, विद्यालयों, महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी तथा विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। प्रधानमंत्री के संबोधन के उपरांत सभी प्रतिभागियों ने 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प' की शपथ ग्रहण की तथा नशे से दूर रहकर स्वस्थ, जिम्मेदार एवं जागरूक नागरिक बनने का संकल्प लिया।

हमीरपुर में आयोजित कार्यक्रम में प्रो. एचएम सूर्यवंशी, निदेशक, एनआईटी हमीरपुर, डॉ. अर्चना संतोष नानोटी, रजिस्ट्रार, डॉ. प्रदीप सिंह, एसोसिएट डीन (स्टूडेंट वेलफेयर), डॉ. संदीप कुमार, फैकल्टी इंचार्ज, नशा मुक्त भारत अभियान तथा जिला युवा अधिकारी दीपमाला ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहीं। सभी अतिथियों ने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा समाज में जन-जागरूकता फैलाकर नशा उन्मूलन में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि इस अभियान के अंतर्गत आगामी 100 सप्ताह तक प्रत्येक रविवार देशभर के जिलों में सांस्कृतिक, खेल, फिटनेस, माइंडफुलनेस, जन-जागरूकता एवं सामुदायिक सहभागिता से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही लोकगीत, मूक अभिनय, शॉर्ट फिल्म एवं रील निर्माण, पेंटिंग, वाद-विवाद तथा स्लोगन लेखन जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी, जिनके जिला स्तरीय विजेता राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। अभियान के अंतर्गत पदयात्राएं, खेल एवं फिटनेस कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, विशेषज्ञों द्वारा परामर्श सत्र, ग्राम स्तर पर 'नशा मुक्त संकल्प सभाएं', सोशल मीडिया जागरूकता अभियान तथा अभिभावकों के लिए संवेदनशीलता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। साथ ही, माय भारत पोर्टल पर उपलब्ध ई-प्लेज के माध्यम से युवा एवं नागरिक नशा-मुक्त भारत के निर्माण के लिए अपना संकल्प भी दर्ज कर सकेंगे।

इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी दीपमाला ठाकुर ने जिले के सभी युवाओं, स्वयंसेवकों, शैक्षणिक संस्थानों, युवा क्लबों एवं नागरिकों से इस जन-आंदोलन का सक्रिय हिस्सा बनने का आह्वान करते हुए कहा कि 'नशा-मुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति हैं।' उन्होंने सभी से माय भारत के माध्यम से इस अभियान से जुड़कर नशा-मुक्त, स्वस्थ एवं सशक्त समाज के निर्माण में अपना सक्रिय योगदान देने की अपील की।

हैंडपंप योजना में अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच हो ठेकेदार को किया जाए ब्लैकलिस्ट: कमल गौतम

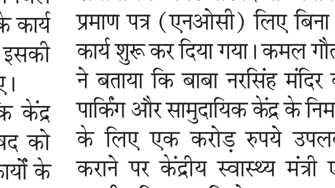

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष कमल गौतम ने केंद्र सरकार की ओर से नगर परिषद को मिलने वाली वार्षिक अनुदान राशि के उपयोग को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। शनिवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने आरोप लगाया कि पेयजल योजना के तहत हैंडपंप लगाने के कार्य में अनियमितताएं हुई हैं और इसकी निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए।

कमल गौतम ने बताया कि केंद्र सरकार प्रत्येक वर्ष नगर परिषद को पेयजल योजना और सीवरेज कार्यों के लिए तीन करोड़ रुपए की ग्रांट उपलब्ध कराती है। नगर परिषद के पार्षदों ने प्रत्येक वार्ड में दो-दो हैंडपंप लगाने का प्रस्ताव तैयार किया था, लेकिन जल शक्ति विभाग व ठेकेदार ने निर्धारित स्थानों पर हैंडपंप स्थापित नहीं किए। उन्होंने आरोप लगाया कि हाइड्रोलॉजिस्ट की रिपोर्ट के साथ-साथ नगर परिषद के एसडीओ और कनिष्ठ अभियंता की रिपोर्ट को भी नजरअंदाज किया गया, जिससे केंद्र सरकार की राशि का दुरुपयोग हुआ। उन्होंने मांग की कि संबंधित ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट किया जाए तथा जल शक्ति विभाग को दी गई धनराशि नगर परिषद को वापस की जाए, ताकि उसका सही उपयोग किया जा सके। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नगर परिषद से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लिए बिना ही कार्य शुरू कर दिया गया। कमल गौतम ने बताया कि बाबा नरसिंह मंदिर की पार्किंग और सामुदायिक केंद्र के निर्माण के लिए एक करोड़ रुपये उपलब्ध कराने पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री एवं स्थानीय विधायक त्रिलोक जमवाल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नगर परिषद के प्रत्येक वार्ड में 300 स्ट्रीट लाइट लगाने तथा प्रत्येक वार्ड के विकास कार्यों पर 15 लाख रुपए खर्च करने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बिलासपुर की 100 करोड़ रुपए की सीवरेज परियोजना के कार्यों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाते हुए इसकी निगरानी और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष जामुन देवी, उपाध्यक्ष नरेंद्र पंडित तथा पार्षद अजय सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

लुज़ान कोएट्ज़ी का खूबसूरत अंदाज

अमेरिका। लुज़ान कोएट्ज़ी दक्षिण अफ्रीका की प्रसिद्ध पैरा एथलीट हैं। उन्होंने दौड़ में शानदार उपलब्धियां हासिल कीं। अपनी मेहनत, आत्मविश्वास और संघर्ष से उन्होंने खेल जगत में प्रेरणादायक पहचान बनाई है।

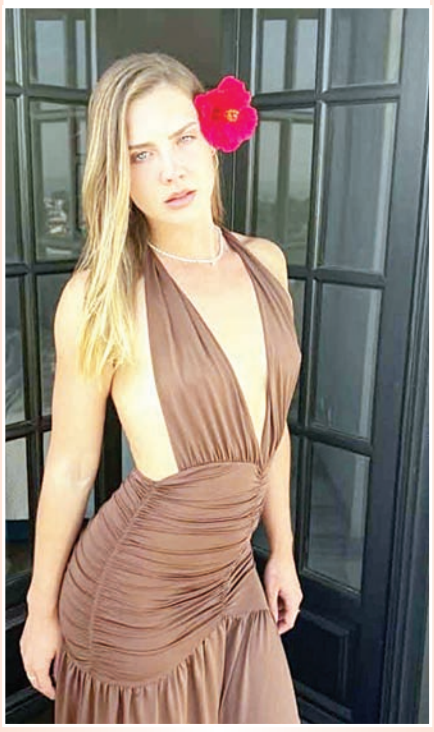

भारत-मलेशिया जूनियर हॉकी सीरीज सात अगस्त से

बेंगलुरु में जूनियर हॉकी का रोमांच, भारत और मलेशिया के बीच होंगे आठ मुकाबले

एजेंसी, बेंगलुरु

भारत सात से 13 अगस्त तक बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के नेताजी सुभाष दक्षिणी केंद्र में मलेशिया की अंडर-21 पुरुष हॉकी टीम की मेजबानी करेगा। इस दौरान दोनों देशों के बीच आठ मैचों की रोमांचक सीरीज खेली जाएगी। सीरीज के तहत मलेशिया की अंडर-21 टीम भारतीय जूनियर पुरुष टीम के खिलाफ पांच मुकाबले खेलेगी, जबकि तीन मैच साई की टीम के साथ होंगे। यह सीरीज दोनों देशों की युवा टीमों के लिए आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारियों को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर मानी जा रही है। भारतीय जूनियर टीम इस सीरीज के माध्यम से अपने खेल संयोजन, फिटनेस, रणनीति और टीम तालमेल को और बेहतर बनाने का प्रयास करेगी। दूसरी ओर मलेशियाई टीम भी मजबूत भारतीय चुनौती का सामना कर अपनी तैयारियों को परखेगी। लगातार प्रतिस्पर्धी मुकाबलों से खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव मिलेगा, जिससे भविष्य के बड़े टूर्नामेंटों में प्रदर्शन सुधारने में मदद मिलेगी। भारतीय खेल प्राधिकरण की ओर से इस सीरीज के आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बेंगलुरु का साई केंद्र लंबे समय से राष्ट्रीय शिविरों और अंतरराष्ट्रीय स्तर के मुकाबलों की मेजबानी करता रहा है। दोनों टीमों के बीच होने वाले मुकाबलों से युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। साथ ही भारत और मलेशिया के बीच खेल संबंधों को भी नई मजबूती मिलेगी। हॉकी प्रेमियों की नजरें अब इस बहुप्रतीक्षित सीरीज पर टिकी हैं, जहां युवा खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से भविष्य की राष्ट्रीय टीमों में जगह बनाने का दावा मजबूत करने का प्रयास करेंगे।

◆ बेंगलुरु बनेगा भारत-मलेशिया हॉकी मुकाबलों का गवाह

17 वर्षीय तन्वी ने जीता ताइपे ओपन सुपर-300 का खिताब

एजेंसी, ताइपे (ताइवान)

भारत की 17 वर्षीय उभरती बैडमिंटन स्टार तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन सुपर-300 बैडमिंटन टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। रविवार को खेले गए फाइनल में तन्वी ने वियतनाम की थुई लिन्ह गुयेन को सीधे गेमों में 21-16, 21-16 से हराकर अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब अपने नाम किया।

महज 36 मिनट तक चले मुकाबले में तन्वी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और अनुभवी वियतनामी खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया। इस शानदार जीत के साथ उन्होंने अपने करियर की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की। पिछले साल यूएस ओपन सुपर-300 में उपविजेता रहीं तन्वी ने इस बार खिताब जीतकर साबित कर दिया कि वह भारतीय बैडमिंटन की अगली बड़ी स्टार बनने की राह पर हैं। उनके खेल में लगातार आक्रामकता और निरंतरता साफ दिखाई दी।

भारतीय बैडमिंटन संघ (बाएआई) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर तन्वी की उपलब्धि की सराहना करते हुए लिखा, 17 साल की उम्र... रिकॉर्ड तोड़ने वाली... चैंपियन! तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन 2026 जीतकर टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे युवा चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। साथ ही वह सुपर-300+ खिताब जीतने वाली भारत की चौथी महिला एकल खिलाड़ी भी बन गई हैं।' तन्वी ने फाइनल में पहुंचने से पहले सेमीफाइनल में चीनी ताइपे की हुआंग यू-हसुन को 21-17, 21-11 से हराया था। तन्वी शर्मा की यह ऐतिहासिक जीत भारतीय बैडमिंटन के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है और आने वाले वर्षों में उनसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और भी शानदार प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

स्पोर्ट्स विंडो

बुमराह श्रीलंका टेस्ट सीरीज से बाहर, घुटने की चोट बनी वजह

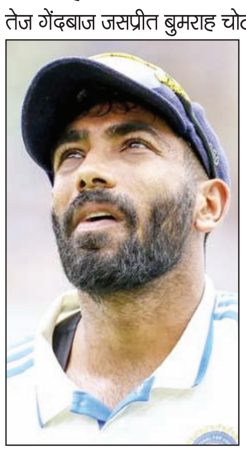

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम को श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोट के कारण दो मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मुकाबला 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा। बुमराह पिछले कुछ समय से बाएं घुटने की चोट से जूझ रहे हैं और बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में उनका पुनर्वास जारी है। मेडिकल टीम ने उनकी स्थिति को देखते हुए अभी मैदान पर वापसी नहीं करने की सलाह दी है। उन्हें पूरी तरह फिट होने तक आराम दिया जाएगा। बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान चोटिल हुए थे। सीरीज के आखिरी वनडे मुकाबले में वह हिस्सा नहीं ले सके थे। हालांकि, बीसीसीआई की ओर से इस मामले में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है। भारतीय टीम को उम्मीद है कि बुमराह जल्द फिट होकर वापसी करेंगे।

कोलंबस क्रू ने मेजर लीग सॉकर में मियामी को बराबरी पर रोका, मेस्सी की वापसी

एजेंसी, मियामी। ब्रेस मेंडेज ने मेजर लीग सॉकर में पदार्पण करते हुए अंतिम लम्हों में गोल दाग कर जिससे कोलंबस क्रू ने इंटर मियामी को 2-2 से बराबरी पर रोक दिया। शनिवार को हुए इस मैच में कोलंबस ने मियामी के लगातार छह मैच में जीत के क्रम को भी तोड़ दिया। मियामी ने हालांकि अपने पिछले सात मैच नहीं गंवाए हैं। मेंडेज ने 84वें मिनट में फ्री किक पर गोल दागकर कोलंबस को बराबरी दिलाई। अर्जेंटीना को अपनी कप्तानी में लगातार दूसरी बार विश्व कप फाइनल में जगह दिलाने वाले लियोनल मेस्सी मियामी की ओर से 53वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरे। उन्हें गोल करने के कई मौके मिले लेकिन सफलता नहीं मिली। कोलंबस को पहले हॉफ में आत्मघाती गोल का भी फायदा मिला। मियामी के लिए लुई सुआरेज ने 16वें मिनट जबकि नोह एलेन ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में गोल दागा।

एमेजॉन वॉरियर्स ने लगातार दूसरी बार जीता जीएसएल खिताब

एजेंसी, गयाना। ड्वेन प्रिटोरियस (तीन विकेट और 17 रन) के ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत गयाना एमेजॉन वॉरियर्स ने फाइनल मुकाबले में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स को छह रनों से हराकर ग्लोबल सुपर लीग (जीएसएल) का खिताब अपने नाम किया। प्रिटोरियस को 'प्लेयर ऑफ द मैच' तथा सीरीज में 53 रन और 10 विकेट लेने वाले मोहम्मद नबी को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार मिला। ग्लोबल सुपर लीग (जीएसएल) 2026 के खिताबी मुकाबले में गयाना एमेजॉन वॉरियर्स ने फ्रेंचाइजी लीग फाइनल के सबसे छोटे लक्ष्य (86 रन) का बचाव करते हुए सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स को छह रनों से शिकस्त दी। यह एमेजॉन वॉरियर्स का लगातार दूसरा जीएसएल खिताब है। इस मैच में कुल 164 रन बने, जो कि किसी टी-20 फ्रेंचाइजी लीग फाइनल का न्यूनतम टोटल है। छह अन्य टी-20 फाइनल में इससे कम रन बने हैं, लेकिन वे या तो अंतरराष्ट्रीय या फिर घरेलू, राज्य या क्लब स्तर के फाइनल थे। फ्रेंचाइजी लीग फाइनल में ऐसा पहली बार हुआ।

गुलवीर ने 5000 मीटर में रचा इतिहास कांस्य जीतकर बनाया नया कीर्तिमान

एजेंसी, ग्लास्गो। ग्लास्गो में आयोजित प्रतियोगिता में भारतीय एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई ऐतिहासिक उपलब्धियां अपने नाम कीं। गुलवीर सिंह 5000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने। इससे पहले वह 10000 मीटर में रजत पदक जीत चुके थे और एक ही राष्ट्रमंडल खेल में एथलेटिक्स में दो पदक जीतने वाले भारत के पहले खिलाड़ी भी बन गए। पैरा एथलेटिक्स की एफ57 गोला फेंक स्पर्धा में सोमन राणा ने 13.40 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि शुभम जुयाल ने रजत पदक हासिल किया। पुरुष ट्रिपल जंप में प्रवीण चित्रावेल ने रजत और सेल्वा प्रभु तिरुमारन ने कांस्य पदक जीतकर भारत की झोली में दो और पदक डाले। हालांकि प्रियंका गोस्वामी 10,000 मीटर पैदल चाल में चौथे स्थान पर रहीं और रवीना अयोग्य घोषित कर दी गईं। पोल वॉल्ट और मिश्रित 4x400 मीटर रिले में भारतीय खिलाड़ी पदक से चूक गए, फिर भी एथलेटिक्स में भारत का यह प्रदर्शन यादगार रहा।

स्वदेश लौटे भारत के कॉमनवेल्थ हीरो

मीराबाई चानू और लवप्रीत सिंह के स्वदेश लौटते ही एयरपोर्ट पर जश्न, प्रशंसकों ने फूल-मालाओं से किया स्वागत

एजेंसी, नई दिल्ली

कॉमनवेल्थ खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय खिलाड़ियों का पहला दल रविवार को स्वदेश लौट आया। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर खिलाड़ियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दल में स्टार भारोत्तोलक साइखोम मीराबाई चानू और लवप्रीत सिंह सहित कई खिलाड़ी शामिल थे। बड़ी संख्या में पहुंचे खेल प्रेमियों ने फूल-मालाओं, तिरंगों और तालियों के साथ अपने चैंपियनों का अभिनंदन किया। एयरपोर्ट पर उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।

ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू ने महिलाओं के 49 किलोग्राम भार वर्ग में लगातार तीसरी बार कॉमनवेल्थ खेलों का स्वर्ण पदक जीतकर भारत का गौरव बढ़ाया। स्वदेश लौटने पर उन्होंने कहा कि मणिपुर की बेटी होने के नाते उन्हें देश के लिए स्वर्ण पदक जीतने पर गर्व है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय अपने कोच, सहयोगी स्टाफ और देशवासियों के निरंतर समर्थन को दिया। मीराबाई ने कहा कि प्रशंसकों का प्यार और विश्वास उन्हें आगे भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता रहेगा।

भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर देश की ताकत का परिचय दिया है। एयरपोर्ट पर मौजूद प्रशंसकों ने खिलाड़ियों के साथ तस्वीरें खिंचवाई और उनका उत्साह बढ़ाया। खिलाड़ियों ने भी सभी का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन का भरोसा दिलाया। भारतीय खेल जगत को उम्मीद है कि यही खिलाड़ी आगामी विश्व स्तरीय प्रतियोगिताओं और ओलंपिक में भी देश के लिए, नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे तथा भारत का नाम विश्वभर में रोशन करेंगे।

जर्सी विवाद पर श्रीजेश का जवाब, बोले- बाहर की आवाजें भूलो और पदक पर फोकस करो

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय हॉकी टीम के पूर्व महान गोलकीपर और मौजूदा कोच पीआर श्रीजेश ने विश्व कप से पहले जर्सी का रंग नीले से केसरिया किए जाने पर चल रहे विवाद को पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि टीम को मैदान से बाहर हो रही चर्चाओं पर ध्यान देने के बजाय 50 साल बाद विश्व कप में पदक जीतने के लक्ष्य पर पूरी तरह केंद्रित रहना चाहिए।

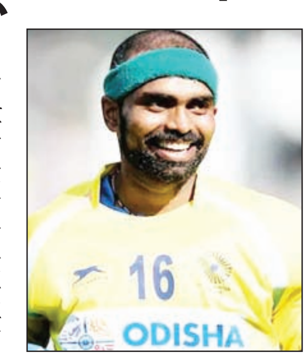

तोक्यो ओलंपिक 2020 और पेरिस ओलंपिक 2024 में भारतीय टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाने वाले श्रीजेश ने कहा कि 2014 और 2018 विश्व कप में भी जर्सी का रंग बदला गया था, तब इस तरह का विवाद नहीं हुआ। उन्होंने सवाल उठाया कि इस बार चर्चा रंग बदलने को लेकर है या फिर केसरिया रंग को लेकर। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें जर्सी का रंग बदलने से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन यह तर्क समझ से परे है कि नीली टर्फ पर नीली जर्सी पहनकर खेलने में परेशानी होती है। उनके अनुसार भारतीय टीम पिछले कई वर्षों से नीली जर्सी में ही अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेलती आई है, जिनमें तोक्यो और पेरिस ओलंपिक भी शामिल हैं। श्रीजेश ने कहा कि यदि खिलाड़ियों की सहमति से यह फैसला लिया गया है तो विवाद की कोई गुंजाइश नहीं बचती, क्योंकि मैदान पर खेलने वाले खिलाड़ी ही सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीति को खेलों से दूर रखा जाना चाहिए और बाहरी लोगों को टीम के फैसलों पर अनावश्यक प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए। हालांकि उन्होंने यह जरूर माना कि यदि जर्सी बदलनी थी तो खिलाड़ियों को पहले से नई जर्सी में खेलने का अभ्यास कराया जाना चाहिए था ताकि वे उसके अभ्यस्त हो सकें।

विश्व कप को लेकर श्रीजेश ने टीम को संदेश दिया कि यह 50 साल का इंतजार खत्म करने का सबसे सुनहरा अवसर है। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड को छोड़कर पूल में बाकी टीमें ज्यादा कठिन नहीं हैं और भारत के पास सेमीफाइनल तक पहुंचने का मजबूत मौका है। उनका अंतिम संदेश था— 'बाहर की सभी बातें भूल जाओ, दबाव छोड़ दो, अपनी सर्वश्रेष्ठ हॉकी खेलो और देश को विश्व कप पदक दिलाओ।'

जम्मू से अमरनाथ यात्रा फिर शुरू 3,886 तीर्थयात्री बालटाल रवाना

एजेंसी, जम्मू

भारी बारिश के कारण रोकी गई अमरनाथ यात्रा मौसम में सुधार होने के बाद जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से रविवार को फिलहाल बहाल कर दी गई ह बारिश और मलबा आने से बंद हुए 250 किलोमीटर लंबे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) को मरम्मत के बाद यातायात के लिए खोल दिया गया है।

यात्रियों का नया जत्था कड़े सुरक्षा पहरे और एस्कॉर्ट गाड़ियों के साथ आधार शिविर से रवाना किया गया है। इस बीच यात्रियों की सुविधा के लिए श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड ने पंजीकरण और टोकन वितरण से जुड़ी ऑफलाइन सेवाएं भगवती नगर बेस कैंप में स्थानांतरित कर दी हैं।

अधिकारियों के अनुसार, 3,886 तीर्थयात्री कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच तड़के 2:52 बजे 177 वाहनों के साथ भगवती नगर से कश्मीर के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुए। इस जत्थे में 3,098 पुरुष, 673 महिलाएं, पांच बच्चे, 87 साधु, 22 साध्वियां और एक बाल साधु शामिल हैं। यह जत्था 78 बसों, 42 मिडियम मोटर वाहनों, 53 हल्के मोटर वाहनों और चार दोपहिया वाहनों के माध्यम से रवाना हुआ है। इससे पहले भूस्खलन प्रभावित हिस्सों की मरम्मत के लिए उधमपुर और बनिहाल के बीच एनएच-44 को बंद करने के बाद शनिवार को तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई थी। मरम्मत के बाद शनिवार शाम हाइवे को फिर से खोल दिया गया। खराब मौसम व मरमत कार्य के चलते बालटाल से शुक्रवार को एक दिन के लिए यात्रा रोकी गई थी। यह यात्रा शनिवार को दोबारा शुरू हुई।

अमेरिकी में रेस्टोरेंट में 3 लोगों की गोली मारकर हत्या, शूटर भी ढेर

एजेंसी, वाशिंगटन। अमेरिका के पर्वतीय राज्य इडाहो के ट्विन फॉल्स शहर के मशहूर इन-एन-आउट बर्गर नामक रेस्टोरेंट में शनिवार दोपहर तीन लोगों को गोली मारकर हत्या कर दी गई। कथित बंदूकधारी भी भागते समय मारा गया। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। इस रेस्टोरेंट ग्रैंड ओपनिंग एक हफ्ते पहले धूमधाम से की गई थी। स्थानीय प्रसारण केंद्र केएमवीटी की रिपोर्ट के अनुसार, ट्विन फॉल्स शहर के जन संपर्क अधिकारी जोश पामर ने बताया कि पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने पुष्टि की कि गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा कि शूटर भागते समय मारा गया है। वह पुलिस की गोली से मारा गया या उसने खुद को गोली मार ली, यह अभी साफ नहीं हो सका है।

केएमवीटी के अनुसार, सोशल मीडिया में साझा किए गए वीडियो में बदहवास लोग रेस्टोरेंट से निकलकर ब्लू लेक्स और ब्रिजव्यू चौराहे की ओर भागते हुए नजर आ रहे हैं। दूसरे वीडियो में एक व्यक्ति बंदूक पकड़े हुए ड्राइव-थ्रू में एक कार के पास आता दिख रहा है। इस वीडियो को रिकॉर्ड करने वाले एलेक्सिस एगुइलर ने कहा कि वह और उसके कुछ दोस्त बर्गर खाने के लिए इस रेस्टोरेंट पर जा रहे थे। अचानक गोली चलने की आवाज सुनाई दी। इसके बाद लोग रेस्टोरेंट से जान बचाकर भागते नजर आए। पुलिस का कहना है कि इडाहो राज्य की सभी सीमाएं सील कर दी गई हैं। इस राज्य की सीमाएं मोंटाना, व्योमिंग, नेवादा, यूटा, ओरेगन, वाशिंगटन और कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत से मिलती हैं। ट्विन फॉल्स के पुलिस प्रमुख मैथ्यू हिक्स ने कहा कि लोग घबराएं नहीं। अब कोई खतरा नहीं है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने पीबीजी 'सोल्जराथॉन' को वर्चुअल माध्यम से दिखाई हरी झंडी

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण से वर्चुअल माध्यम से राष्ट्रपति अंगरक्षक (पीबीजी) 'सोल्जराथॉन' को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर इस पहल के संरक्षक और मिजोरम के राज्यपाल जनरल (डॉ.) वीके सिंह (सेवानिवृत्त) भी मौजूद रहे। राष्ट्रपति ने इस मौके पर विशेष डाक आवरण भी जारी किया।

राष्ट्रपति सचिवालय ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली कैंटोनमेंट स्थित करिअप्पा परेड ग्राउंड में किया गया। 'सोल्जराथॉन' नागरिकों और सशस्त्र बलों के बीच संबंधों को मजबूत करने का अनूठा मंच है। 'रन फॉर सोल्जर्स, रन विद सोल्जर्स' के विज़न पर आधारित इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय सैनिकों की समर्पण भावना, साहस और बलिदान का सम्मान देना है तथा नागरिकों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से उनके साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए प्रेरित करना है।

इस दौड़ का आयोजन तीन श्रेणियों में किया गया। इसमें पहली 3 किलोमीटर, दूसरी 5 किलोमीटर और तीसरी 10 किलोमीटर की दौड़ शामिल है। 'सोल्जराथॉन' से प्राप्त राशि का उपयोग सशस्त्र बलों के पैराप्लेजिक पुनर्वास केंद्र, युद्ध में शहीद हुए सैनिकों के आश्रितों के कल्याण आदि के लिए किया जाएगा। साथ ही यह पहल पीबीजी के घोड़ों और जवानों के सहयोग के लिए भी है।

नेपाली पर्वतारोही निर्मल पुर्जा 'निम्स दाई' का शव पाकिस्तान के ब्रॉड पीक पर्वत पर मिला

एजेंसी, काठमांडू। प्रसिद्ध नेपाली पर्वतारोही निर्मल पुर्जा 'निम्स दाई' का शव तीन दिन बाद रविवार को पाकिस्तान के ब्रॉड पीक पर्वत पर मिल गया है। वह ब्रॉड पीक पर तीन दिन पहले लगभग 5,700 मीटर की ऊंचाई पर लापता हो गए थे। पाकिस्तान के अल्पाइन क्लब (एसीपी) के अनुसार निर्मल पुर्जा और उनकी टीम का गुरुवार सुबह हिमस्खलन (एवलांच) की चपेट में आने के बाद उनसे संपर्क टूट गया था। इससे पहले शनिवार को उनके अभियान का आयोजन करने वाली कंपनी एलिट एक्सपेड ने पाकिस्तानी पर्वतारोही सोहेल साखी सहित अभियान में शामिल सभी सदस्यों की मृत्यु की पुष्टि की थी। एसीपी की नायला कियानी ने एक आधिकारिक बयान में निर्मल पुर्जा 'निम्स दाई' का शव मिलने की पुष्टि की। एसीपी के बयान में कहा गया, 'हमें अत्यंत दुख के साथ यह जानकारी साझा करनी पड़ रही है कि स्थल मार्ग से पहुंची बचाव टीम ब्रॉड पीक पर लगभग 5,700 मीटर की ऊंचाई पर निर्मल पुर्जा 'निम्स दाई' के शव तक पहुंच गई है। वहां तीन अन्य शव भी दिखाई दिए हैं, लेकिन उनकी पहचान की अभी पुष्टि नहीं हो सकी है। बचाव दल सभी शवों को जापानी कैंप तक लाएगा।' एसीपी ने यह भी बताया कि अत्यंत कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच राहत एवं बचाव अभियान जारी है। चूंकि, घटनास्थल से प्राप्त जानकारी अभी प्रारंभिक है, इसलिए आधिकारिक पुष्टि होने तक अपुष्ट सूचनाएं प्रसारित नहीं करने की अपील की गई है।

ऑपरेशन 'विस्टा 1.0': दिल्ली में वीजा नियम तोड़ने वाले छह बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

मध्य जिले की स्पेशल स्टाफ की फॉरेन सेल ने विदेशी नागरिकों द्वारा वीजा नियमों के उल्लंघन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन 'विस्टा 1.0' (वीजा स्टेटस वेरिफिकेशन) के दौरान छह बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है।

जांच में सामने आया कि सभी भारत में डबल एंट्री वीजा पर आए थे, लेकिन प्रत्येक यात्रा के लिए निर्धारित 15 दिन की अधिकतम अवधि समाप्त होने के बाद भी बिना अनुमति भारत में रह रहे थे। इसके बाद एफआरआरओ के माध्यम से उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान शफी इमाम नफीस सिद्दीकी (31), एहिया एहतेशाम (31), आसिफ मोल्ला (21), एमडी बुलबुल हुसैन (20), हसन शेख (24) तथा 21 वर्षीय एक महिला के रूप में हुई है। इनमें दो सिलहट, दो गोपालगंज और दो सिराजगंज (बांग्लादेश) के रहने वाले हैं।

मध्य जिले के पुलिस उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह ने रविवार को बताया कि जिले की फॉरेन सेल ने होटलों, गेस्ट हाउसों और विदेशी नागरिकों के ठहरने वाले अन्य प्रतिष्ठानों का विशेष सत्यापन अभियान चलाया। इसी दौरान नबी करीम स्थित अराकाशन रोड के एक होटल की जांच के दौरान छह बांग्लादेशी नागरिक ठहरे मिले। टीम ने उनके पासपोर्ट, वीजा और इमिग्रेशन रिकॉर्ड की जांच की तो पता चला कि सभी के पास भारतीय डबल एंट्री वीजा तो वैध था, लेकिन वीजा की शर्तों के अनुसार प्रत्येक बार भारत में अधिकतम 15 दिन ही ठहरने की अनुमति थी। सभी इस अवधि से अधिक समय तक भारत में रुके हुए थे।

अनुशासनहीनता पर बसपा ने अशोक व रणधीर सिंह बेनीवाल को पार्टी से निकाला

एजेंसी, लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अनुशासनहीनता और पार्टी के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन के आरोप में पूर्व राज्यसभा सदस्य अशोक सिद्धार्थ और पार्टी के को-ऑर्डिनेटर रणधीर सिंह बेनीवाल को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निष्कासित कर दिया है। अशोक सिद्धार्थ बसपा प्रमुख मायावती के समधी तथा पार्टी के वरिष्ठ नेता आकाश आनंद के ससुर हैं।

रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी सिलसिलेवार पोस्ट में मायावती ने कहा कि अशोक सिद्धार्थ को पहले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान टिकट वितरण के मुद्दे पर प्रदेश नेतृत्व के साथ तालमेल नहीं बैठा पाने और अनुशासनहीनता के कारण पार्टी से निकाला गया था। बाद में इस शर्त पर उन्हें दोबारा पार्टी में शामिल किया गया कि वे भविष्य में ऐसी गलती नहीं करेंगे। मायावती के अनुसार, दोबारा जिम्मेदारी मिलने के बाद भी अशोक सिद्धार्थ अपने दायित्वों का निर्वहन अपेक्षित ढंग से नहीं कर सके।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक के अलावा ओडिशा और पश्चिम बंगाल से भी उनके खिलाफ पार्टी के दिशा-निर्देशों की अनदेखी और अनुशासनहीनता की शिकायतें लगातार मिलती रहीं। कई बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद सुधार नहीं होने पर पार्टी और आंदोलन के हित में उन्हें स्थायी रूप से निष्कासित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब उन्हें भविष्य में दोबारा पार्टी में शामिल नहीं किया जाएगा।